@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 5 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 144 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सरकार ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की पत्नी की सुरक्षा घटाई

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। केंद्र सरकार ने पूर्व पीएम स्व. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर की सुरक्षा घटा दी है। जानकारी के मुताबिक, गुरशरण कौर को अब जेड- श्रेणी सिक्योरिटी की सुरक्षा मिलेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने समीक्षा के बाद दिवंगत प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर की सशस्त्र सुरक्षा घटाकर जेड श्रेणी कर दी है। पिछले साल 26 दिसंबर को 92 वर्ष की आयु में दिवंगत हुए पूर्व प्रधानमंत्री के निकटतम परिवार से होने के कारण उन्हें पहले जेड-प्लस श्रेणी की केंद्रीय सुरक्षा दी गई थी। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की तरफ से गुरशरण कौर की सुरक्षा की हाल ही में की गई समीक्षा में उन्हें जेड श्रेणी में रखने का प्रावधान किया गया है, जो सुरक्षा का दूसरा सबसे उच्च स्तर है। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) वीआईपी सुरक्षा विंग को कौर के लिए जेड श्रेणी के अनुसार कर्मियों की संख्या और प्रोटोकॉल कम करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि उन्हें निजी सुरक्षा के साथ-साथ उनके घर की सुरक्षा के लिए करीब 12 सशस्त्र कमांडो की सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के वर्गीकरण में बदलाव के कारण पूर्व पीएम के लिए स्वीकृत दिल्ली पुलिस कर्मियों की संख्या में भी कमी आई है। बता दें कि, केंद्र सरकार की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम में बदलाव किए जाने के बाद, पूर्व पीएम मनमोनह सिंह को 2019 में सीआरपीएफ के उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) प्रोटोकॉल के साथ जेड-प्लस कवर प्रदान किया गया था।

बैंकॉक में मो. यूनुस को पीएम मोदी की खरी-खरी

सिम्मी कौर बब्बर

बैंकॉक, 4 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की शुक्रवार को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में मुलाकात हुई। शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी। दोनों नेता बिम्सटेक सम्मेलन से इतर मिले। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट बातचीत हुई। पीएम मोदी की मोहम्मद यूनुस से मुलाकात को लेकर भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पीएम मोदी ने एक बार फिर लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने प्रोफेसर यूनुस के भारत के साथ सकारात्मक संबंधों की इच्छा को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने अपील की कि माहौल खराब करने वाली बयानबाजी से बचा जाए। सीमा पर सख्ती से अवैध घुसपैठ को रोका जा सकता है और सीमा सुरक्षा को कायम रखा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जाहिर की। बीते साल अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। उसके बाद से मोहम्मद यूनुस ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। हालांकि मोहम्मद यूनुस का कार्यकाल विवादों में घिरा रहा है और उनके कार्यकाल में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ीं। इसके चलते भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में भी खटास आई है। बीते हफ्ते ही चीन के दौरे पर मोहम्मद यूनुस ने भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आई है। दरअसल मोहम्मद यूनुस ने चीन दौरे पर चीन की सरकार से बांग्लादेश में निवेश बढ़ाने की अपील की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत के उत्तर पूर्वी राज्य चारों तरफ जमीन से घिरे हैं और उनके पास समुद्र तक पहुंच नहीं है। ऐसे में ये चीन के लिए अवसर हो सकता है। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि क्षेत्र में बांग्लादेश ही ऐसी ताकत है, जिसके पास समुद्री पहुंच है। हालांकि मोहम्मद यूनुस का यह बयान भारत को नाराज कर गया और इसे लेकर आधिकारिक चैनल से भारत ने नाराजगी भी जाहिर की है। प्रधानमंत्री मोदी बिम्सटेक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए थाईलैंड दौरे पर हैं। शुक्रवार को पीएम मोदी म्यांमार के सैन्य शासक मिन आंग ह्लेइंग से भी मुलाकात की और उन्हें भूकंप से राहत और बचाव कार्यों में हरसंभव मदद देने की पेशकश की।

ओवैसी वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। बिहार की किशनगंज लोकसभा सीट से निर्वाचित लोकसभा सांसद मोहम्मद जावेद ने वक्फ संशोधन विधेयक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। संसद के दोनों सदनों से विधेयक पारित होने के बाद सांसद जावेद ने देश की सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाया और इस विधेयक को असांविधानिक करार देने की अपील की। जावेद के अलावा तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से चुन कर आने वाले सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सुप्रीम कोर्ट में इस प्रस्तावित कानून को चुनौती दे रहे हैं। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुस मुस्लिमीन के सांसद ओवैसी ने लोकसभा में इस विधेयक पर लगभग 12 घंटे लंबी चर्चा के दौरान भी इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया था। ओवैसी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए इस विधेयक के विरोध में प्रतीकात्मक रूप से बिल की प्रति फाड़ने की बात कही थी। गौरतलब है कि लोकसभा से वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 तीन अप्रैल को पारित हुआ। दो अप्रैल को चर्चा की शुरुआत के बाद लगभग 12 घंटे की चर्चा हुई। देर रात विधेयक और इसमें प्रस्तावित संशोधनों पर वोटिंग के बाद लोकसभा से यह विधेयक देर रात 1.56 बजे पारित हुआ। इसके समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 232 वोट डाले गए। अगले दिन यानी चार अप्रैल को राज्यसभा में विधेयक पारित हुआ।

दलितों-आदिवासियों की योजनाओं के लिए बजट हिस्सेदारी तय करने का कानून बने: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मांग की है कि ऐसा कानून बनना चाहिए, जो यह सुनिश्चित करे कि दलितों और आदिवासियों के लिए बनी सरकारी योजनाओं के लिए बजट में उचित हिस्सा मिले। उन्होंने दलितों और आदिवासियों को सत्ता में भागीदारी देने के लिए भी ठोस कदम उठाने की अपील की। राहुल गांधी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में दलित और आदिवासी समुदायों से जुड़े शोधकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि दलितों और आदिवासियों के लिए केंद्रीय बजट का एक निश्चित हिस्सा आवंटित करने के लिए कानून बनाया जाए। कर्नाटक और तेलंगाना में पहले से ही ऐसा कानून लागू है और वहां इन समुदायों को इसका लाभ मिला है। यूपीए सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर दलितों और आदिवासियों के लिए %उप-योजनाएं भी शुरू की थीं। हालांकि, मोदी सरकार के दौरान इस प्रावधान को कमजोर कर दिया गया है और बजट का बहुत छोटा हिस्सा ही इन वर्गों तक पहुंच रहा है। गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि दलित और आदिवासी लंबे समय से अधिकारों और प्रतिनिधित्व के लिए लड़ रहे हैं। आज हमें इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि उन्हें सत्ता में भागीदारी और शासन में आवाज देने के लिए और क्या ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, %हमें एक राष्ट्रीय कानून की जरूरत है जो दलितों और आदिवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विशेष रूप से तैयार की गई योजनाओं के लिए बजट का उचित हिस्सा सुनिश्चित करे।

संसद से वक्फ बिल पारित होने के बाद शहरों में आक्रोश

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का कहना है, ऐसा नहीं होना चाहिए। यह अल्पसंख्यकों और मुसलमानों की संस्था है और इस पर इस तरह से हमला करना और संसद में इसे पारित करना, मेरा मानना है कि डकैती के बराबर है, जो बहुत गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए। संसद के बजट सत्र के दौरान दोनों सदनों- लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन बिल बहुमत से पारित हो चुका है। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद विधेयक कानून की शक्ल ले लेगा। प्रस्तावित कानून के खिलाफ कई मुस्लिम संगठनों में आक्रोश है। भाजपा शासित राज्य- गुजरात के अहमदाबाद और तृणमूल कांग्रेस शासित प्रदेश पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता समेत कई शहरों में प्रदर्शन होने की शुरुआत हो गई है। अहमदाबाद में सड़कों पर उतरे आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गौरतलब है कि लोकसभा से वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 तीन अप्रैल को पारित हुआ। दो अप्रैल को चर्चा की शुरुआत के बाद लगभग 12 घंटे की चर्चा हुई। देर रात विधेयक और इसमें प्रस्तावित संशोधनों पर वोटिंग के बाद लोकसभा से यह विधेयक देर रात 1.56 बजे पारित हुआ। इसके समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 232 वोट डाले गए। अगले दिन यानी चार अप्रैल को राज्यसभा में विधेयक पारित हुआ। राज्यसभा में तीन अप्रैल को इस विधेयक पर चर्चा की शुरुआत हुई। देर रात 2.32 बजे राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने विधेयक पारित होने की घोषणा की।

वीडियो कॉफ्रेंसिंग से ही सुनवाई में शामिल होगा यासीन मलिक

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने तिहाड़ जेल में बंद जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को सुनवाई के लिए जम्मू कोर्ट भेजने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने उसे जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये गवाहों से जिरह करने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार आईटी और जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल की तिहाड़ जेल और जम्मू में उपलब्ध वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं को लेकर सौंपी गई रिपोर्ट देखी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जम्मू सत्र न्यायालय वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली से अच्छी तरह सुसज्जित है, जिससे वर्चुअल सुनवाई संभव हो सकेगी। इस दौरान यासीन मलिक ने कहा कि वह गवाहों से जिरह के लिए वकील नहीं रखना चाहते। शीर्ष अदालत जम्मू ट्रायल कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे मलिक को निर्देश दिया गया था कि उन्हें राजनेता मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद के अपहरण के मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने के लिए शारीरिक रूप से पेश किया जाए। यासीन मलिक और पांच अन्य आरोपियों के खिलाफ दो मामलों में सुनवाई चल रही है। पहला मामला 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर में गोलीबारी में चार भारतीय वायु सेना कर्मियों की हत्या से जुड़ा है। जबकि दूसरा मामला आठ दिसंबर 1989 को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़ा है। रुबैया सईद के अपहरण के बदले भाजपा समर्थित वीपी सिंह सरकार ने पांच आतंकवादियों को रिहा किया था। सीबीआई ने 1990 के दशक की शुरुआत में इस मामले को अपने हाथ में लिया था। यासीन को एनआईए की विशेष अदालत ने आतंकी फंडिंग मामले में बीते साल 25 मई 2023 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। यासीन को दो मामलों में उम्रकैद और 10 मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा उस पर 10 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया गया था। मलिक तिहाड़ जेल में बंद है। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली शराब कंपनी तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) में ईडी की छापेमारी से जुड़ी तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से ईडी की छापेमारी के खिलाफ अपनी याचिका को मद्रास उच्च न्यायालय से किसी अन्य उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की अपील की है। इससे पहले 25 मार्च को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम एस रमेश और न्यायमूर्ति एन सेंथिलकुमार की खंडपीठ ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया।

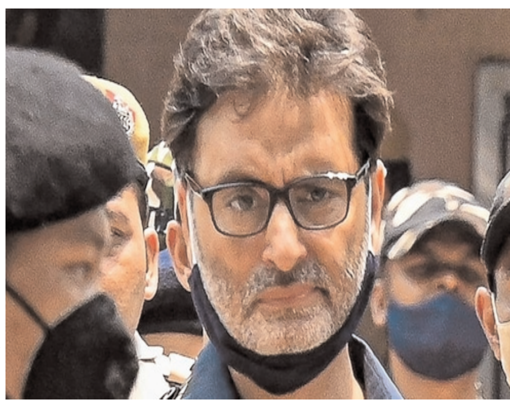

बिहार के प्राइवेट अस्पतालों में होगा मुफ्त इलाज: मंगल पांडेय

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 4 अप्रैल। बिहार में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को रिकॉर्ड भुगतान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने जानकारी देते हुए कहा कि वितीय वर्ष 2024-25 में अब तक का सबसे ज्यादा रिकॉर्ड कुल 1010 करो ? रुपये का दावा भुगतान किया गया है। कुल दावे भुगतान की राशि वितीय वर्ष 23-24 में 323.23 करो ? से ब ?कर वितीय वर्ष 2024-25 में तिगुना से भी ज्यादा 1010.88 करो ? हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के अंदर सूचीबद्ध कुल 833 अस्पतालों एवं राज्य के बाहर के 2426 सूचीबद्ध अस्पतालों को योजना अंतर्गत नि:शुल्क इलाज प्रदान करने के लिए इस राशि का भुगतान कर दिया गया है। राज्य अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों को दावा भुगतान विगत वर्ष के 236.43 करो ? से ब ?कर वितीय वर्ष 2024-25 में लगभग तिगुना 677.74 करो ? हो गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कि योजना में प्राइवेट अस्पतालों की भागीदारी में भी वितीय वर्ष 2023 - 24 की तुलना में दोगुनी वृद्धि हुई है। जहां वितीय वर्ष 2023-24 में 87 प्राइवेट अस्पताल इस योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हुए थे, वहीं वितीय वर्ष 2024-25 में 161 प्राइवेट अस्पताल सूचीबद्ध किये गए हैं, जिससे मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है। राज्य में जारी किए गए आयुष्मान कार्डों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2023-24 में 88 लाख से ब ?कर वर्ष 2024-25 में 3.72 करो ? तक पहुंच गई है। वर्ष 2023 में 9.03 लाख आयुष्मान कार्ड का निर्माण हुआ था, जबकि वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 2.82 करो ? आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया गया है। जिससे लाखों और नागरिकों को कैशलेस उपचार का लाभ सुनिश्चित हो सकेगा। इसके अतिरिक्त वितीय वर्ष 2024-25 में 216,279 आयुष्मान वय वंदना कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा कवरेज का विस्तार हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य के बाहर सूचीबद्ध अस्पतालों को दावा भुगतान 86.80 करो ? से ब ?कर 333.14 करो ? हो गया है। योजनान्तर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा प्राप्त करने वाले लाभुकों की संख्या में भी तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वितीय वर्ष 2023-24 में अस्पताल में भर्ती होने वाले लाभुकों की संख्या 3.55 लाख थी, जो वितीय वर्ष 2024-25 में ब ?कर 9.47 लाख हो गई है। वितीय वर्ष 2024-25 में राज्य के अंदर अस्पतालों में भर्ती होने वाले लाभुकों की संख्या विगत वर्ष के 3,08,731 से ढाई गुना से भी ज्यादा 8,01,987 हो गया है।

नेशनल कांफ्रेंस नेताओं का केंद्र सरकार पर हमला

श्रीनगर, 4 अप्रैल। शनिवार को जम्मू और कश्मीर में केंद्र सरकार की नीतियों, खासकर वक्फ बिल और जनादेश, पर नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। नेशनल कांफ्रेंस के प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि दो प्रमुख मुद्दों पर व्यापक बहस हुई है। वक्फ बिल को मुसलमानों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ बताते हुए, उन्होंने इसका विरोध किया। सादिक ने कहा कि इस बिल को अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों पर हमला बताया। इसके अलावा जनादेश का सम्मान करने का आह्वान किया और कहा कि जो लोग ऐसा नहीं करते, वे जनादेश को अपमानित करते हैं। हमारी एकजुटता को कमजोरी समझने की भूल न करें, हमें दीवार से न धकेलें, और केंद्र सरकार से कहा कि वह जनादेश का सम्मान करें। विधानसभा में विधायक दल के नेता और कांग्रेस के नेता निजामुद्दीन भट ने कहा कि गठबंधन के सभी विधायक सदन के नेता के पीछे दृढ़ता से खड़े हैं। भट ने कहा कि राजभवन और केंद्र सरकार से बातचीत करके वक्फ जैसे संवेदनशील मुद्दे और लोकप्रिय सरकार का जनादेश हल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ लोग शायद शांति को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ये प्रयास असफल होंगे।

सड़क पर नमाज से जुड़े गौरव गोगोई के बयान पर सीएम सरमा ने जताई शर्मिंदगी

नरेश मल्होत्रा

गुवाहाटी, 4 अप्रैल। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने संसद में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के सड़क पर नमाज से जुड़े बयान को लेकर शर्मिंदगी जताई। उन्होंने सांसद का बिना नाम लिए कहा कि मुझे इस बात पर शर्मिंदगी महसूस हो रही है कि हमारे राज्य के एक सांसद ने वक्फ विधेयक पर बहस के दौरान संसद में कहा कि मुसलमानों को सड़कों पर ईद की नमाज अदा करने की अनुमति नहीं है। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। असम की सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद सीएम सरमा ने कहा कि असम के लोग भी सड़कों पर नमाज अदा नहीं करना चाहते हैं। क्योंकि राज्य में खूबसूरत और अच्छी मस्जिदें हैं। सरमा ने कहा कि देश भर से लोग मुझे इस बारे में फोन कर रहे हैं। हम शर्मिंदा हैं और मैं सीएम के तौर पर देश भर के लोगों से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की ओर से ऐसी कोई मांग नहीं की गई है कि वे सड़कों पर नमाज अदा करना चाहते हैं। कांग्रेस सांसद की टिप्पणी से यह धारणा बनी है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में केवल एक समुदाय ने योगदान दिया। सांसद केवल एक समुदाय की भूमिका को उजागर करने की हद तक चले गए। महात्मा गांधी, गोपीनाथ बोरदोलोई, सुभाष चंद्र बोस या अन्य प्रमुख हस्तियों का कोई उल्लेख नहीं किया गया। सीएम सरमा ने कहा कि यह केवल संसद में असम के एक विशेष सांसद का अतिवादी बयान हैं, जिसने हमें दुखी किया है और हम इसके बारे में शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। असम के लोग समय आने पर ऐसे लोगों को सबक सिखाएंगे। पंचायत चुनाव को लेकर सरमा ने कहा कि यह सभी चुनावों में अच्छा होगा। क्योंकि असम के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बहुत भरोसा है। गोगोई ने वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान मुसलमानों को सड़कों पर ईद की नमाज अदा करने से कथित तौर पर रोकने के लिए सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया था। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम कैबिनेट ने कोच राजबंशी समुदाय के लोगों के खिलाफ विदेशी न्यायाधिकरणों में लंबित सभी मामलों को हटाने का फैसला किया है। वे अब डी या संदिग्ध मतदाता का टैग नहीं रखेंगे। राज्य के विभिन्न विदेशी न्यायाधिकरणों में समुदाय के लोगों के खिलाफ 28,000 मामले लंबित हैं। कैबिनेट ने तत्काल प्रभाव से मामलों को हटाने का ऐतिहासिक फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि कोच राजबंशी राज्य का एक स्वदेशी समुदाय है और वे हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अभिन्न हिस्सा हैं। इस समुदाय के लोग गरीब हैं और पिछले कई सालों में उन्होंने काफी कुछ सहा है। कोच राजबोंगशी की असम, पश्चिम बंगाल, मेघालय और बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के कुछ हिस्सों में अच्छी खासी मौजूदगी है और वे अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांगते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में अप्रैल में ही डेंगू ने दे दी दस्तक ?

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। देश के ज्यादातर हिस्सों में गर्मियों की शुरुआत हो गई है। अप्रैल के शुरुआती हफ्ते में ही पारा 35 पार कर रहा है। मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव के कारण फ्लू जैसे वायरल संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में ओपीडी में हेपेटाइटिस-बी और सी संक्रमण के मरीज भी बढ़े हैं। इन सबके बीच क्या दिल्ली-एनसीआर में अभी से डेंगू ने भी दस्तक दे दी है? आमतौर पर बरसात के शुरुआती महीनों में डेंगू-मलेरिया जैसे मच्छरजनित रोगों के मामले बढ़ने लगते हैं, तो क्या इस बार अभी से ही अस्पतालों में डेंगू के मरीज आने शुरू हो गए हैं? प्राप्त हो रही जानकारियों के मुताबिक नोएडा जिला अस्पताल में रोज डेंगू के 50-60 संदिग्ध मरीज पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक अस्पतालों में डेंगू संदिग्ध मरीज बढ़ने लगे हैं। बुखार से परेशान लोगों को डेंगू संदिग्ध मानकर जांच कराई जा रही है। हालांकि इस सीजन में अबतक डेंगू का कोई मरीज नहीं मिला है। जिला अस्पताल की रिपोर्ट के मुताबिक, रोजाना 50-60 मरीजों की और मलेरिया की जांच की जा रही है। रिपोर्ट न आने तक इन सभी को डेंगू संदिग्ध मानकर इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा दिन में तेज धूप और रात में तापमान गिरने के कारण भी लोग बुखार की चपेट में आ रहे हैं। ये फ्लू का भी मौसम हैं जिसके कारण लोगों को तेज बुखार के साथ सर्दी-जुकाम जैसी दिक्कतें हो रही हैं। अमर उजाला समाचार पत्र में प्रकाशित एक रिपोर्ट में जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. प्रदीप कुमार शैलत ने बताया कि इन दिनों बुखार की शिकात वाले मरीज बढ़ गए हैं। यदि कोई मरीज तीन दिन से बुखार से परेशान है और लक्षण डेंगू से मिलते-जुलते हैं तो डेंगू संदिग्ध मानकर जांच करवाई जाती है। कुछ मरीजों को अस्पताल में भर्ती करके भी इलाज किया जा रहा है। टायफाइड के मरीज भी मिल रहे हैं। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि जिले में अबतक डेंगू और मलेरिया का कोई पॉजिटिव मरीज नहीं मिला है। आशा वर्कर से 10 अप्रैल से दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इसमें आशाएं घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोग से बचाव के लिए जागरूक करेंगी। इसमें सबसे पहले हर घर में जाकर आभा आईडी बनाएगी और ई-कवच पर एंट्री करेगी। यदि बुखार, इन्फ्लुएंजा, टीबी, फाइलेरिया आदि के संदिग्ध मरीज हैं तो जांच करवाने के लिए कहेगी। इसके साथ ही डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करेंगी।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ओली ने क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर दिया जोर

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के तीन स्तंभ समृद्धि, लचीलापन और खुलापन न केवल सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं, बल्कि नेपाल की समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली की राष्ट्रीय आकांक्षा के साथ गहराई से प्रतिध्वनित भी होते हैं। थाईलैंड के बैंकॉक में शुक्रवार को बिम्सटेक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि बिम्सटेक को न केवल बदलते समय के साथ खुद को ढालना चाहिए, बल्कि हमारे क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के अवसर का भी लाभ उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल की खाड़ी क्षेत्र का निर्माण हमारी क्षमता को और अधिक उपयोग करने और हमारे पास मौजूद संसाधनों के सही उपयोग के लिए किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह मानते हुए कि हमारे क्षेत्र की सभी अर्थव्यवस्थाएं समान नहीं हैं, हमें सदस्य राज्यों को विशेष जरूरतों के साथ तरजीही समर्थन देना चाहिए, ताकि वे आम समृद्धि साझा कर सकें। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन ने पूरी मानवता के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा कर दिया है, इसलिए नेपाल की विशेष जिम्मेदारी बनती है। ओली ने कहा कि हमारे उच्च हिमालय बारहमासी जल टावर और एशिया के कूलिंग स्टेशन हैं।

काठमांडू विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल, अनावश्यक बाहर न निकलने की हिदायत

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू पिछले दो दिनों से विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहर बन रहा है। अत्यधिक प्रदूषण के कारण आम लोगों में आंखों में जलन, सीने में दर्द, दम घुटने जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। सरकार ने अनावश्यक घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। काठमांडू बीते मंगलवार से लगातार ही विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल हो रहा है। दिनभर धुंध के कारण धूप का प्रकाश नहीं पहुंच पा रहा है। इस समय राजधानी के अस्पतालों में लोग अपनी आंखों में जलन और सांस लेने में कठिनाई तथा दम घुटने जैसी शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। पर्यावरण विभाग के अनुसार, काठमांडू का वायु प्रदूषण एक अस्वास्थ्यकर स्तर पर पहुंच गया है, जिससे यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बन गया है। आईक्यू एयर के आंकड़ों से पता चलता है कि शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बुधवार को 268 पर पहुंच गया, जो 151-200 की अस्वास्थ्यकर सीमा को पार कर गया और 300 से ऊपर खतरनाक स्तर के करीब है। काठमांडू के अस्पतालों में आंखों में जलन, गले में खराश, लगातार खांसी और श्वसन संकट से पीड़ित रोगियों में तेज वृद्धि हुई है। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. राजू पंगेनी ने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने जिन रोगियों का इलाज किया है, उनमें से आधे से अधिक वायु प्रदूषण के कारण श्वसन संबंधी समस्याएं विकसित हुई हैं।

भारत ने नेपाली वस्तुओं के आयात पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाया

काठमांडू। भारत ने नेपाल में निर्मित सीमेंट, नालीदार चादरें और प्लाई लकड़ी सहित विभिन्न वस्तुओं पर भारतीय मानक प्रमाण पत्र ब्यूरो के नए सिरे से लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है। बैंकाक में शुक्रवार की शाम को दोनों देशों के प्रधानमंत्री की साइडलाइन मुलाकात से पहले भारत की तरफ से प्रतिबंध को हटाना एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। नेपाल के उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्री दामोदर भंडारी ने शुक्रवार को बताया कि भारत को नेपाली वस्तुओं के निर्यात और भारतीय बाजारों में माल की बिक्री और वितरण के लिए सुविधा प्रदान करने के भारत सरकार से किए गए आग्रह को उधर से स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कुछ महीने पहले अपनी भारत यात्रा के दौरान भारतीय समकक्ष पीयूष गोयल के साथ नेपाल की वस्तुओं पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए आग्रह किया था। मंत्री भंडारी ने कहा कि गत 11 और 12 जनवरी को नेपाल-भारत वाणिज्य सचिव स्तर की बैठक में इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई थी। इसके बाद भारतीय पक्ष ने समस्याओं को हल करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की थी। भारत ने सीमेंट, नालीदार चादरें, सैनिटरी पैड और जूते सहित वस्तुओं के निर्यात पर बीआईएस को अनिवार्य कर दिया है।

यूएई में भारतीय प्रवासी केरल की महिला की सड़क हादसे में मौत

अबू धाबी। यूएई में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में भारतीय प्रवासी केरल की महिला 53 वर्षीय साजिनाबानू सी की मौत हो गई। वे ईद पर अल ऐन में छुट्टियां मनाकर परिवार के सदस्यों के साथ कार से लौट रही थीं। उनके दो बेटे हैं। परिवार ने बताया कि दुर्घटना के समय वह अपने पति, छोटे बेटे और एक भतीजे के साथ कार में थीं। उनके बहनोई ने कहा कि अलग-अलग कारों में सात परिवार के सदस्य सवार थे। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, गृहिणी साजिनाबानू सी के पति एक कंपनी में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनके दोनों बेटे यूएई में पैदा हुए और पले-बढ़े। बड़ा बेटा भारत के केरल में डॉक्टर है। छोटा बेटा दुबई में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। एक अन्य रिश्तेदार ने बताया कि ईद-उल-फितर की छुट्टियों के लिए वह लोग सोमवार को अल ऐन के सुदूर इलाके में स्थित एक फार्महाउस में ठहरे थे।

विनाशकारी भूकंप के बाद महसूस किए गए 66 झटके, 3,085 की मौत, 4,715 घायल

एजेंसी

यांगून । म्यांमार में शुक्रवार को देश में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के भी झटकों (आफ्टरशॉक) का सिलसिला जारी है। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 अरब क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी। सरकारी दैनिक 'द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार के नेता ने यह बयान मंगलवार को ने-पी-ताव में एक नकद दान समारोह में दिया। कार्यक्रम में शुभचिंतकों ने 104.44 बिलियन क्याट (49.71 मिलियन डॉलर) नकद और 12.4 बिलियन क्याट (5.9 मिलियन डॉलर) मूल्य की गैर-नकद वस्तुएं दान कीं। शुक्रवार को म्यांमार में आए घातक भूकंप के बाद, सैन्य शासक मिन आंग ह्लाइंग ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की। 31 मार्च तक 16 देशों और क्षेत्रों से बचाव दल, डॉक्टर और नर्सें मानवीय सहायता और मेडिकल स्प्लाई के साथ म्यांमार पहुंच चुकी हैं। स्थानीय दैनिक म्यांमा एलिन के अनुसार, म्यांमार में आए 18 शक्तिशाली भूकंपों में से 7.7 तीव्रता का भूकंप दूसरा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इससे पहले 1912 में देश में 8.0 तीव्रता का भूकंप आया था। राज्य प्रशासन परिषद सूचना टीम के अनुसार, भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गई है, 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 अभी भी लापता हैं। म्यांमार रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष म्यो न्युंट ने कहा कि मौजूदा बचाव अभियान में मुख्य चुनौतियों में आपदा आकलन और रसद समन्वय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण, बचाव दलों को आपूर्ति वितरित करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, खास तौर पर भारी मशीनरी की कमी के कारण।

भूकंप के बाद दो एयरपोर्ट फिर से परिचालन शुरू करने को तैयार

एजेंसी

यांगून । विनाशकारी भूकंप के बाद म्यांमार के ने प्यी ताव इंटरनेशनल एयरपोर्ट और मांडले इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थानीय यात्रा सेवाएं फिर से शुरू होने वाली हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने म्यांमार रेडियो और टेलीविजन से मिली जानकारी का हवाला देते हुए बताया कि भूकंप के बाद दोनों एयरपोर्ट पर अस्थायी रूप से उड़ानें रोक दी गईं। नागरिक उड्डयन विभाग के अनुसार, मांडले इंटरनेशनल एयरपोर्ट 4 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे फिर से खुलेगा। इसके अलावा ने प्यी ताव इंटरनेशनल एयरपोर्ट 5 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे परिचालन दोबारा शुरू करेगा। म्यांमार में शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के भी झटकों (आफ्टरशॉक) का सिलसिला जारी है। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए। राज्य प्रशासन परिषद सूचना टीम के अनुसार, भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गई है, 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 अभी भी लापता हैं। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 अरब क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी। सरकारी दैनिक द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार के नेता ने यह बयान ने-पी-ताव में एक नकद दान समारोह में दिया। कार्यक्रम में शुभचिंतकों ने 104.44 बिलियन क्याट (49.71 मिलियन डॉलर) नकद और 12.4 बिलियन क्याट (5.9 मिलियन डॉलर) मूल्य की गैर-नकद वस्तुएं दान कीं।

ऑस्ट्रेलिया के बाढ़ प्रभावित इलाके में थमी बारिश, राहत कार्यों में तेजी की उम्मीद

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के बाढ़ प्रभावित इलाके में भारी बारिश थम गई है। हालांकि बाढ़ की कई हफ्तों तक जारी रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने बताया कि क्वींसलैंड राज्य के दक्षिण-पश्चिम और मध्य इलाकों में जो भारी बारिश हुई थी, अब वह बारिश खत्म हो गई है। बीओएम के डीन नैरामोर ने कहा, यह अच्छा है कि दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड में अब बारिश का सिलसिला खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, हालांकि बारिश रुक गई है, लेकिन दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड में बाढ़ कई दिनों, या शायद हफ्तों तक जारी रह सकती है।

न्यू साउथ वेल्स राज्य के आकार का एक क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुआ है, कुछ स्थानों पर बाढ़ का पानी 1974 में स्थापित रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया है, तथा दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड की प्रत्येक नदी बाढ़ के उच्च स्तर पर है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों (जो मुख्यतः पशुपालन से जुड़े हैं) को पहले ही घर छोड़ देने के लिए कह दिया गया था। सैकड़ों घर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए क्वींसलैंड के प्रीमियर डेविड क्रिसफुली ने ब्रिसबेन से लगभग 1,000 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में लॉन्गरीच शहर में मीडिया से कहा कि बाढ़ में 150,000 से अधिक मवेशी या तो मर गए हैं या लापता हैं। क्रिसफुली ने कहा, ' चाहता हूं कि क्वींसलैंड के लोग समझें कि यह कितना बड़ा संकट है। कृषि इन समुदायों का मुख्य स्रोत है और उन्हें फिर से खड़ा होने में काफी समय लगेगा। इस सुधार में महीनों और सालों का वक्त लगेगा। क्वींसलैंड के प्रीमियर ने प्रभावित प्राथमिक उत्पादकों के लिए 75,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (46,881.5 डॉलर) तक की सहायता अनुदान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए समुदायों की सहायता करने के लिए संघीय सरकार के साथ काम कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक बाढ़ से 5,000 किलोमीटर निजी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू, सैंकड़ों को पकड़ कर शिविरों में भेजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों सहित सैकड़ों अवैध विदेशियों को गिरफ्तार किया गया, और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया गया।पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निर्देशों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है। अफगान सरकार ने कहा, उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।

पाकिस्तान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि फिलिप कैंडलर ने कहा, पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी। समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का निर्णय पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया। सरकारी प्राधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की थी कि 31 मार्च तक देश नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अफगान शरणार्थियों को रखने के लिए कम से कम 43 शिविर स्थापित किए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को हिरासत में लेंगे, जिन्हें फिर शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। फिर उन्हें प्रत्यावर्तन के लिए तोरखम पाक-अफगान सीमा पर लांडी कोटल क्षेत्र में ले जाने से पहले सूचीबद्ध किया जाएगा।

भारत और थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत, प्रमुख क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर

एजेंसी

बैंकॉक । भारत और थाईलैंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड की पीएम पैतोंगतार्न शिनावात्रा के बीच व्यापक चर्चा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। बाद में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत-थाईलैंड सामरिक साझेदारी की स्थापना पर संयुक्त घोषणा के अलावा, डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता हुआ। इस संबंध में थाईलैंड के डिजिटल अर्थव्यवस्था और समाज मंत्रालय तथा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला डिविजन तथा थाईलैंड के ललित कला विभाग, संस्कृति मंत्रालय के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) के विकास को लेकर है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) और थाईलैंड के लघु और मध्यम उद्यम संवर्धन कार्यालय (ओएसएमईपी) के बीच एक अन्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और थाईलैंड की एक्ट वेस्ट नीति एक-दूसरे की पूरक हैं और कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के अवसर खोलती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने थाई पीएम के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, ÷हमने थाईलैंड और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। हमने बढ़ते आपसी व्यापार, निवेश और व्यापारिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। एमएसएमई, हथकरघा और हस्तशिल्प के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी समझौते किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल टेक्नोलॉजी, ई-व्हीकल, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप में सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया। भौतिक संपर्क बढ़ाने के अलावा, दोनों देश फिनटेक संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भी काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वार्ता में भारत-थाईलैंड रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई जिसमें रक्षा, सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और जल विज्ञान जैसे रणनीतिक क्षेत्र शामिल हैं।

विनाशकारी भूकंप के बाद सैन्य सरकार का अस्थायी संघर्ष विराम का ऐलान

एजेंसी

नेपीडॉ। म्यांमार की सैन्य सरकार ने 22 अप्रैल तक के लिए अस्थायी संघर्ष विराम की घोषणा की है। देश में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद राहत और पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए यह घोषणा की गई है। म्यांमार के रक्षा सेवा कमांडर-इन-चीफ कार्यालय ने बयान जारी कर कहा, भूकंप पीड़ितों के प्रति सहानुभूति और राहत कार्यों को तेज करने के लिए यह संघर्ष विराम लागू किया जा रहा है। इसके साथ ही, देश में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च को आए इस भीषण भूकंप और उसके कुछ मिनट बाद 6.4 तीव्रता के आफ्टरशॉक ने मांडले क्षेत्र समेत कई इलाकों में भारी तबाही मचाई। सड़कों, पुलों और इमारतों को गंभीर नुकसान हुआ, जिससे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। सैन्य सरकार ने अपने बयान में साफ किया कि संघर्ष विराम के दौरान कोई भी सशस्त्र समूह नागरिकों के यातायात मार्ग में बाधा नहीं डालेगा, आम जनता या उनकी संपत्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा, सुरक्षा बलों के शिविरों या सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करेगा और किसी भी प्रकार की सैन्य लामबंदी या क्षेत्रीय विस्तार पर रोक रहेगी। बताया गया कि अगर कोई गुट इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो सेना आवश्यक सुरक्षा कदम उठाएगी। इससे पहले, म्यांमार के प्रधानमंत्री और सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग ने जातीय सशस्त्र संगठनों के संघर्ष विराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा था कि कुछ सशस्त्र गुट भले ही अभी युद्ध में शामिल न हों, लेकिन वे हमले की तैयारी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का बैंकॉक में जोरदार स्वागत, बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

बैंकॉक । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैंकॉक पहुंचे। उनका भारतीय प्रवासियों ने 'मोदी मोदी' और 'वंदे मातरम' के नारे लगातार गर्मजोशी से स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।' प्रधानमंत्री मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। वह 4 अप्रैल को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। बैंकॉक में आगमन के बाद, प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले, अपने प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा, ÷प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा के निमंत्रण पर, मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'पिछले दशक में, बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में है। प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक नेताओं के साथ बातचीत के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷मैं बिम्सटेक देशों के नेताओं से मिलने और हमारे सहयोग को और मजबूत करने के लिए रचनात्मक रूप से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय समूह है जिसमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के सात सदस्य देश शामिल हैं। दक्षिण एशिया से पांच (बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका) और दक्षिण पूर्व एशिया से दो (म्यांमार और थाईलैंड)। यह समूह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में कार्य करता है।

वाशिंगटन में चाकू से हमले में छह लोग जख्मी, हिरासत में लिया गया संदिग्ध

एजेंसी

वाशिंगटन। वाशिंगटन में एक व्यक्ति ने लोगों पर चाकू से हमला किया। इस हमले में छह लोग घायल हो गए। कथित तौर पर हमलावर नशे की हालत में था और उसकी मनोदशा ठीक नहीं थी। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध अब हिरासत में है। यह घटना दोपहर करीब 3ञ्22 बजे मोंटेलो एवेन्यू और मेग्स प्लेस एनई के पास हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। वाशिंगटन पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ के अनुसार, संदिग्ध ने पहले सड़क पर चलते समय खुद को चाकू मारा और फिर अपने साथ मौजूद एक महिला परिचित पर हमला किया। इसके बाद उसने दूसरों पर भी चाकू से हमला किया, इनमें दो वो लोग भी शामिल थे जो इस हमले को रोकने की कोशिश में थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने एक्स पर घोषणा की अलर्टः हम मोंटेलो एवेन्यू और सिम्स प्लेस एनई के इलाके में चाकू से हमला करने की घटना की जांच कर रहे हैं। अगर आपके पास कोई जानकारी है, तो 202-727-9099 पर कॉल करें या 50411 पर टेक्स्ट करें। स्मिथ ने कहा कि बेवजह हमले के परिणामस्वरूप चार महिलाओं और दो पुरुषों को क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि इनमें एक दादी और उनकी दो पोतियां शामिल हैं। स्मिथ के अनुसार, पीड़ितों की हालत स्थिर है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। उनकी उम्र का खुलासा नहीं किया गया है। स्मिथ के अनुसार, पुलिस ने संदिग्ध को आस-पास के क्षेत्र में जमीन पर पड़ा पाया। हमले में इस्तेमाल किया गया चाकू उससे कुछ फीट की दूरी पर बरामद किया गया। संदिग्ध, जिसका नाम जारी नहीं किया गया है, को अस्पताल ले जाया गया और वर्तमान में उसकी सर्जरी की जा रही है। स्मिथ ने कहा, यह घटना समाज में मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों को लेकर फिक्रमंद होने की ओर इशारा करती है और इस पर तत्काल एक्शन लेने की आवश्यकता पर जोर देती है घटना के बाद आस-पास की कई सड़कें बंद हैं। जांच जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को सवैधानिक न्यायालय ने बर्खास्त किया

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को आज पिछले साल की गई अपनी अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा के लिए अपने पद से हाथ धोना पड़ा। उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। संवैधानिक न्यायालय ने महाभियोग का सामना कर रहे येओल को उनके पद से तत्काल हटाने की घोषणा की।

यून को पद से हटाए जाने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति का स्थिरता बरकरार रखने का वादा

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने शुक्रवार को संवैधानिक न्यायालय के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पद से हटाने के फैसले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीति में स्थिरता कायम रखने का वादा किया। हान ने टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्रीय संबोधन में कहा, ÷कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेशी मामलों में कोई कमी न रहे, (देश में) एक दृढ़ और अडिग सुरक्षा स्थिति बरकरार रहे।

कार्यवाहक राष्ट्रपति ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में सब कुछ करूंगा कि व्यापार विवाद जैसे ज्वलंत मुद्दों के समाधान में कोई व्यवधान न हो, सार्वजनिक व्यवस्था को दृढ़ता से बनाए रखूंगा ताकि हमारे नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें। संवैधानिक न्यायालय ने सर्वसम्मति से यून के महाभियोग को बरकरार रखा। दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के कारण उन्हें पद से हटा दिया।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया को 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना अनिवार्य है। हान ने वादा किया कि वह अगले राष्ट्रपति को नेतृत्व का सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, मैं संविधान और कानून का सख्ती से पालन करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अगली सरकार बिना किसी देरी के बने। मैं एक सुचारू और निष्पक्ष राष्ट्रपति चुनाव की देखरेख के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा।

हान ने सार्वजनिक अधिकारियों से अपने जिम्मेदारी को लगन से निभाने की अपील की। उन्होंने कहा, कृपया यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को समर्पित करें कि कोरिया गणराज्य इस संकट से उबर जाए और हमारे नागरिकों का रोजमर्रा का जीवन स्थिर और निर्बाध बना रहे। हान ने राजनीतिक हलकों और नेशनल असेंबली से मतभेदों को दूर रखने और देश के भविष्य के लिए एकजुट होने की अपील की।

हान ने सुरक्षा की जांच के लिए सोल में सरकारी परिसर में केंद्रीय आपदा मुख्यालय का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और प्रदर्शनों से होने वाली किसी भी क्षति या संभावित झड़पों को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बीजू जनता दल वक्फ का विरोध नहीं करेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन को लेकर नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल राज्यसभा में विपक्ष के साथ विधेयक का विरोध नहीं करेगी। विधेयक के विरोध के बाद राज्यसभा में पार्टी ने अपने सांसदों से स्वेच्छा से मत देने की बात कही है। पार्टी नेता सस्मित पात्रा ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने हमारे सदस्यों को राज्यसभा में न्याय, सद्भाव और सभी समुदायों के अधिकारों के सर्वोत्तम हित में अपने विवेक का प्रयोग करते हुए बिल पर किस पक्ष में मतदान करना है इसकी जिम्मेदारी दी है। इस मुद्दे पर पार्टी कोई व्हिप नहीं दे रही।

'कोई भी व्यक्ति या संगठन, कानून और संविधान से बड़ा नहीं', वक्फ विधेयक पर बोलीं कंगना रनौत

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत की प्रतिक्रिया सामने आई है। संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को खत्म किया जा रहा है, जो हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है, और कोई भी व्यक्ति या संगठन, कानून और संविधान से बड़ा नहीं है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना ने प्रस्तावित कानून की तारीफ की और कहा कि कोई भी व्यक्ति या संगठन, कानून और संविधान से बड़ा नहीं है। इस विधेयक का उद्देश्य देश में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार करना है। कंगना रनौत ने कहा, यह एक ऐतिहासिक दिन है और यह हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से देखने को मिला है। देश में कानून से बढ़कर कोई भी चीज नहीं हो सकती है। स्वच्छता आंदोलन हो, करप्शन के खिलाफ हो, गंदगी के खिलाफ हो, ये सब काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में ही लिखे गए हैं। कई देशों का जितना क्षेत्रफल नहीं होता, उतनी जमीन पर (वक्फ बोर्डों ने) कब्जा किया हुआ है। अभिनय से राजनीति में आई भाजपा सांसद ने कहा, रेगुलेटरी बॉडीज, डीसी, जिलाधिकारी देखरेख करेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर वे कोई गैरकानूनी काम करेंगे तो कानूनी व्यवस्थाएं उनसे पूछ सकती हैं। इससे पहले देखिए क्या हालत थी देश की। देश देख रहा है, समझ रहा है। जो काम वर्षों से अटके हुए थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए वह सब कर रहे हैं।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए कृत्रिम वर्षा का ट्रायल शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए एक महत्वपूर्ण कदम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली में कृत्रिम बारिश का ट्रायल करेगी। मनजिंदर सिंह सिरसा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने एक नई पहल की है, जिसके तहत दिल्ली में कृत्रिम वर्षा का प्रयोग किया जाएगा। यह एक ट्रायल बेसिस पर किया जाएगा, और यदि यह सफल रहता है, तो इसे भविष्य में और व्यापक रूप से लागू किया जा सकता है। उनका मानना है कि यह कदम दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर स्थितियों को कम करने में मदद करेगा। सिरसा ने कहा, हमारा उद्देश्य यह है कि हम प्रदूषण की अत्यधिक स्थितियों में इस तकनीक का उपयोग कर सकें। हम चाहते हैं कि इस ट्रायल के दौरान बारिश के पानी का परीक्षण किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसमें कोई हानिकारक रसायन या खतरनाक तत्व न हों, जो जनता के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं।÷ उन्होंने कहा कि यह कदम दिल्ली के बाहरी इलाकों में शुरू किया जाएगा, जहां कम से कम यह प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयास में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि जहां पर क्लाउड सीडिंग की जाए, वहां के वातावरण की स्थिति उपयुक्त हो, जिसमें आर्द्रता और बादलों की न्यूनतम मात्रा का होना आवश्यक है।

पीएम मोदी रामनवमी पर तमिलनाडु में करेंगे नए पंबन रेल पुल का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर तमिलनाडु के पंबन में देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे। यह पुल पंबन और रामेश्वरम के बीच स्थित है और इसे भारतीय रेलवे की एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार निदेशक दिलीप कुमार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि रामेश्वरम भारत का एक महत्वपूर्ण द्वीप है, जो सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है। इस स्थान का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है, क्योंकि यह भगवान श्रीराम से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए पंबन रेल पुल की आधारशिला रखी थी, जिसे अब महज पांच वर्षों में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

राज्यसभा सदस्यों के लिए 'एथिक्स कमेटी' प्रभावी तंत्र विकसित करे: सभापति

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने घनश्याम तिवाड़ी की अध्यक्षता वाली संसदीय आचार समिति (एथिक्स कमेटी) को ऐसा प्रभावी तंत्र विकसित करने का जिम्मा सौंपा है, जिससे सदन में सदस्य मर्यादित आचरण करें और संसदीय संस्थान की साख में इजाफा हो। लोकसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में दिए गए बयान को लेकर आज राज्यसभा में जोरदार हंगामा हुआ। सभापति जगदीप धनखड़ यह सब देखकर भावुक हो गए। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस सदन में और दूसरे सदन में बहुत वरिष्ठ लोगों के संबंध में सभी प्रकार की बातें की गई हैं। खरगे सबसे वरिष्ठ लोगों में से एक हैं। मैं प्रधानमंत्री सहित संवैधानिक पदों पर बैठे अन्य वरिष्ठ लोगों के संबंध में जो कहा गया है, वह यहां नहीं कहना चाहता। इसलिए मैं सभी से आग्रह करूंगा कि चाहे प्रधानमंत्री हों, सदन के नेता हों, विपक्ष के नेता हों, मेरे लिए हर सदस्य की अपनी एक अनमोल प्रतिष्ठा है, जिसे बनाए रखना है और इसलिए जो कुछ भी हटाया गया (एक्सपंज) है, उसे कभी भी चर्चा में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा, जयराम रमेश ने सदन में सबकी मौजूदगी में सभापति के खिलाफ सबसे घिनौना आरोप लगाया है कि सभापति मुद्दे को भटका रहे हैं। जयराम रमेश ने आपके सभापति को चीयरलीडर कहा था। मेरी पीड़ा की कल्पना कीजिए, जब एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इस सदन के पवित्र परिसर में अध्यक्ष की मिमिक्री का वीडियो बनाया। देश के लाखों लोगों की पीड़ा की कल्पना कीजिए जब आप केवल दाग लगाने, कलंकित करने, अपमानित करने और प्रतिष्ठा खराब करने के लिए बाहर गए हैं। सभापति ने कहा कि जब राणा सांगा का मुद्दा आया तो भी मैं विचारशील था। मैंने इसका व्यक्तिगत हिस्सा नहीं बताया, सैनिक स्कूल में जिस सदन में मैं रहता था उसका नाम राणा सांगा के नाम पर रखा गया था। एक महान पुत्र पर ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। क्या हम केवल तब प्रतिक्रिया करते हैं जब खुद की दाढ़ी में आग लगती है? मैंने विपक्ष के नेता के प्रति सर्वोच्च सम्मान दिखाया लेकिन यदि आपका मतलब राजनीतिकरण करना है तो मैं आपको बता दूं कि सभापति द्वारा निष्कासन से इस मुद्दे पर शांति आनी चाहिए। मैंने डेरेक ओ ब्रायन को अपने सदस्यों को इशारे करते हुए देखा है। क्या हम इसे कभी बर्दाश्त कर सकते हैं? जब मैंने डेरेक ओ ब्रायन की टिप्पणियों को हटाया।

वक्फ संशोधन विधेयक-2025 में सुधार कम, संशय ज्यादा है: अभिषेक मनु सिंघवी

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस बिल में सुधार कम और संशय ज़्यादा है। न्याय कम और पक्षपात ज़्यादा है। संविधान ने जो दिया, यह बिल वह छीनने की कोशिश कर रहा है। इसको संशोधन कम, साज़िश ज़्यादा कहा जाना चाहिए। जब क़ानून बराबरी का ना हो तो वह सत्ता की चालाकी बन जाता है। यह क़ानून नहीं, क़ानूनी भाषा में लिपटी हुई मनमानी है। उन्होंने कहा कि बिल के क्लॉज 11 के तहत शत-प्रतिशत सदस्य प्रादेशिक वक़्फ़ बोर्ड के ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनको प्रदेश सरकार नियुक्त या नामित करेगी यानी चुनाव नहीं होगा। ऐसे में धर्म और समुदाय को अपने वर्गों को चुनने का क्या अधिकार क्षेत्र बचा? वक़्फ़ बोर्ड में ग्यारह में से न्यूनतम सिर्फ़ तीन मुसलमान होने चाहिए। यानी 11 में से 8 ग़ैर मुसलमान हो सकते हैं। अनुच्छेद 26 का कौन सा स्वायत्तता का हक़ आपने समुदाय के साथ छोड़ा जहां तक वक़्फ़ कौंसिल का सवाल है, ग़नीमत है कि 22 में से कम से कम 12 मुसलमान होने चाहिए। अनुच्छेद 25 और 26 अपने धर्म के लोगों को अपनी संस्थाएं खुद चलाने का हक़ देता है। इस बिल के क्लॉज 14 द्वारा वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष को अविश्वास मत द्वारा हटाने का अधिकार अब हटा दिया गया है। ऐसे में क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया बची, क्या स्वायत्ता बची? बचा तो सिर्फ़ सरकारी नियंत्रण।

वक्फ का प्रमुख पहलू धार्मिक नहीं बल्कि संपत्ति-केंद्रित प्रशासन : अल्पसंख्यक मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का कहना है कि भारत में वक्फ प्रणाली को लंबे समय से धार्मिक चश्मे से देखा जाता रहा है। वक्फ का प्रमुख पहलू इसके धार्मिक अर्थों में नहीं बल्कि इसके संपत्ति-केंद्रित प्रशासन में निहित है। मंत्रालय के अनुसार कानूनी प्रावधानों, न्यायिक व्याख्याओं और नीतिगत विकास की एक नजदीकी जांच यह स्पष्ट करती है कि वक्फ मुख्य रूप से धार्मिक अभ्यास के बजाय संपत्ति प्रबंधन, प्रशासन और शासन का मामला है। वक्फ अधिनियम, 1995 बाद के संशोधनों के साथ, वक्फ संपत्तियों के विनियमन, उनके उचित प्रशासन और उपयोग को सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। वक्फ अधिनियम, 1995, वक्फ को इस्लामी कानून द्वारा पवित्र, धार्मिक या धर्मार्थ के रूप में मान्यता प्राप्त उद्देश्यों के लिए मुस्लिम व्यक्ति द्वारा चल या अचल संपत्ति के स्थायी समर्पण के रूप में परिभाषित करता है। हालांकि, वक्फ का प्रमुख पहलू इसके धार्मिक अर्थों में नहीं बल्कि इसके संपत्ति-केंद्रित प्रशासन में निहित है। वक्फ अधिनियम की धारा 96 केंद्र सरकार को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और कल्याणकारी मामलों को कवर करते हुए वक्फ संस्थानों की धर्मनिरपेक्ष गतिविधियों को विनियमित करने का स्पष्ट रूप से अधिकार देती है।केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) और राज्य वक्फ बोर्ड (एसडब्ल्यूबी) संरक्षक और नियामक के रूप में कार्य करते हैं, वक्फ प्रबंधन में पारदर्शिता और कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। भारतीय अदालतों ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन एक धर्मनिरपेक्ष कार्य है, जो धार्मिक प्रथाओं से अलग है। सैयद फजल पूकोया थंगल बनाम भारत संघ (केरल उच्च न्यायालय, 1993): निर्णय में स्पष्ट किया गया कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक निकाय है।

वक्फ संशोधन बिल पर बोले सुधांशु त्रिवेदी- यह शराफत अली और शरारती खान के बीच की लड़ाई है

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमने इमानदारी से मुस्लिम समाज के कल्याण की बात की है। एक तरफ खड़ा है ईमानदार मुसलमान, जो शराफत के साथ ईमान को गले लगाए हुए है। ये मुकाबला शराफत अली और शरारत खान के बीच है। हमारी सरकार शराफत अली के साथ खड़ी है। हम गरीब मुस्लिम के साथ खड़े हैं। यह सिर्फ अमीरी और गरीबी के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि वंचितों के सच्चे दर्द और कट्टरपंथी वोट के दलालों के अहंकार के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा ने पहले ही कहा है कि हमारी वक्फ समिति ने इस विधेयक के लिए बहुत विस्तृत तरीके से काम किया है। इंडोनेशिया, तुर्की, इराक और सीरिया जैसे कई इस्लामिक देशों में वक्फ नहीं है, तो भारत में क्यों है? अगर हम भारत की बात करें तो क्या सिखों, पारसियों और ईसाइयों के पास ऐसी शक्तियां हैं? सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, इन जरूरतमंद मुस्लिमों की लड़ाई के लिए गरीबों के मन की कसक और कट्टरपंथी की ठसक के बीच हमारी सरकार ने गरीबों का साथ दिया है। ईमानदार मुस्लिम के लिए ये उम्मीद है लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो उम्मा का ख्वाब पाले हुए थे, उनके ख्वाब पर पानी फिर गया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सिर्फ जूना अखाड़ा ने पिछले साल 71 एससी-एसटी को महामंडलेश्वर बनाया। उन्होंने विपक्ष से सवाल पूछा- मुल्ला, मौलवी, मुफ्ती, हाफिज में से कितने पसमंदा हैं। वक्फ बोर्ड में भी पसमंदा मुस्लिम नहीं हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अगर इतना ही भाईचारा है तो फिर सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड अलग क्यों है। जमीन पर इनको एक-दूसरे पर एतबार नहीं है, सिर्फ सियासत के लिए साथ आने की बात है। मुस्लिम वर्ग के कई लोग इस चीज से प्रताड़ित थे।

शीर्ष सैन्य नेतृत्व वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखकर अपनी योजनाएं बनाए : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के कमांडरों से वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक को शामिल करते हुए योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा वैश्विक घटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हैं और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हों या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि %हाइब्रिड युद्ध% भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होंगे। साइबर, सूचना, संचार, व्यापार और वित्त सभी भविष्य के संघर्षों का अभिन्न अंग बनेंगे। इसलिए सशस्त्र बलों को अपनी योजना और रणनीति बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। रक्षा मंत्री नई दिल्ली में चल रहे सेना कमांडरों के सम्मेलन में तीसरे दिन के सत्र की अध्यक्षता करते हुए भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने वर्तमान भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति पर जोर दिया, जो वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान गतिशील भू-रणनीतिक परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के साथ चल रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र बलों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों चुनौतियों का समाधान करते हुए योजना तैयार करनी चाहिए। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में आधुनिक तकनीक को शामिल करने वाली सैन्य खुफिया के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने उत्तरी सीमा की मौजूदा स्थिति पर तैनात सशस्त्र बलों की दृढ़ता और सतर्कता के लिए सराहना की तथा कहा कि ऐसा ही जारी रहना चाहिए। रक्षा मंत्री ने बीआरओ के प्रयासों को सराहा, जिसके कारण कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए पश्चिमी और उत्तरी दोनों सीमाओं पर सड़क संचार में भारी सुधार हुआ है। सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन को हर समय सहायता प्रदान करने में सेना की सराहनीय भूमिका पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना सुरक्षा, एचएडीआर, चिकित्सा सहायता से लेकर देश में स्थिर आंतरिक स्थिति बनाए रखने तक हर क्षेत्र में मौजूद है। उन्होंने सेना कमांडरों के सम्मेलन में राष्ट्र के 'रक्षा और सुरक्षा' दृष्टिकोण को नई ऊंचाइयों पर सफलतापूर्वक ले जाने के लिए सेना नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने पश्चिमी सीमा पर आतंकवाद के प्रति भारतीय सेना की प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि विरोधी की ओर से छद्म युद्ध जारी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफ, पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और ऐसा ही होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि सैन्य बलों की उच्चस्तरीय परिचालन तैयारियों और क्षमताओं का अनुभव वे हमेशा अग्रिम क्षेत्रों की अपनी यात्राओं के दौरान करते रहे हैं।

बौद्धिक दासता से मुक्त होकर विकसित भारत की यात्रा में सहभागी बनें: सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। विख्यात वक्ता और भारतीय जनता पार्टी के सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी का कहना है कि हमें बौद्धिक दासता से मुक्त होकर अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व करना चाहिए। विश्व की अनेक सत्ताओं ने षड्यंत्र रचकर हमारे इतिहास को विकृति किया, लोगों के मन में बैठाने का प्रयास किया कि भारत में जो कुछ भी अच्छा हुआ, वह मुगलों या अंग्रेजों के द्वारा किया गया। हम मैकाले और मार्क्स के रचित इतिहास से बाहर निकल रहे हैं और हम पाते हैं कि वे लुटेरे न केवल हमारी आर्थिक समृद्धि को लूटकर ले गए बल्कि हमें मानसिक रूप से भी गुलाम बना गए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऐसे सारे झूठ का पर्दाफाश हो रहा है और देशवासी सच को जान रहे हैं और अपनी प्राचीन ऐतिहासिक विरासत और ज्ञान-विज्ञान पर गर्व कर रहे हैं। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा आयोजित प्रो. देवेन्द्र स्वरूप स्मारक व्याख्यान को संबोधित रहे थे। समारोह की अध्यक्षता कला केन्द्र के अध्यक्ष पद्म भूषण रामबहादुर राय ने की। डॉ. त्रिवेदी ने अनेक संदर्भों का हवाला देते हुए सिद्ध किया कि किस तरह आक्रमणकारियों ने हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की। दुर्भाग्य से उनसे प्रभावित हमारे ही कुछ लोगों ने भारत की सनातन संस्कृति, सभ्यता और विरासत के साथ ही ज्ञान विज्ञान को भी कमतर आंकने के षड्यंत्र रचे। इतिहास के नाम पर कोरा झूठ पढ़ाया जा रहा था। इसका सबसे बड़ा उदाहरण दिल्ली का कुतुब मीनार ही है। एनसीईआरटी तक इसका प्रमाण नहीं दे पाई कि कुतुब मीनार किसने बनवाया। जबकि उसी मीनार के बगल में स्थित लौह स्तम्भ भारत की गौरवशाली विरासत है। उन्होंने कहा कि हमें समृद्ध भारत के गौरवशाली इतिहास और परम्पराओं को जानना-समझना चाहिए, उसे लोगों तक पहुंचाना चाहिए। भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प जीवंत करने के लिए यह आवश्यक है कि हम प्रधानमंत्री मोदी के लालकिले की प्राचीर से किए गए आह्वान को अपना मंत्र बना लें। हमें गुलाम मानसिकता से मुक्ति, अपनी ऐतिहासिक विरासत पर गर्व करना होगा और देश के लिए जो कर्तव्य है वह सामूहिकता में पूरे करने होंगे। इस अवसर पर प्रो. देवेन्द्र स्वरूप की विद्वता और इतिहास दृष्टि की विशिष्टता बताते हुए रामबहादुर राय ने कहा कि हमारे शास्त्रों में छिपे इतिहास पर वे अपने जीवन के अंतिमकाल तक शोध करते रहे।

NAME CHANGE

I, HANSH RAJ S/O KHEM SINGH residing at HOUSE NO-175, A-BLOCK, GALI NO-9/10, HARIJAN BASTI, NASIRPUR, DELHI-110045 have changed my name to HANS RAJ for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KAJAL BAKULKUMAR SHAH, W/o Mr. ZENITH MAUNISH SHAH, R/o,H12/15,2nd Floor (Press 3 in Lift), Behind Bhanu Food Outlet, Malviya Nagar NEW Delhi 110017, I Have Changed My Name To, KAJAL SHAH For All Future Purposes

NAME CHANGE

I, KAVERI Wife of No. 14440270F, Rank-HAV (HK) Name-HIPALE NIJAPPA SURYAKANT residing at VILL-BORUL, PO-KANBAS, TEHSIL & DIST-SOLAPUR, MAHARASHTRA-413215, have changed my name from KAVERI to KAVERI NIJAPPA HIPALE for all future purposes vide Affidavit dated 04/04/2025 before Notary Public, Delhi.

Name Correction

I, Omi Devi, W/o Ramphal, D/o Sher Singh R/o H No.846, ward no. 13 Saini maholla jakhauli (37) Sonipat Haryana-131023 Declare due to a clerical error, my name has been incorrectly recorded as OM VATI W/o RAMPHAL in my bank account. However my correct name is OMI DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, No. 15791469A Rank-L/HAV Name-PARAMA RAM, S/O JAWANA RAM, 325 LT AD REGT (COMP) R/o VILLAGE-GOGOUR, POST-LICHANA, TEH-NAWA, DIST-NAGOUR, STATE-RAJASTHAN, PIN-341533 have changed my minor son's ROHIT KIRDOLIYA date of birth from 29/10/2010 instead of 28/10/2010. Vide Affidavit Dated 31/03/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I,Regimol Kurian S/O Mathai R/O KIZHKKEPUTHUPPALLIL KALLARA, PO-MUTTUCHIRA,KOTTAYAM,KERALA-686613 Have Change My Name From Regimol Kurian To Kurian Mathai For All Future purposes

NAME CHANGE

I, SHOBHA D/O LT. SH. OM PARKASH W/O SH. KRISHAN YADAV R/O H.No.-164, Post Office Wali Gali, Ahir Mohalla, Nangloi, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041 and MEENA D/O LT. SH. OM PARKASH W/O SH. KRISHAN YADAV R/O H.No.-164, Post Office Wali Gali, Ahir Mohalla, Nangloi, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041, have changed my name and shall hereafter be known as MEENA YADAV.

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि रूपरानी फाउंडेशन निदेशक श्री अमित मिश्रा, पिता श्री सतीश चंद्र मिश्रा, के माध्यम से, ग्राम भगार बुलंद, परगना, तहसील एवं जनपद गोंडा, उत्तर प्रदेश में स्थित गाटा संख्या 778 में से 1.092 हेक्टेयर में से 0.514 हेक्टेयर (गैर-कृषि भूमि) के स्वामी हैं (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा जाएगा)। यह संपत्ति दिनांक 23.01.2017 को उप-पंजीयक कार्यालय, गोंडा (सदर) में पंजीकृत बिक्री विलेख सं. 568, पुस्तक सं. 1, खंड सं. 9432, पृष्ठ सं. 299-318 के माध्यम से खरीदी गई है। इसके अतिरिक्त, रूपरानी फाउंडेशन ने उपरोक्त संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, जो 102 स्काई हाइट, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001 में स्थित है, के पास ऋण/सुगमता सुविधा की सुरक्षा हेतु गिरवी रखी है और यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक का संपत्ति पर ऋण का अधिकार निरंतर प्रभावी है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री नेबू लाल प्रजापति पुत्र भीम प्रजापति निवासी: आर जेड सी 17, गली न.10 दुर्गा पार्क नसीरपुर दक्षिण पश्चिमी दिल्ली-45 ने अपने पुत्र संतोष कुमार प्रजापति व पुत्रवधू प्रतिभा प्रजापति का मेरे मुवक्किल के प्रति अभद्र व्यवहार, अपराधिक प्रवृती तथा कंट्रोल से बाहर होने के कारण उनसे अपने सभी संबंध समाप्त कर लिये है। तथा अपने समस्त चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गए किसी भी कार्य या लेन देन के प्रति मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं है ।

Raj Karan Advocate
K-10, Lawyers' chambers
Tis Hazari Courts, Delhi-54

NAME CHANGE

I, Kurian W/O Kurian Mathai R/O KIZHKKEPUTHUPPALLIL KALLARA, PO-MUTTUCHIRA,KOTTAYAM,KERALA-686613 Have Change My Name From Kurian To Rosamma For All Future purposes

NAME CHANGE

I, SUCHITA Wife of No. 15212713N, Rank-HAV Name-ARANE NAVNATH KADU residing at HOUSE No.-11, KALWADE, KOPAGAON, AHMEDNAGAR, MAHARASHTRA-423601, have changed my name from SUCHITA to SUCHITA NAVANATHE ARNE for all future purposes vide Affidavit dated 04/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 4007015K Rank- NK Name-PAWANJEET SINGH, S/O DEV RAJ PARIHAR, 10 DOGRA R/o VILLAGE. POCHHAL, POST OFFICE. POCHHAL, TEL . KISHTWAR, DIST-KISHTWAR, PIN . 182204 have changed my minor son name from SAKSHAM to SAKSHAM PARIHAR for all future purposes Vide Affidavit Dated 04/04/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, RANNU SINGH Mother of No. 3011175L Rank-L/HAV Name-HANUMANT LAL SINGH Presently residing at VILL-KARIMATI, PO-GHOGHARA, TEH-SIHAWAL, DIST-SIDHI, MADHYA PRADESH-486670, have changed my name from RANNU SINGH to REENU SINGH for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/07/1967 instead of my correct date of birth as 01/07/1965 vide Affidavit No. IN-DL64082984543679X dated 04/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I PYLA SURIAPPAYYAMMA Date of Birth 7May 1966 is mother of No 17019013L RANK CFN , Name Pyla Satish ,presently residing at - village-Gunupurupeta,Post - Gunupurupeta, Tehsil-Denkada,District-Vizianagaram,State-Andhra Pradesh,PIN code -535006 inform that I have changed my name from Pyla surya Appayyamma to Pyla Suriappayyamma for all future purposes

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि हमारे ग्राहक, श्री यूसुफ, श्री अनस उद्दीन से संपत्ति संख्या 33 पर निर्मित तृतीय तल (छत के अधिकार सहित), जिसका क्षेत्रफल 131 वर्ग गज है, खसरा संख्या 55, किला संख्या 14/1 मिन, 16 मिन से 18 मिन के अंतर्गत स्थित, ग्राम खुरेजी खास, विश्वकर्मा पार्क, लक्ष्मी नगर, शाहदरा, दिल्ली-110092, खरीदने का इरादा रखते हैं। श्री अनस उद्दीन ने उक्त संपत्ति को श्री रफीक खान से 05.03.2020 की बिक्री विलेख (सेल डीड) के माध्यम से खरीदा था। यह संपत्ति हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एनएसपी शाखा, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित है। संपत्ति के मूल दस्तावेज खो गए हैं- मूल बिक्री विलेख (सेल डीड) दिनांक 28.08.2018, जो दस्तावेज संख्या 5050, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 1375, पृष्ठ संख्या 143-154, दिनांक 28.08.2018 को एसआरओ-VIIIA, नई दिल्ली में पंजीकृत था, जो उपरोक्त संपत्ति से संबंधित है और श्री अनस उद्दीन के स्वामित्व में था। इस संबंध में, 01.04.2025 को पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच, दिल्ली में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (एलआर संख्या-2720998/2025) दर्ज की गई है। यदि किसी व्यक्ति(यों) को विषय संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से और ई-मेल द्वारा अधीनस्थ को भेजी जा सकती है। अन्यथा, उपरोक्त के अनुसार दावा को विषय संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

MY CLIENTS SMT. RAJWATI WIFE OF LATE SH. RAJ PAL R/O -E-24 B-29/391, INDIRA CAMP, TRILOK PURI EAST DELHI 110091, SEVERE ALL RELATIONS, DEBARRED AND DISOWNED THEIR SON NAMELY JITENDER AND HIS WIFE SARITA FROM THEIR ALL MOVEABLE-IMMOVEABLE PROPERTIES DUE TO HIS MISCONDUCT AND ILL-BEHAVIOUR WITH MY CLIENTS. NOW MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR HIS ACTS DONE ON BEHALF OF MY CLIENTS IN FUTURE.

Rajveer Singh (Advocate)
Mob-9891986140 Ch. No-E 301,
Karkardooma Court Shahdara
Delhi 110032

NAME CHANGE

I, SURESHTA DEVI Mother of No. 20004909L Rank- NK Name- JANG BADHUR SINGH, R/o HOUSE 48 NEW PLOT NEAR CITIZEN BANK, NEW PLOTS JAMMU REHARI MOHALLA JAMMU AND KASHMIR-180005 have changed my name from SURESHTA DEVI to SURISHTA DEVI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 04/04/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SUGANI DEVI is Spouse of No. 15791469A Rank-L/HAV Name-PARAMA RAM, , 325 LT AD REGT (COMP) R/o VILLAGE-GOGOUR, POST-LICHANA, TEH-NAWA, DIST-NAGOUR, STATE-RAJASTHAN, PIN-341533 have changed my date of birth from 04/02/1987 instead of 01/01/1987. Vide Affidavit Dated 31/03/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, RAKHI RATHEESH Wife of No-14449800M Rank-HAV (Gnr) Name-RATHEESH KUMAR R Residing at HOUSE NAME-SANTHA VILASOM, VILL-EDAMULAKKAL, PO-AYOOR, TEH-PUNALUR, DIST-KOLLAM, KERALA-691533, have changed my name from RAKHI RATHEESH to RAKHI NAIR U B for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Kerala.

NAME CHANGE

I, SANTHAMMA Mother of No-14449800M Rank-HAV (Gnr) Name-RATHEESH KUMAR R Residing at HOUSE NAME-SANTHA VILASOM, VILL-EDAMULAKKAL, PO-AYOOR, TEH-PUNALUR, DIST-KOLLAM, KERALA-691533, have changed my name from SANTHAMMA to SANTHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 03/04/2025 before Notary Public, Kerala.

NAME CHANGE

I, MONIA BHATIA ANEJA W/O ATUL ANEJA R/O 592, INDIRA NAGAR COLONY, DEHRADUN, UTTARAKHAND–248006, I have changed my name from MONIKA ANEJA TO MONIA BHATIA ANEJA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, VIMLA DEVI wife of Late Sh. SUBEDAR R/O Y K JHUGGI CAMP, CHILLA VILLAGE, YAMUNA KHADAR, MAYUR VIHAR PH-1, PO: MAYUR VIHAR PH-1, DIST: EAST DELHI, DELHI-110091 have changed my name from MANTORNI DEVI to VIMLA DEVI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VANSHIT GULIA s/o DEVENDER SINGH residing at 721/29, Gali No.9, Near UCO Bank, Tilak Nagar, Rohtak, Haryana-124001, declare that name of mine has been wrongly written as VANSHIT in my 10th and 12th Educational Documents. The actual name of mine is VANSHIT GULIA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SURAJA DEVI Mother of No-16124174W, Rank-L/NK, Name-PANKAJ SINGH residing at VILLAGE-KOTI, PO-DHARI DHUNDSIR, DISTT-TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND-249161, have changed my name from SURAJA DEVI to SURJA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 04/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NAVEEN SINGH S/O MADHUSUDHAN SINGH, residing at 15/415, BLOCK-H, TYPE-II QTRS, KALI BARI MARG, GOLE MARKET, DELHI-110001. have changed my name to NAVEEN KUMAR SINGH or all future purpose

NAME CHANGE

I, No. 15797506Y Rank- L/HAV Name- ATUL KUMAR, S/O MAHESH CHANDRA, R/o VILLAGE-GOPALPUR, POST EKHKHERA, TEH - BILSI, DISTT- BUDAUN(U.P.)-PIN 243724 have changed my minor daughter name from ANVI to ANVI SINGH for all future purposes. Vide affidavit Dated 04/04/2025 before notary Public New Delhi.

हकेंवि में दस दिवसीय 'शोध पद्धति पाठ् क्रम' 7 अप्रैल से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा सामाजिक विज्ञान शोध पर केंद्रित दस दिवसीय 'शोध पद्धति पाठ्यक्रम' का आयोजन आगामी 7 अप्रैल, 2025 से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित और प्रायोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने दस दिवसीय इस आयोजन की विवरणिका को विमोचन किया। कुलपति ने आयोजन टीम को शुभकामनाएं दी और शोध क्षमताओं को सशक्त बनाने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। विश्वविद्यालय में मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं पाठ्यक्रम की सहनिदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कहा कि यह पाठ्यक्रम शोधकर्ताओं को सामाजिक विज्ञान में शोध को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक पद्धतिगत कौशल प्रदान करने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य व पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में हरियाणा और अन्य क्षेत्रों के 30 प्रतिभागियों को उन्नत शोध तकनीकों, डाटा विश्लेषण विधियों और अकादमिक लेखन कौशल से परिचित कराया जाएगा। इससे सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा।

पंचकूला से आई टीम ने गौशाला भोजावास का किया औचक निरीक्षण

कनीना। भोजावास में स्थित बाबा हेमादास गौशाला का पंचकूला से आई टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस टीम में डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर चंद्रभान, गो सेवा आयोग पंचकूला से अध्यक्ष पूरन सिंह, महेंद्रगढ़ गौ सेवा संघ के जिला प्रधान अरुण कौशिक के द्वारा बाबा हेमादास गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के इस मौके पर भोजावास गौशाला के प्रधान सुरेश मानपुर, सचिन सचिन शर्मा, कोषाध्यक्ष मास्टर हनुमान रोहिल्ला, सहसचिव नरेंद्र यादव समेत गौशाला के अनेक कर्मी मौजूद थे। पंचकूला से आई टीम ने भोजावास स्थित बाबा हेमादास गौशाला के बाड़ों का गौशाला में रह रही गायों की सेहत जाली लगाकर हरे चारे की बिजाई के लिए बोया गया चारा तथा इसके अलावा गौशाला प्रबंधन द्वारा जाली लगाकर जो गाएं खुली चारा चरती है उनकी व्यवस्था, गौशाला परिसर की साफ सफाई गोवा की मृत्यु दर मवेशियों की संख्या भूसा स्टॉक के बारे में पूछताछ की। डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर चंद्रभान ने भोजावास गौशाला के चरवाहों से भी बात की। और इन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्रधान व सचिव समेत गौशाला के अन्य कर्मचारियों से कहा कि वह समय-समय पर गौशाला का नियमित निरीक्षण करें। ऐसा न करने पर कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

नारनौल। मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा के निर्देशों की अनुपालना में तथा भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार आज उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने ईवीएम वेयरहाउस, नजदीक सभागार भवन, नारनौल का तिमाही भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था जांच की गई। इस मौके पर तहसीलदार चुनाव सुरेंद्र सिंह भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, जननायक जनता पार्टी तथा इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) कार्यकर्ताओं सहित अन्य संबंधित कर्मचारी और अधिकारी इस मौके पर मौजूद रहे।

नांगल चौधरी के शिक्षण संस्थान में साइबर सुरक्षा पर छात्रों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

नारनौल। थाना नांगल चौधरी की पुलिस टीम द्वारा ब्राइट फ्यूचर एकेडमी नांगल चौधरी में छात्रों के लिए साइबर सुरक्षा विषय पर साइबर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल युग में सुरक्षित रहने और ऑनलाइन खतरों से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक करना था। पुलिस टीम ने छात्रों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों, जैसे कि ऑनलाइन धोखाधड़ी, ऑनलाइन टास्क फ्राड, डिजिटल अरेस्ट के बारे में विस्तार से बताया। टीम ने छात्रों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी को ऑनलाइन साझा करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने मजबूत पासवर्ड बनाने, संदिग्ध ईमेल और लिंक से बचने और अपने उपकरणों को नवीनतम सुरक्षा अपडेट के साथ अद्यतित रखने के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान छात्रों को यह भी बताया गया कि यदि वे कभी साइबर अपराध का शिकार होते हैं तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। शिक्षण संस्थान के वक्ता ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना है : सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला और उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में जनता से बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने लोगों की संतुष्टि के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और उपमंडल मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को भी प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप से शिविर में उपस्थित होकर लोगों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी भी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और एसडीएम से प्राप्त शिकायतों, निपटाई गई शिकायतों और लंबित शिकायतों की संख्या के बारे में भी जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अक्टूबर से मार्च 2025 तक सभी जिलों में समाधान शिविरों में प्राप्त 18,925 शिकायतों में से 10,955 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, 6,639 लंबित हैं और 1,331 को खारिज कर दिया गया है। इसी प्रकार, राज्यभर में शहरी स्थानीय निकायों में आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त 8,635 शिकायतों में से 5,761 का समाधान किया जा चुका है, 1,813 लंबित हैं और 1,061 को खारिज कर दिया गया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने जिला एवं उपमंडल मुख्यालय स्तर पर समाधान शिविर शुरू किए हैं। ये शिविर प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं, ताकि अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविरों के संबंध में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग राज्य सरकार की इस पहल का लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कुछ जिलों में शिकायतों के लंबित रहने का कड़ा संज्ञान लेते हुए उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर सप्ताह में एक बार इन शिकायतों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें, ताकि लंबित मामलों की संख्या शून्य हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीतिगत निर्णयों से जुड़ी शिकायतों को मुख्य सचिव कार्यालय को भेजा जाना चाहिए, जहां उनके समाधान के लिए सरकार के स्तर पर निर्णय लिए जा सकते हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना है, ताकि उन्हें अपने काम करवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

संवाद किसी भी समस्या के समाधान का होता है केंद्र बिंदु- हरविंद्र कल्याण

- विधानसभा की समितियां लेती हैं सरकार से एक-एक पैसे का हिसाब

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण ने कहा कि संवाद किसी भी समस्या के समाधान का केंद्र बिंदु होता है। सार्थक चर्चा से निष्कर्ष निकले जाते हैं और निर्णय लिए जाते हैं। विधानसभा का सदन प्रदेश के लोगों के लिए नीति निर्धारण का अहम जरिया है। इसी सदन से योजनाओं के लिए बजट पारित किया जाता है और खर्च किए गए एक-एक पैसे का हिसाब भी विधानसभा की समितियां लेती हैं। यह समितियां सरकार को भी फिजूल खर्ची न करने की सलाह देती हैं। विधानसभा अध्यक्ष आज राजधानी युवा संसद द्वारा हरियाणा विधानसभा सदन में दो दिवसीय हरियाणा युवा संवाद, 2025 कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां यह सम्मेलन हो रहा है यह कोई साधारण मंच नहीं है बल्कि जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधियों का मंच है, जहां वे अपने-अपने क्षेत्र की मांग उठाते हैं और समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं बल्कि प्राचीनतम लोकतंत्र है। श्री हरविंद्र कल्याण ने कहा कि संसद व विधानमंडलों के सदन लोकतंत्र की आत्मा होती है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली में विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका तीन स्तंभ होते हैं। मीडिया को भी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। विधायिका का महत्व सबसे अहम होता है और यह लोगों के लिए कानून बनाती है और समय-समय पर इसमें संशोधन भी करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ÷वन नेशन, वन रजिस्ट्रेशन÷ डिजिटल प्लेटफार्म तैयार करने की पहल की है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी आधार पर आईटी को बढ़ावा दिया जा रहा है और आने वाले समय में कोई भी व्यक्ति इस प्लेटफार्म के माध्यम से यह जानकारी हासिल कर सकता है, किस समय किस विधायक व सासंद ने सदन में वक्तव्य दिया था। उन्होंने बताया कि पटना में आयोजित अखिल भारतीय विधानसभा स्पीकर सम्मेलन में भी इस मुद्दे पर गहनता से विचार किया गया था।उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधि भविष्य के नेता होते हैं और आज आप जिस प्लेटफार्म पर पहुंचे हैं, आप में भी आने वाले समय में कोई न कोई अच्छा नेता बन सकता है। उन्होंने कहा कि तीन चरण के दौर से चयनित होकर हरियाणा विधानसभा सदन में 60 से अधिक युवाओं ने भाग लिया है। इन्होने न केवल अपने विचार सांझा किए बल्कि समाज को किस प्रकार की दिशा देनी है और एक युवा अपने मन में इस बारे में क्या सोच रखता है वो इस मंच के माध्यम से हमारे सामने प्रकट किये हैं।

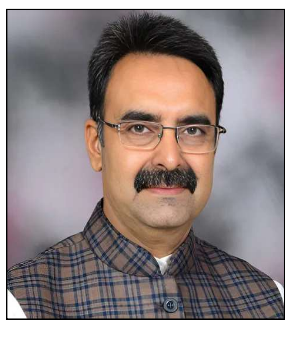

हरियाणा उदय...

साइक्लोथॉन-2.0 को लेकर डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

- 7 को अब बाघोत से हुडिना की बजाए नारनौल तक होगी साइकिल यात्रा
- 8 को नूनी अव्वल की बजाए आईटीआई नारनौल से रवाना होगी

एजेंसी

नारनौल। साइक्लोथॉन-2.0 को लेकर उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान इस यात्रा के लिए अधिक से अधिक जन भागीदारी के लिए रणनीति बनाई गई। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से ड्रग फ्री हरियाणा के तहत एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम थीम पर आधारित साइक्लोथॉन-2.0 के रुट में अब थोड़ा बदलाव किया गया है। पहले दिन यह यात्रा बाघोत से चलकर हुडिना की बजाए नारनौल तक चलेगी। वहीं अगले दिन नूनी अव्वल की बजाए आईटीआई नारनौल से रवाना होकर रेवाड़ी के लिए चलेगी। उपायुक्त ने बताया कि उदय हरियाणा साइट पर अब तक जिला महेंद्रगढ़ के लगभग 26 हजार युवाओं ने पंजीकरण कराया है। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन जन भागीदारी के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएगा। रूट पर पडने वाले प्रत्येक गांव में साइकिलिस्ट का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस यात्रा में विभिन्न गांवों से साइकिलिस्ट का काफिला जुड़ता जाएगा। उन्होंने बताया की यात्रा के रूट पर पडने वाले सभी गांव में मोटिवेशनल स्पीकर युवाओं को नशे से दूर रहने के तरीके बताएंगे। यात्रा के दौरान एक खुले ट्रक पर स्टेज बनाया गया है ताकि उसके माध्यम से पूरी यात्रा के दौरान बेहतर तरीके से नशा मुक्ति का संदेश दिया जा सके। इस बैठक में एसडीएम महेंद्रगढ़ अनिल कुमार, एसडीएम कनीना डा. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नारनौल रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी हरदीप सिंह तथा सीएमओ डॉ अशोक कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

निकासी गेट पास जारी होने के 48 से 72 घटों में किसानों के खाते में जारी हो रकमः उपायुक्त

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में रबी खरीद कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान आढती एसोसिएशन के सदस्य भी मौजूद थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों से निकासी गेट पास जारी होने के 48 से 72 घटों में किसानों के खाते में सीधा भुगतान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को कायम रखा जाए। इस मौके पर डीएफएससी कुशलपाल बूरा ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 8072 एमटी सरसों की खरीद हुई है। उन्होंने कहा कि अब सरसों की अधिक आवक शुरू होने वाली है। ऐसे में उठान कार्य समय पर पूरा कर लें ताकि खरीद कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस मौके पर उपायुक्त ने आढती एसोसिएशन के सदस्यों की समस्याएं भी सुनी।

रेवाड़ी के फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव जगुआर क्रैश में हुए शहीद

- आज पहुंचेगा जवान का पार्थिव शरीर, गांव भालखी माजरा में होगा अंतिम संस्कार
- करीब एक माह पहले ही हुई थी सगाई, परिवार में इकलौता बेटा था सिद्धार्थ यादव

एजेंसी

रेवाड़ी। गुजरात के जामनगर में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान जगुआर क्रेश में रेवाड़ी जिले के गांव भालखी माजरा निवासी 28 वर्षीय फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव शहीद हो गए। करीब एक माह पूर्व ही उनकी सगाई हुई थी तथा वे परिवार के इकलौते बेटे थे। वह गत 31 मार्च को ही छुट्टी पूरी कर जामनगर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे। जवान के शहीद होने की सूचना मिलने के बाद उनके परिवार तथा गांव में शौक की लहर दौड़ गई। जवान का पार्थिव शरीर शुक्रवार सुबह रेवाड़ी पहुंचने की उम्मीद है। गांव में ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार शहीद सिद्धार्थ यादव के पिता सुशील यादव मूल रूप से रेवाड़ी जिले के गांव भालखी माजरा के रहने वाले हैं तथा पिछले लंबे समय से रेवाड़ी में रह रहे हैं। फिलहाल वह शहर के सेक्टर-18 में रह रहे हैं। सेक्टर-18 स्थित घर में ही गत 23 मार्च को उनकी सगाई हुई थी। उनकी एक छोटी बहन भी है। शहीद लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव के ममेरे भाई सचिन यादव के अनुसार गत दो अप्रैल की रात ही सचिन यादव रुटीन सॉर्टी के लिए जगुआर विमान लेकर निकले थे। उनके साथ उनका साथी मनोज कुमार भी था। इसी दौरान जगुआर में कुछ तकनीकी खराबी आ गई। जिसके बाद विमान को ठीक प्रकार से लैंड कराने की तमाम कोशिशे की गई, लेकिन कुछ समय पश्चात उन्हें पता लग गया कि विमान क्रैश होना निश्चित है। इसके बावजूद सचिन यादव ने अपनी जान की परवाह किए बगैर साथी को इजेक्ट कराया और विमान घनी आबादी में न गिरे, इसके प्रयास शुरु किए। वे विमान को खाली स्थान पर ले गए और विमान क्रैश हो गया, जिसमें सचिन यादव वीर गति को प्राप्त हुए। सचिन यादव के अनुसार सिद्धार्थ यादव के परदादा बंगाल इंजीनियर्स में कार्यरत थे, जो ब्रिटिशर्स के अंडर आता है। सिद्धार्थ के दादा पैरा मिलिट्री फोर्सेस में थे। इनके बाद इनके पिता भी एयरफोर्स में रहे। वर्तमान में वह एलआईसी में कार्यरत है।

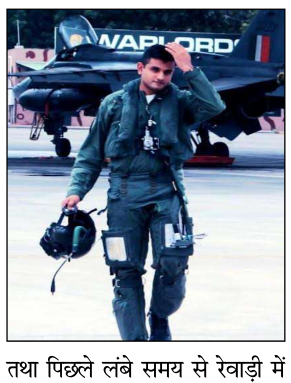

गोहाना में घरेलू विवाद के चलते पति ने की अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या

एजेंसी

गोहाना। गोहाना में घरेलू विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी की चाकू मार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों से वारदात की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम नमूने एकत्रित किए और स्थानीय थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई करेगी। शव कब्जे में लेकर खानपुर मेडिकल में पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है।

पत्नी की हत्या की ये वारदात बरोदा थाना क्षेत्र के गांव भैंसवान खुर्द की है। यहां आपसी कहासुनी के बाद साहिल ने अपनी पत्नी निशा (22 वर्ष) पर चाकू हमला किया और उसकी गर्दन काट दी। निशा 2 महीने पहले ही मां बनी थी। उसका 2 महीने का बच्चा मां के साये से वंचित हो गया है।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल एक महत्वपूर्ण बिल था और यह बिल चोरी- ठगी रोकने के लिए है - अनिल विज

- हिंदुस्तान में अब सालों साल नरेंद्र मोदी का सूरज चमकेगा - मंत्री अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल कल लोकसभा में पारित हुआ क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण बिल था और यह बिल चोरी- ठगी रोकने के लिए है, क्योंकि सारे देश में वक्फ की जमीनों को लूटा जा रहा था। श्री विज ने साफ करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड बिल में कोई पहली बार संशोधन नहीं हुआ है बल्कि इससे पहले भी पांच बार संशोधन हो चुका है। इसी तरह, उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में अब सालों साल नरेंद्र मोदी का सूरज चमकेगा और विपक्षियों की तो काली रात है और काली ही रहेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में तुष्टिकरण की राजनीति से प्रभावित होकर कांग्रेस की सरकार ने वक्फ बोर्ड बिल में बदलाव किया था कि वक्फ बोर्ड किसी भी जमीन पर अपना दावा करें तो उसका मालिकाना हक सिद्ध करने की जिम्मेवारी उसकी होती थी जो जमीन पर काबिज है और जिसकी जमीन है। अगर यह बिल रहता तो यह किसी दिन पूरे हिंदुस्तान पर अपना हक जता देते, ऐसे में भारत की जनता कहां जाती। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस ने जो बिल बनाया था, उसी को ठीक किया जा रहा है। वहीं, मस्जिद में स्कैनर लगाए गए थे रिजेक्ट टू वक्फ अमेंडमेंट बिल जिस पर विज ने कहा कि सरकार जो भी काम करती है वह आमजन के लिए करती है और इससे आम जनता खुश है। पूरे देश भर में कल पटाखे बजाए गए, गुलाल उड़ाया गया, लोग झूमते हुए दिखाई दिए लेकिन जो धर्म के ठेकेदार है उनको तो खुश नहीं जा किया सकता क्योंकि उनका एजेंडा धर्म नहीं होता उनका एजेंडा राजनीतिक है। उधर, विपक्ष ने कल के दिन को काला दिन बताया, के सवाल के जवाब में श्री विज ने चुटकी लेते हुए कहा कि हिंदुस्तान में अब सालों साल नरेंद्र मोदी का सूरज चमकेगा और विपक्षियों की तो काली रात है और काली ही रहेगी। वहीं, इस बिल का अखिलेश ने भी विरोध किया है, के संबंध में कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि देशहित, हिंदू-मुस्लिम के हित में सरकारों का काम होता है कि अगर कहीं लुट हो रही है तो उसको दुरुस्त करे। वहीं, संसद ओवैसी ने संसद में ही वक्फ बोर्ड संशोधन बिल की कापियां फाड़ दी, जिस पर अनिल विज ने कहा कि ओवैसी हमेशा ऐसी हरकतें करते रहते है कि मीडिया में बने रहे, इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। आप पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में बढ़ते नशे को पूर्व सरकारों की देन बताया, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने केजरीवाल को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने के बाद नशा तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ज्ञान देने से चीजें ठीक नहीं होती, चीजें तो धरातल पर काम करने से ठीक होती है। उहोंने कहा कि धरातल पर कुछ होता नजर नहीं आ रहा। उन्होंने केजरीवाल को ज्ञान बहादुर बताया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि किसानों को लूटना और परेशान करना बीजेपी की नीति है, के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने हुड्डा को आड़े हाथों लेते प्रश्न किया कि सरकार ने किसानों को परेशान करने के लिए कौन सी नीति बनाई है। उन्होंने कहा कि किसान तो धरने पर पंजाब में बैठे है और पंजाब में इंडी गठबंधन की सरकार है।

समाधान शिविर से लाइव जुड़े सीएम नायब सिंह सैनी

- शिकायतकर्ताओं से किया सीधे संवाद
- समाधान शिविर आम नागरिकों व प्रशासन के बीच एक सेतुः डॉ विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज जन समाधान शिविर में लाइव जुड़े। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद भी किया। जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से उपायुक्त डा. विवेक भारती ने समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों के संबंध में रिपोर्ट दी। इसके बाद उपायुक्त ने अधिकारियों की बैठक ली तथा समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर आम नागरिकों तथा प्रशासन के बीच एक सेतु का काम कर रहे हैं। अधिकारी इसी प्रकार गंभीरता के साथ प्रत्येक समस्या का निदान करें। इसके बाद उन्होंने सीएम विंडो के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों को अपनी शिकायतें रखने का सीएम विंडो एक बेहतरीन प्लेटफार्म है। यहां पर समस्याओं का समाधान करने के बाद एक्शन टेकन रिपोर्ट पूरी सावधानी के साथ भरें। इस मौके पर एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे

3 जमानोत्तर अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुरुग्राम। अलग-अलग मामलों में जमानोत्तर 3 अपराधियों को पुलिस ने काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2018 में थाना सैक्टर 17/18 दर्ज मामले में आरोपी रविंद्र, वर्ष 2019 में थाना सैक्टर-17/18 में दर्ज मामले में आरोपी शौकीन तथा वर्ष 2021 में थाना सैक्टर-17/18 में दर्ज मामले में आरोपी मोहित को अदालत द्वारा जमानत पर छोड़ा गया था और आगामी तारीख पेशी निश्चित करते हुए न्यायालय में पेश होने के आदेश दिए गए थे, किन्तु उपरोक्त आरोपी निश्चित की गई तारीख पेशियों पर अदालत के सम्मुख पेश न होने व अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर उपरोक्त आरोपियों को जमानोत्तर अपराधी घोषित किया गया था। अदालत द्वारा घोषित उपरोक्त जमानोत्तर अपराधियों को थाना सैक्टर-17/18 और पीओ स्टाफ पश्चिम की पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया।

जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

एजेंसी

गुरुग्राम। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने वीरवार को लघु सचिवालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक में निर्धारित मापदंडों की पालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में आमजनों विशेषकर युवाओं में तम्बाकू सेवन की प्रवृत्ति की रोकथाम के संबंध में जरूरी उपायों पर चर्चा की गई।

एडीसी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित करें कि जिला में प्रमुख स्टॉकर्स व सप्लायर व रिटेलर्स जो तंबाकू उत्पाद बेच रहे हैं। उस पैकेट पर हैल्थ वार्निंग की 85 प्रतिशत पिक्टोरियल जरूर हो। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह सुनिश्चित करें कि स्कूलों के बाहर तंबाकू मुक्त पॉलिसी का प्रमुखता से प्रचार किया जाए। साथ ही शिक्षा विभाग की विस्तृत जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के साथ सांझा की जाए। उन्होंने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को अपने अपने विभाग में धूम्रपान निषेध के उचित साइनेज लगाने सहित स्कूलों में आवश्यक सर्वे उपरांत जागरूकता गतिविधि व जरूरी प्रचार-प्रसार के संबंध में निर्देश दिए । बैठक में सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान एवं तम्बाकू के सेवन पर जुर्माना लगाने व शैक्षणिक संस्थाओं में विद्यार्थियों को उनके सेवन से होने वाले नुकसान की जानकारी देने के संबंध में भी चर्चा की गई। इस दौरान जिले में क्रियान्वयन के लिए बनी कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में डिप्टी सीएमओ डॉ केशव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम-कोटपा एक्ट-2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना निषेध है। उन्होंने बताया कोटपा एक्ट के सेक्शन 4 व 6 के तहत चालान का प्रावधान है। जिसमे निर्धारित नियमों के तहत बिना अनुमति के तंबाकू उत्पादों को स्टोर करने पर 6 महीने की कैद व 50 हजार जुर्माने तथा उत्पादन अथवा एक्पोर्ट व इम्पोर्ट पर एक साल की कैद व एक लाख जुर्माने का प्रावधान है।

ट्रंप के टैरिफ बम से भारत के कई सेक्टर का निकला दिवाला, कुछ की मनेगी दिवाली

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी से दुनिया के ज्यादातर देश प्रभावित होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नई टैरिफ पॉलिसी का ऐलान करने के बाद से ही लगातार इस बात की समीक्षा की जा रही है कि भारत के किस सेक्टर पर इसका कितना असर पड़ेगा। इस नई टैरिफ पॉलिसी के कारण भारत में कई सेक्टर्स पर निगेटिव असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, तो कई सेक्टर्स को फायदा होने की भी संभावना है। अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी का ऐलान होने के बावजूद भारत के फार्मास्यूटिकल सेक्टर को सबसे अधिक राहत मिली है, क्योंकि अमेरिका ने इस सेक्टर को टैरिफ से बाहर रखा है। इसकी वजह से अमेरिका में अपनी दवाओं का निर्यात करने वाली डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, अरबिंदो फार्मा और सन फार्मास्यूटिकल्स जैसी कंपनियों को काफी राहत मिली है। इन कंपनियों के कुल राजस्व में 33 से लेकर 50 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी अमेरिका को किए गए निर्यात की होती है। फार्मास्यूटिकल सेक्टर के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी में स्टील, कॉपर, सोना-चांदी समेत कुछ खास खनिजों को भी रेसिप्रोकल टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। ऐसा होने से इन सेक्टर्स से जुड़ी कंपनियों पर भी अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

पीपीएफ खातों में 'नॉमिनी' से जुड़ी जानकारी में बदलाव के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगाः वित्त मंत्री

नई दिल्ली। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खातों के लिए 'नॉमिनी' बनाने, जोड़ने या उसमें कोई बदलाव करने पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, क्योंकि सरकार ने अधिसूचना के जरिए कई आवश्यक बदलाव किए हैं। लघु बचत योजनाओं के लिए नामांकन रद्द करने या उसमें बदलाव करने के लिए 50 रुपये का शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में लिखा, हाल ही में पीपीएफ खातों में 'नॉमिनी' व्यक्ति के विवरण को जोड़ने या संशोधित करने के लिए वित्तीय संस्थानों द्वारा शुल्क लेने की जानकारी मिली है। दरअसल 'नॉमिनी' के पास मूल खाताधारक की राशि पर कानूनी अधिकार होता है। सीतारमण ने कहा कि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्तियों के अपडेशन पर किसी भी तरह के शुल्क को हटाने के लिए 2 अप्रैल की राजपत्र अधिसूचना के जरिए सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजपत्र अधिसूचना में सरकार के द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए नामांकन रद्द करने या उसमें बदलाव करने के लिए 50 रुपये का शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। 5 में जमाकर्ताओं के पैसे, सुरक्षित अभिरक्षा में रखे गए सामान एवं सुरक्षा लॉकर के भुगतान के लिए अधिकतम चार लोगों को 'नॉमिनी' बनाने की अनुमति है। इस विधेयक में एक और बदलाव बैंक में किसी व्यक्ति के ''पर्याप्त कर'' शब्द को फिर से परिभाषित करने से संबंधित है।

डॉ. पूनम गुप्ता आरबीआई की डिप्टी गवर्नर नियुक्त

मुंबई। केंद्र सरकार ने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च की महानिदेशक डॉ. पूनम गुप्ता को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है।आरबीआई ने बताया कि सरकार ने डॉ. पूनम गुप्ता को भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। डॉ. गुप्ता वर्तमान में नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च, नई दिल्ली की महानिदेशक हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि डॉ. गुप्ता की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्षों के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए मान्य होगी। उल्लेखनीय है कि डॉ. गुप्ता को आर्थिक अनुसंधान और नीति निर्माण के क्षेत्र में उनके व्यापक अनुभव के लिए जाना जाता है और उनकी यह नियुक्ति आरबीआई की नीतिगत गतिविधियों में योगदान को और मजबूत करेगी।

कपिल कसोटिया ब्राइटनाइट इंडिया के सीओओ नियुक्त

नयी दिल्ली । अक्षय ऊर्जा उत्पादक कंपनी ब्राइटनाइट इंडिया ने श्री कपिल कसोटिया को भारत के लिए मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने आज यहां कहा कि सीओओ के रूप में श्री कसोटिया परिचालन रणनीति को परिष्कृत करेंगे, परियोजना निष्पादन को तेज़ करेंगे और प्रक्रिया दक्षता बढ़ाएँगे। वह प्रमुख राज्यों में ब्राइटनाइट के मल्टी-गीगावाट डिस्पैचेबल अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो के क्रियान्वयन का नेतृत्व करेंगे, जिससे कंपनी के विश्वसनीय, किफायती और टिकाऊ बिजली समाधान प्रदान करने के मिशन को गति मिलेगी। उनका नेतृत्व ब्राइटनाइट के संचालन को बढ़ाने और भारत के अक्षय ऊर्जा परिदृश्य में नवाचार को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। ब्राइटनाइट गुजरात, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में सक्रिय रूप से हाइब्रिड अक्षय परियोजनाओं का विकास कर रही है। श्री कसोटिया इस विस्तार को आगे बढ़ाएंगे, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में तेजी लाने के लिए ब्राइटनाइट के मिशन को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

केंद्र से रोजगार गारंटी योजना की धनराशि के संबंध में शिवराज से मिले महाराष्ट्र के मंत्री गोगावले

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रोजगार गारंटी योजना मंत्री भरत गोगावले ने यहां केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान गोगावले ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार को राशि जल्द से जल्द प्रदान करने का आग्रह किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने तुरंत सहमति देते हुए कहा कि अगले सप्ताह राशि राज्य सरकार को दे दी जाएगी। गोगावले ने आज यहां कृषि भवन में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री चौहान से मुलाकात के दौरान राज्य में रोजगार गारंटी योजना के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी दी और धनराशि जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से योजना के क्रियान्वयन के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया, साथ ही कुछ सुझाव भी दिए। इस बैठक में महाराष्ट्र के सांसद श्रीरंग बारने, डॉ श्रीकांत शिंदे और संदीपन भुमारे भी उपस्थित रहे।

बैठक के बाद गोगावले ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा विकसित भारत की अवधारणा को गति देने के लिए रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत धनराशि तत्काल प्राप्त करना आवश्यक है। केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और आश्वासन दिया है कि केंद्र द्वारा कुशल श्रमिकों के लिए 2,600 करोड़ रुपये तथा अकुशल श्रमिकों के लिए 1,200 करोड़ रुपये की धनराशि 10 से 12 अप्रैल तक राज्य को उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके साथ ही शिवराज सिंह चौहान ने राज्य को सभी आवश्यक सहायता एवं सहयोग का आश्वासन भी दियामहाराष्ट्र को लगभग 10 करोड़ मानव दिवस की निधि सहायता मिल रही है और इस वर्ष राज्य ने रोजगार गारंटी के तहत 13.50 करोड़ मानव दिवस की आर्थिक सहायता निधि दी गई है। अगले वर्ष यह निधि बढाने का अनुरोध करने के साथ ही रोजगार गारंटी मंत्री गोगावले ने आग्रह किया है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत व्यक्तिगत लाभ की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की जाए। चौहान ने उन्हें इस पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

सीसीआई प्रमुख रवनीत कौर को एनएफआरए के चेयरपर्सन का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की प्रमुख रवनीत कौर को राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) की चेयरपर्सन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। कौर को 1 अप्रैल, 2025 से तीन महीने की अवधि के लिए यह जिम्मेदारी दी गई है।

आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि केंद्र सरकार ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की चेयरपर्सन रवनीत कौर को 1 अप्रैल, 2025 से तीन महीने की अवधि के लिए राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। एनएफआरए के चेयरपर्सन अजय भूषण प्रसाद पांडेय 31 मार्च को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के मुताबिक रवनीत कौर नियमित पदाधिकारी के तौर पर नियुक्ति तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, एनएफआरए की अध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। एनएफआरए अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका सूचीबद्ध कंपनियों के लिए ऑडिट फर्मों पर

केंद्रित होगी। उल्लेखनीय है कि रवनीत कौर, जो सीसीआई की पांचवीं अध्यक्ष हैं। नए युग की डिजिटल अर्थव्यवस्था और फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, मीडिया, मनोरंजन और विमानन जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण से संबंधित मामलों से निपट रही हैं।

भारत सुरक्षित हाथों में है, जनादेश सरकार के साथ :जितिन प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने अपने स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से सुधार, प्रदर्शन और रूपांतरण के लिए भारत की तत्परता की पुष्टि की। जितिन प्रसाद ने कहा कि देश एक मजबूत और स्थिर सरकार के सुरक्षित हाथों में है। जितिन प्रसाद ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ के दूसरे संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि जनादेश सरकार के साथ है। उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि आप, नवप्रवर्तकों का स्टार्टअप समुदाय तथा आपके द्वारा प्रस्तुत नए विचार, भारत को सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन लाने की प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षा को पूरा करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आपको दुनिया को बताना होगा कि भारत चुनौतियों के लिए तैयार है। हमारे पास प्रतिभा है, हमारे पास कौशल है। उन्होंने कहा कि हमारे पास चुस्त सरकार है, भारत सुरक्षित हाथों में है। जनादेश सरकार के साथ है। नीतियां मजबूत और स्थिर हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप

IVCA
IVC ASSOCIATION
BOOTSTRAP FOUNDATION

बहुत बढ़िया मूल्य निर्माता हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि न केवल हितधारक और सरकार बल्कि आम आदमी भी यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र या विकसित भारत बनने का अपना सपना पूरा करे। प्रसाद ने कहा कि अब चर्चाओं को वातानुकूलित कमरे की बैठकों से आगे बढ़ाकर जमीनी स्तर पर ऐसे मामलों पर ले जाना चाहिए, जो वास्तव में लोगों के जीवन को प्रभावित करें। उल्लेखनीय है? कि तीन से पांच अप्रैल तक चलने वाले 'स्टार्टअप महाकुंभ' में 50 से अधिक देशों की स्टार्टअप कंपनियां, निवेशक और उद्योग जगत के दिग्गज भाग ले रहे हैं।

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी से गोल्ड मार्केट में भी हलचल, नए शिखर पर पहुंचा सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ के ऐलान के बाद से ही इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में काफी हलचल मची हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना आज 3,166.96 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में कुछ गिरावट भी आई। इसके बावजूद सोना अपने सर्वोच्च स्तर के करीब पहुंच कर ही कारोबार कर रहा है। अमेरिका द्वारा नई टैरिफ पॉलिसी का ऐलान होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने की खरीद में काफी तेजी आ गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में सफल रही। माना जा रहा है कि रेसिप्रोकल टैरिफ और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी के चपेट में जाने की आशंका की वजह से सोने की मांग में लगातार तेजी बनी रहने वाली है, जिसके इसकी कीमत में और भी अधिक उछाल आ सकता है।भारत में भी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स में सोने के कारोबार में लगातार तेजी का रुख नजर आया। आज गोल्ड फ्यूचर 843 रुपये यानी 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 91,696 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में एमसीएक्स पर भी सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड (हाजिर सोना) ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद थोड़ा नीचे फिसल कर 0.51 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,150 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 0.21 प्रतिशत चढ़ कर 3,172.60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कमोडिटी मार्केट के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान किया है, उससे पूरी दुनिया में ट्रेड वॉर शुरू होने का खतरा बन गया है। अमेरिका की इस नई पॉलिसी में 180 देशों पर टैरिफ का बोझ लादा गया है। इसमें सबसे कम टैरिफ 10 प्रतिशत का है, जबकि चीन को छोड़कर सबसे ज्यादा टैरिफ 49 प्रतिशत का है। आशंका इस बात की भी जताई जा रही है कि इस टैरिफ पॉलिसी से खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है और आने वाले दिनों में अमेरिकी इकोनॉमी सुस्त पड़ सकती है।कमोडिटी मार्केट के एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि जियो पॉलिटिकल टेंशन और वैश्विक अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव की वजह से सोना दुनिया भर में पहले से मजबूती का लगातार नया रिकॉर्ड बना रहा है। साल 2025 में ही सोने की कीमत में करीब 20 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। अब अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण सोने की मांग और बढ़ने की उम्मीद बन गई है, जिससे ये चमकीली धातु मजबूती का लगातार नया-नया रिकॉर्ड बना सकती है।

बीएचईएल ने किए हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर

एजेंसी

हरिद्वार। बीएचईएल ने भादला-फतेहपुर एलसीसी एचवीडीसी टर्मिनल स्टेशन के साथ-साथ भादला और फतेहपुर में एसी ट्रांसमिशन के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। भेल ने हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड के साथ कंसोर्टियम साझेदारी में राजस्थान पार्ट 1 पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, जो अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसके अंतर्गत 6,000 मेगावाट, 800 केवी, बाई-पोल और द्विदिशात्मक हाई-वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) टर्मिनल्स को डिज़ाइन और कार्यान्वित किया जाएगा। जिससे राजस्थान के भादला से उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और परिवहन केंद्र फतेहपुर तक नवीकरणीय ऊर्जा का पारेषण होगा।

यह एचवीडीसी लिंक परियोजना वर्ष 2029 तक पूरी हो जाएगी तथा 2030 तक अक्षय ऊर्जा से 500 गीगावाट बिजली प्राप्त करने के राष्ट्रीय मिशन में महत्वपूर्ण योगदान देगी। बीएचईएल हरिद्वार के संचार एवं जनसंपर्क प्रमुख संजय पंवार द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार बीएचईएल को आवंटित चौथी अल्ट्रा हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (यूएचवीडीसी) ट्रांसमिशन परियोजना अनुबंध है। कंपनी ने पहले से ही उत्तर-पूर्व आगरा 800 केवी, 6,000 मेगावाट, मल्टी टर्मिनल एचवीडीसी लिंक और 800 केवी 6,000 मेगावाट रायगढ़-पुगलूर एचवीडीसी लिंक का निष्पादन किया है और वर्तमान में हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड (पूर्व में एबीबी) के साथ संयुक्त रूप से 800 केवी, 6,000 मेगावाट खावड़ा-नागपुर एचवीडीसी लिंक का निष्पादन कर रही है। इस परियोजना के लिए अन्य उपकरणों और प्रणालियों के अतिरिक्त बीएचईएल अपने भोपाल प्लांट से कनवर्टर ट्रांसफार्मर, शंट रिएक्टर, फिल्टर बैंक कैपेसिटर, एमवी स्विचगियर और इन्स्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर तथा अपने इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन बेंगलुरु से थाइरिस्टर वाल्व की आपूर्ति करेगा। इन वाल्वों का उपयोग भादला में एसी पावर को डीसी पावर में परिवर्तित करने के लिए किया जाएगा।

ट्रंप के टैरिफ के प्रभाव का अध्ययन करेगा भारत : वित्त राज्य मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ वृद्धि और देश पर इसके प्रभाव का आकलन कर रहा है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा आईआईएम, अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित 'प्रथम अंतरराष्ट्रीय पेंशन शोध सम्मेलन' में कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव की समीक्षा और आकलन करेगा। पंकज चौधरी ने कहा कि ट्रंप के लिए यह अमेरिका पहले है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह भारत पहले है। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्कों के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। वित्त

rch Conference on Pension
CP 2025
#Zaruri Hai
IIMA

राज्य मंत्री ने कहा कि अमेरिका की शुल्क बढ़ोतरी और देश पर इसके प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्कों का मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

ओला इलेक्ट्रिक के स्कूटर को रजिस्ट्रेशन वाले दिन ही घर ले जा सकेंगे, शुरू हुई हाइपर डिलीवरी

एजेंसी

नई दिल्ली/बेंगलुरु। देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने हाइपर डिलीवरी की घोषणा की। इस सर्विस के तहत ओला के व्हीकल्स को रजिस्ट्रेशन वाले दिन ही घर ले जाया जा सकेगा। कंपनी ने हाइपर डिलीवरी पायलट की शुरुआत बेंगलुरु में की है।

ओला इलेक्ट्रिक ने जारी एक बयान में बताया कि हाइपर डिलीवरी के तहत ओला इलेक्ट्रिक के व्हीकल को ऑनलाइन या ओला इलेक्ट्रिक स्टोर से खरीदने के बाद ग्राहक कुछ ही घंटों में अपने फुली रजिस्टर्ड व्हीकल पर घर जा सकते हैं। इसके जरिए कंपनी ने ऑटोमोबाइल में अनुभव की तरह त्वरित-कॉमर्स लाया है। कंपनी ने कहा कि इस साल

मार्च में 23,430 व्हीकल्स का रजिस्ट्रेशन किया गया है। कंपनी का कहना है कि हाइपर डिलीवरी के तहत ओला इलेक्ट्रिक के व्हीकल को ऑनलाइन या ओला इलेक्ट्रिक स्टोर से खरीदने के बाद कुछ ही घंटों में ग्राहक अपने रजिस्टर्ड व्हीकल पर घर जा सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने बताया कि रजिस्ट्रेशन प्रोसेस के कई चरणों को ऑटोमेटेड बनाने के लिए एआई को लागू किया है। कंपनी ने कहा कि पंजीकरण और डिलीवरी प्रक्रिया को आसान और अधिक कुशल बनाने के लिए बिचौलियों को हटा दिया है। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, हमारे पास एआई एलईडी ऑटोमेशन के जरिए वाहनों को पंजीकृत करने और पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह से घर में स्थानांतरित करने के लिए साइन इन है। प्रवक्ता ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक ने पंजीकरण प्रक्रिया में अधिकांश चरणों को स्वचालित करने के लिए एआई को लागू किया है, जिससे यह विशिष्ट पंजीकरण प्रक्रिया से जुड़े बिचौलियों को खत्म करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि इसने कंपनी को हाइपर डिलीवरी की पहल शुरू करने में सक्षम बनाया है।

जयपुर की एग्रोकेमिकल कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ ने आईपीओ के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी

नई दिल्ली। जयपुर की एग्रोकेमिकल कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के शेयरों को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक एग्रोकेमिकल फर्म एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड का 10 रुपये अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह 1.92 करोड़ शेयरों का नया निर्गम है, जिसमें कोई ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) घटक नहीं है। इसमें पात्र कर्मचारियों की सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 135 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी

ADVANCE
AGROLIFE LIMITED

जरूरतों के वित्तपोषण के लिए करेगी। इसके अलावा इसके एक भाग का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स इस पब्लिक इश्यू का एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर है। जयपुर स्थित एग्रोकेमिकल फर्म एडवांस एग्रोलाइफ कृषि रसायन उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करती है। इस कंपनी के उत्पादों में कीटनाशक, शाकनाशी, कवकनाशी और पौधों की वृद्धि नियामक शामिल हैं। यह कंपनी सूक्ष्म पोषक उर्वरक और जैव उर्वरक जैसे अन्य कृषि रसायन उत्पाद भी बनाती है।

अमेरिका ने भारत पर 26 नहीं 27 फीसदी का लगाया है टैरिफ

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर 26 फीसदी नहीं, बल्कि 27 फीसदी का टैरिफ लगाया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आधिकारिक आदेश इसकी पुष्टि करता है। इससे पहले रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक शुल्क या टैक्स) लगाने की घोषणा के वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तख्ती के साथ मीडिया के सामने आए थे, उस दौरान भारत के लिए 26 फीसदी टैरिफ का जिक्र था, लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक आदेश में भारत के लिए 27 फीसदी टैरिफ की बात कही गई है ट्रंप प्रशासन का मानना है कि अमेरिकी वस्तुओं पर भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस कदम से अमेरिका को भारत के कुछ क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ने के आसार हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है क्योंकि अन्य देशों की तुलना में भारत पर लगाया गया शुल्क कम है। ट्रंप ने नई दिल्ली की ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ को बहुत, बहुत कठोर बताया।

आईजीजेएस जयपुर में 28 देशों के 180 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार शामिल

एजेंसी

जयपुर। वैश्विक व्यापार परिदृश्य में हो रहे बदलावों के बीच रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (GJEPC) ने इंटरनेशनल जेम एंड ज्वैलरी शो (IGJS) जयपुर 2025 का भव्य शुभारंभ किया। यह आयोजन भारत के रत्न और आभूषण उद्योग को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह शो ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है, जब अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय निर्यात पर 27 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। जीजेईपीसी द्वारा आयोजित आईजीजेएस जयपुर का यह चौथा संस्करण 3 से 5 अप्रैल तक नोवोटेल, जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), जयपुर में हो रहा है। यह आयोजन व्यापारिक साझेदारियों को बढ़ावा देने और भारत की वैश्विक बाजार में उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रमुख बी2बी प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है। शो का उद्घाटन कई गणमान्य हस्तियों द्वारा किया गया, जिनमें सेवानिवृत्त मेजर जनरल अनुज माथुर, संयुक्त आयुक्त (राजस्थान सरकार) शिल्पी आर. पुरोहित, संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख (एमएसएमई विकास संस्थान) गौरव जोशी, जीजेईपीसी के उपाध्यक्ष शौनक पारिख, क्षेत्रीय अध्यक्ष (राजस्थान) योगेंद्र गर्ग, संयोजक (कलर्ड जेम स्टोन पैनल) डी. पी. खंडेलवाल, संयोजक (चांदी पैनल) कृष्ण बिहारी गोयल, संयोजक (एसईजेड पैनल) अरविंद गुप्ता और जीजेईपीसी के सीओओ सिद्धार्थ एच. शामिल थे। जीजेईपीसी के उपाध्यक्ष शौनक पारिख ने शो के महत्व पर जोर देते हुए कहा, IGJS जयपुर 2025 व्यापारिक सहयोग को प्रोत्साहित करने और वैश्विक संपर्कों को बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। इस वर्ष, हमें 62 स्टॉलों पर 50 से अधिक कंपनियों की मेजबानी करने और 28 देशों– अमेरिका, यूके, यूरोप, ओशिनिया, रूस और सुदूर पूर्व क्षेत्र–से 180 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का स्वागत करने का अवसर मिला है। यह बी2बी शो उद्योग में नए अवसर खोलता है और व्यापार को गति प्रदान करता है। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए 27 फीसदी टैरिफ पर भी अपनी चिंता व्यक्त की, जो भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने अमेरिका से भारत और अमेरिका के बीच दीर्घकालिक व्यापार साझेदारी को बनाए रखने का अनुरोध किया और कहा कि यह टैरिफ हमारे लिए चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। यह भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पुनर्गठित करने का अवसर भी हो सकता है। जीजेईपीसी इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से बातचीत कर रहा है ताकि अमेरिकी बाजार तक निरंतर पहुंच सुनिश्चित की जा सके और उद्योग की स्थिरता बनाए रखी जा सके। परिषद जयपुर में एक विशेष नोटिफाइड ज़ोन (SNZ) स्थापित करने की दिशा में भी कार्य कर रही है, जिससे माइनर्स से सीधे रफ स्टोन की आपूर्ति संभव हो सके। यह पहल भारत डायमंड बोर्स और सूरत डायमंड बोर्स के सफल मॉडल के अनुरूप होगी। इसी दिशा में, 11 से 30 अप्रैल तक 'इंडिया रफ जेमस्टोन सोर्सिंग शो' (IRGSS) आयोजित किया जाएगा, जो रफ स्टोन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जीजेईपीसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष (राजस्थान) योगेंद्र गर्ग ने कहा कि जयपुर जेम बोर्स को जीजेईपीसी, जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन और राजस्थान सरकार के सहयोग से विकसित किया गया है।

बिना अंडे और ऑयल के बनानी है मेयोनीज, ये 5 तरीके आएंगे काम

मेयोनीज का नाम सुनते ही दिमाग में एक क्रीमी, मुलायम और टेस्टी डिप या स्प्रेड का ख्याल आता है, जो हर स्नैक को और भी मजेदार बना देती है. मार्केट में मिलने वाली ज्यादातर मेयोनीज में अंडा और तेल होता है, जिससे कई लोग इसे खाने से बचते हैं. खासकर वे लोग जो शाकाहारी होते हैं या फिर जो हेल्दी और कम कैलोरी वाले ऑप्शन तलाश रहे हैं. अगर आप भी बिना अंडे और तेल की मेयोनीज खाना पसंद नहीं करते हैं तो घर पर ही इसे बिना अंडे और तेल के भी बना सकते हैं.

घर पर बिना अंडे और तेल के हेल्दी मेयोनीज बनाना बहुत आसान है. आज इस आर्टिकल में हम आपको बिना अंडे और तेल की मेयोनीज बनाने के 5 तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप एक क्रीमी मेयोनीज बना सकेंगी. जो खाने में हल्दी और टेस्टी भी होगी.

1. दही से बनी हेल्दी मेयोनीज

अगर आप एक हेल्दी और प्रोबायोटिक से भरपूर मेयोनीज बनाना चाहते हैं, तो गाढ़े दही से तैयार की गई मेयोनीज बेस्ट ऑप्शन है. इसके लिए आप सबसे पहले दही को अच्छे से छान लें ताकि इसका पानी पूरी तरह निकल जाए. अब इसमें नींबू का रस, सरसों पाउडर, काली मिर्च और नमक डालकर अच्छे से फेंट लें. आपकी हेल्दी और ऑयल-फ्री मेयोनीज तैयार है. इसे सैंडविच, सलाद या डिप के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं.

2. काजू से बनी क्रीमी मेयोनीज

काजू से बनी मेयोनीज का टेक्सचर काफी क्रीमी और स्मूद होता है, जिससे यह बाजार में मिलने वाली मेयोनीज जैसी लगती है. आपको सबसे पहले काजू को भिगोकर मिक्सी में डालकर एक पेस्ट बना लेना है. अब इसमें नींबू का रस, सिरका, सरसों पाउडर और नमक डालकर दोबारा अच्छी तरह पीस लें. जब ये क्रीमी और स्मूद टेक्सचर में आ जाए, तो इसे किसी एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें. ये मेयोनीज न केवल स्वाद में बढ़िया होती है बल्कि हेल्दी फैट से भरपूर भी होती है.

3. आलू से बनी लो-कैलोरी मेयोनीज

अगर आप एक बजट फ्रेंडली और लो-कैलोरी मेयोनीज बनाना चाहते हैं, तो उबले आलू से बनी मायोनीज एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है. उबले आलू को छीलकर अच्छे से मैश कर लें. अब इसमें नींबू का रस, सरसों पाउडर, दूध और नमक डालकर ब्लेंड कर लें. जब ये पूरी तरह स्मूद और क्रीमी हो जाए, तो इसे एयरटाइट कंटेनर में भर लें. ये मेयोनीज हेल्दी होने के साथ-साथ टेस्टी भी होती है.

4. टोफू से बनी प्रोटीन-रिच मेयोनीज

अगर आप हाई प्रोटीन और वेगन डाइट फॉलो कर रहे हैं, तो टोफू से बनी मेयोनीज ट्राई कर सकते हैं. इसे बनाने के लिए टोफू को छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्सर में डालें. अब इसमें नींबू का रस, सिरका, लहसुन पाउडर, सरसों पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह ब्लेंड करें. जब इसका टेक्सचर क्रीमी और स्मूद हो जाए, तो इसे निकालकर किसी कंटेनर में स्टोर करें. ये मेयोनीज डायबिटीज और हाई प्रोटीन डाइट वालों के लिए परफेक्ट है.

5. दूध से बनी हेल्दी मेयोनीज

अगर आप बिना अंडे और तेल के दूध से बनी मायोनीज ट्राई करना चाहते हैं, तो यह एक बेहतरीन ऑप्शन है. इसके लिए दूध को मिक्सी में डालें और इसमें सिरका डालकर 2 मिनट के लिए छोड़ दें, ताकि ये थोड़ा गाढ़ा हो जाए. अब इसमें सरसों पाउडर, काली मिर्च और नमक डालकर अच्छी तरह ब्लेंड करें. जब इसका टेक्सचर क्रीमी हो जाए, तो इसे एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें. ये मेयोनीज बच्चों के लिए भी हेल्दी और टेस्टी ऑप्शन है.

लोकसभा में अभी सीटों की संख्या सीमित रखने का समय

भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है

भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए।अगर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े संघीय लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में, प्रतिनिधि सभा में सीटों की संख्या 1913 से 435 तक सीमित रह सकती है, तो भारत के प्रत्येक राज्य में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को जनसंख्या वृद्धि के अनुसार नये सिरे से तय करने के लिए नवीनतम परिसीमन अभ्यास को उचित ठहराने का कोई कारण नहीं है। देश अब कई वर्षों के अंतराल के बाद जनगणना अभ्यास से गुजर रहा है। वास्तव में, भारत को इस बात पर अधिक चिंतित होना चाहिए कि अपनी जनसंख्या वृद्धि को कैसे नियंत्रित किया जाये और अपने विधानमंडलों को वास्तव में मतदाताओं के लिए योगदान देने वाला कैसे बनाया जाये।दो साल पहले, भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया। यह इस तथ्य के बावजूद है कि चीन भूमि क्षेत्र के मामले में भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। आदर्श रूप में, भारत को इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि वर्तमान जनगणना अभ्यास के बाद वास्तविक समय में देश के आर्थिक विकास से जनता को लाभान्वित करने के लिए जनसंख्या के आकार को कैसे नियंत्रित किया जाये। परिसीमन अभ्यास को पीछे रखना चाहिए।देश की लोकसभा बिना बैक बेंचर्स की अतिरिक्त संख्या में अच्छा प्रदर्शन करेगी, जो सार्वजनिक मुद्दों को उठाकर और बहस में भाग लेकर संसद की कार्यवाही में बहुत कम योगदान देते हैं। लोकसभा और विधानसभाओं के लिए प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं इन सदनों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। हालांकि संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में यह प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और साथ ही क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जायेगा। राज्य विधानसभाओं और संसद में सीटों की संख्या को स्थिर करने के लिए उन्हें संशोधित करने की आवश्यकता है। अतीत में, 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद इस तरह की कवायद की गयी थी।

अमेरिका में, निचले सदन में सीटों की संख्या 1913 से स्थिर बनी हुई है, हालांकि देश की आबादी पिछले साल 940 लाख से लगभग चार गुना बढ़कर लगभग 3400 लाख हो गयी है। अमेरिकी कांग्रेस ने 1911 के एपोर्शनमेंट एक्ट के बाद से सदन के प्रतिनिधियों की संख्या 435 पर सीमित कर दी थी, सिवाय 1959 में हवाई और अलास्का को राज्यों के रूप में स्वीकार किये जाने के दौरान 437 तक की अस्थायी वृद्धि के।पिछली सदी में, 1910 की जनगणना के बाद से अमेरिकी कांग्रेस के जिलों का आकार तीन गुना से भी अधिक हो गया है, जिसमें प्रति जिले लगभग 212,000 निवासी सूचीबद्ध हैं। प्रत्येक राज्य के लिए सदन के सदस्यों की संख्या संघीय कानून में एक सांख्यिकीय सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाती है। प्रत्येक राज्य अपने जिलों के आकार को डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है, जब तक कि वह 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप हो, जो नस्लीय अल्पसंख्यकों के मतदान और प्रतिनिधित्व अधिकारों की रक्षा करना चाहता है।भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए, अगर जरूरी हो तो उनमें संशोधन करना चाहिए और नये मुद्दों से निपटने के लिए नये कानून पेश करने चाहिए। विधानमंडल में सीटें हथियाने के लिए ये राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक रूप से मूर्ख लोकप्रिय फिल्मी सितारों और मनोरंजन जगत की हस्तियों को भी भर्ती करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। ऐसे प्रतिनिधि अक्सर अपने पूरे कार्यकाल के दौरान कार्यवाही में कोई योगदान दिये बिना संसद में सीटें लेते देखे जाते हैं।

लोकसभा के 30 प्रतिशत सदस्य भी सक्रिय भागीदारी की इच्छा नहीं दिखाते हैं। कभी-कभी, कुछ लोग विधानमंडल में गरमागरम बहस से विचलित हुए बिना सो जाते हैं। एक राजनीतिक दल के लिए जो मायने रखता है वह संसद में उसकी संख्या है और शायद इसके अलावा कुछ भी नहीं। विधानमंडल में सीटें बढ़ाने के लिए परिसीमन अभ्यास दुर्भाग्य से केवल संख्या पर केंद्रित हो सकता है। इसे रोकने की जरूरत है। इसके अलावा, यह कवायद कम या नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को दंडित कर सकती है और देश की जनसंख्या विस्फोट में योगदान देने वालों को पुरस्कृत कर सकती है। यह शायद ही स्वीकार्य हो।लोकसभा सहित देश के विधायिकाओं के सदस्य अपने कार्यों में बहुत कम सुधार करके देश को भारी कीमत चुकाने को मजबूर कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक सांसद के खजाने पर प्रति वर्ष 600 लाख रुपये से अधिक का खर्च आ सकता है, जिसमें वेतन, भत्ते और अन्य खर्च और एमपीएलएडी (संसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना) शामिल हैं। पिछले हफ्ते ही, केन्द्र सरकार ने अप्रैल 2023 से प्रभावी, सांसदों के लिए 24 प्रतिशत वेतन वृद्धि को मंजूरी दी। वास्तव में, संसद सदस्य का मुख्य काम %संघ सूची' के मामलों पर कानून बनाना या संशोधनों के माध्यम से उन्हें संशोधित करना और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना है।पिछले पांच दशकों से भारतीय संसद 543 लोकसभा सांसदों के साथ काम कर रही है, जबकि देश की आबादी 55करोड़ से बढ़कर 145 करोड़ हो गयी है। अगले तीन दशकों में भारत की आबादी 165-170 करोड़ के आसपास होने का अनुमान है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 2060 तक चीन की आबादी 121 करोड़ के आसपास होने का अनुमान लगाया है। 1979 से 2015 तक लागू की गयी चीन की वन-चाइल्ड पॉलिसी ने अधिकांश परिवारों को एक बच्चे तक सीमित करके देश की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में मदद की।

भारत सरकार इस तरह से सोच सकती है या ऐसी प्रणाली का पालन कर सकती है जो छोटे परिवारों को पुरस्कृत करती है और अधिक बच्चे पैदा करने वालों को उनकी सामाजिक और वित्तीय बाधाओं की अनदेखी करते हुए दंडित करती है। इन परिस्थितियों में, जनसंख्या के आकार को ध्यान में रखते हुए विधायिका का विस्तार एक गलत कदम होगा। यह उन राज्यों को अजीब स्थिति में डाल देगा, जिनका जनसंख्या प्रबंधन रिकॉर्ड अच्छा है, जबकि अन्य अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि दिखा रहे हैं।हाल के वर्षों में, भारत के कुछ अत्यधिक आबादी वाले राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, पंजाब और पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित सभी राज्यों में जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी है। केंद्र और राज्यों दोनों के लिए यह अच्छा होगा कि वे जनसंख्या वृद्धि के बावजूद विधानमंडल के आकार को सीमित रखें ताकि विधानमंडलों का समुचित संचालन सुनिश्चित हो सके। परिसीमन की प्रक्रिया अभी रुक सकती है।

संपादकीय

नया वक्फ़ कानून: ध्रुवीकरण है मकसद

अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे की तरफ़ एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में कार्यरत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार उस वक्फ़ बोर्ड संशोधन विधेयक, 2024 को संसद में पारित कराने की कगार पर है जिसके जरिये मुस्लिमों के मामलों में अब सरकार की सीधी दखल का रास्ता खुल जायेगा। वक्फ़ संशोधन विधेयक बुधवार 12 बजे लोकसभा में पेश किया गया और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लोकसभा में इस पर चर्चा जारी थी। आंकड़े सरकार के पक्ष में होने के कारण इसे पारित कराने में उसे कोई दिक्कत नहीं होगी ऐसा माना जा रहा है, क्योंकि सदन में जेडीयू और टीडीपी दोनों ने इस विधेयक में भाजपा का साथ दिया है। सरकार इस कानून को चाहे मुस्लिमों के हित में लाया गया कानून बता रही हो, लेकिन यह देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक वर्ग की धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है जिसके कारण सदन के भीतर धर्मनिरपेक्षता व लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली तमाम पार्टियों तथा बाहर मुस्लिम संगठनों का इसे लेकर बड़ा विरोध हो रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और तमाम मुस्लिम संगठन इसका तभी से विरोध कर रहे हैं जब इसे पहली बार पिछले वर्ष 8 अगस्त को संसद में पेश किया गया था। प्रबल विरोध के चलते पहले तो इसे एक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था, परन्तु उस समिति की संरचना ऐसी थी जिसमें सरकार का बहुमत था। मुसलमानों की राय तथा विपक्ष के सुझावों को नज़रंदाज़ कर संशोधन विधेयक को बुधवार को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।

देश भर में मस्जिदों के रखरखाव हेतु रखी गयी सम्पत्ति यथा जमीनों, दुकानों पर सरकार का नियंत्रण व आधिपत्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला यह कानून इसलिये निराशाजनक है क्योंकि इसका मकसद मस्जिदों व मुस्लिमों को उनके धार्मिक-सामाजिक कामों के लिये होने वाली आय से वंचित करने वाला है। मस्जिदों के निर्माण हेतु मिली जमीन का वैसे तो कोई मालिक नहीं होता और माना जाता है कि इसका मालिक अल्लाह होता है। मस्जिद कमेटी इसकी देख-रेख करती है। सरकार या प्रशासन द्वारा यह काम अपने हाथ में लेने का अर्थ है मुस्लिमों की धार्मिक मान्यता व कार्यपद्धति को सिरे से नकारना जिसके कारण इस विधेयक का व्यापक विरोध हो रहा है।यह भी आशंका है कि लगभग हर शहर में वक्फ़ के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली ज़मीनों के लिये सिविल के मुकदमे प्रारम्भ हो जायेंगे- फिर चाहे वे भाजपा सरकारों की ओर से हों अथवा उससे जुड़े संगठनों द्वारा दायर किये जायें। जो भी हो, यह तय है कि इस कानून से हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच की खाई और भी गहरा सकती है। पहले से देश भर में मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों की संख्या में इस कानून के अस्तित्व में आ जाने से और भी इज़ाफ़ा होना तय है। हालांकि सरकार का दावा है कि इससे वक्फ़ से जुड़ी सम्पत्तियों का बेहतर प्रबन्धन हो सकेगा, पर सरकार की मंशा साफ है। वह मुस्लिमों की ताकत को कमतर करने तथा उसकी परिसम्पत्तियों पर कब्ज़ा करना चाहती है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से दो गैर मुस्लिम सदस्य भी बोर्ड में शामिल किये जायेंगे। देश में फिलहाल वक्फ़ की सम्पत्ति का प्रबन्धन करने के लिये करीब 3 स्थापित संगठन हैं जो वक्फ़ बोर्ड अधिनियम, 1995 के अंतर्गत काम करते हैं।देखना है कि इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद इसे लेकर एनडीए के वे समर्थक दल क्या रुख अख्तियार करते हैं और उन राजनीतिक संगठनों के बारे में उनके वोटर क्या राय बनायेंगे जिन्होंने इस विधेयक को पारित करने में सरकार की मदद की है। विशेषकर, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड, जिनके क्रमशः 16 व 12 लोकसभा सदस्यों के बल पर नरेन्द्र मोदी की सरकार टिकी हुई है। इन दोनों पर इसलिये विशेष ध्यान है क्योंकि ये दोनों ही धर्मनिरपेक्ष पार्टियां कहलाती हैं और इनका बड़ा समर्थक वर्ग अल्पसंख्यकों का है।पहली बार जब यह विधेयक 8 अगस्त, 2024 को संसद में पेश किया गया था, तब जेडीयू और टीडीपी दोनों ने खुलकर सरकार का साथ नहीं दिया था, लेकिन अब माहौल बदल गया है।

नीला ड्रम, स्टोव बनाम स्त्री विमर्श

पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चैनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है।मेरठ में सौरभ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम काफी चर्चा में आ गया है। सौरभ की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या की थी और फिर सौरभ के शव के 15 टुकड़े कर के उसे एक ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट डाल दिया था। फिलहाल दोनों आरोपी जेल में हैं और पुलिस इस मामले की हर कोण से जांच कर रही है। शुरुआत में इसमें तांत्रिक क्रिया के होने का संदेह था, लेकिन इससे पुलिस ने इंकार कर दिया है। यानी यह हत्याकांड गलत तरीके से चल रहे प्रेम संबंध की परिणति है। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने जैसा वीभत्स काम कोई पहली बार नहीं हुआ है, न ही अवैध प्रेम संबंध के चलते पति या पत्नी में से किसी एक की हत्या की घटना पहली बार हुई है। ऐसे कई खौफनाक अपराध इसी समाज में घट चुके हैं। याद करें तो नैना साहनी को मारकर तंदूर में डाल दिया गया था। इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी ही बेटी की हत्या करवा कर उसकी लाश को जंगल में फिंकवाया था और हत्या के पहले अपनी बेटी को वह छोटी बहन बताती थी। अभी पिछले ही साल गोवा के एक होटल में एक मां ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बैग में भरकर टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। इन घटनाओं को याद करना दुखद है, लेकिन उससे भी दुखद बात ये है कि ऐसी एक घटना के धब्बे हल्के पड़ते नहीं कि, दूसरा भयावह प्रसंग खड़ा हो जाता है। इस तरह की खबरों पर अक्सर समाचारों में लिखा जाता है कि समाज दहल गया, सिहर गया, चौंक गया आदि, लेकिन क्या वाकई समाज में अब संवेदनशीलता बाकी रह गई है। क्योंकि संवेदनाएं होती तो ऐसी खबरों की अधिकता न होती।पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चैनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है। लोगों के वक्त का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने या पढ़ने में चला जाता है। समाज में कहीं कोई घटना घटी नहीं कि फौरन उस पर मीम्स, रील्स बनकर वायरल हो जाते हैं। अब तो ग्रोक की मदद से तरह-तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और हर कोई घबली आर्ट से अपना एनिमेटेड अवतार बना रहा है।

सोशल मीडिया पर इस तरह के चलन कई बार चलते हैं। एक लहर सी आती है, समाज उसमें बहने लगता है, फिर वो लहर लौटती है, पीछे जो कचरा बच जाता है, उसे साफ करने का कोई उपाय नहीं रहता, तब तक दूसरी लहर आ जाती है। इसी तरह सोशल मीडिया के समुद्र में समाज गोते लगा रहा है। लेकिन तटस्थ होकर सोचें तो सोशल मीडिया में हम असल मायनों में सोशल होने की पहचान को ही खोते जा रहे हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है तो समाज की भलाई की चिंता उसे होनी चाहिए। लेकिन अभी समाज किस दिशा में जा रहा है, इसकी कोई परवाह ही नहीं हो रही है। खबरों पर फौरन प्रतिक्रिया देने या उसे वायरल करने या जरूरत से ज्यादा वक्त उस पर बिताने में हम भूल रहे हैं कि इन सबका कितना नुकसान समाज को हो रहा है। सोशल मीडिया कई जरूरी मुद्दों और विमर्शों को भी भटका रहा है।जैसे सौरभ हत्याकांड के बाद चर्चा में आए नीले ड्रम का जिक्र मैंने किया। खबर आई कि मेरठ के व्यापारी अब नीला ड्रम खरीदने वालों से पहचान पत्र भी मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब नीले की जगह लोग सफेद या नारंगी रंग के ड्रम खरीद रहे हैं। इसी तरह हापुड़ की खबर आई कि एक व्यक्ति ने पुलिस से गुहार लगाई कि उसे बचा लिया जाए, उसकी पत्नी के अवैध संबंध हैं और वो सौरभ की तरह उसे मार सकती है। ग्वालियर में भी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के खिलाफ इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराईं, हालांकि महिला थाना में पत्नी ने पति के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया हुआ है। पन्ना में तो एक पति ने अपनी पत्नी पर मारपीट करने के इल्जाम लगाए और बतौर सबूत छुपे हुए कैमरे से रिकार्डिंग भी पेश की, जिसमें पत्नी पति को मारती हुई दिख रही है।इन सारी घटनाओं में कितना सत्य है और असल में पीड़ित कौन है, इसका पता तो जांच के बाद ही चलेगा। लेकिन इतना तय है कि विवाह संस्था पर अब पहले से अधिक खतरे बढ़ गए हैं। रिश्तों में दरारें पड़ना अचरज की बात नहीं है, लेकिन अब उन दरारों से जो आधी-अधूरी सच्चाई के साथ सनसनीखेज खबरें बाहर आ रही हैं, उसे लेकर समाज को फिक्रमंद होना चाहिए, क्योंकि आखिर में तो ये घटनाएं हमारा ही अक्स दिखा रही हैं। उपरोक्त तमाम घटनाओं में गौर करने की बात ये है कि पीड़ित पक्ष पुरुष को दिखाया गया है, इसलिए लोगों की दिलचस्पी इनमें ज्यादा हुई। वर्ना मुजफ्फरनगर का ही एक और मामला सामने आया है, जिसमें शादी के दो माह बाद ही पति ने पत्नी से दहेज की मांग शुरु कर दी और उसे ससुराल में आने से रोका गया, जिसके बाद पत्नी ने भी ससुराल के बाहर धरना दे दिया। दोनों संपन्न परिवारों के पढ़े-लिखे लोग हैं, पत्नी वकील है और पति आर्किटेक्ट। बहरहाल, इस घटना पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं जाता अगर पत्नी धरने पर न बैठती। क्योंकि दहेज के नाम पर कितनी प्रताड़नाएं हुई हैं, कितने स्टोव नववधुओं पर फटे हैं, कितनी बहुओं को जलाकर मार दिया गया, इसकी कोई गिनती ही नहीं है।

लेकिन दहेज हत्या को समाज सामान्य तरीके से लेता रहा, इसलिए दहेज पर कानूनी रोक होने के बावजूद समाज में कोई प्रतिबंध नहीं लगा। वरिष्ठ पत्रकार और देशबन्धु के स्तंभकार शकील अख्तर ने लिखा भी कि स्टोव खरीदने से पहले किसी का पहचान पत्र नहीं मांगा गया। वाजिब बिंदु है कि नीले ड्रम को लेकर अनावश्यक सनसनी खड़ी की गई, ताकि सौरभ की हत्या और उसके शव के साथ किया गया सलूक याद रहे। लेकिन इस देश में हजारों लड़कियों को दहेज के नाम पर अकाल मौत दी गई, क्या उनके साथ किए गए सलूक को याद रखने के लिए कोई पहल की गई। अगर हत्या न भी हो, तब भी इस देश की महिलाओं को अनगिनत अत्याचारों से गुजरना पड़ा है और अब भी ऐसा हो रहा है।

उन्हें शारीरिक तौर पर न सही, मानसिक तौर पर कई बार मारा जाता है। शरीर के 15 टुकड़े न हों, तब भी आत्मा को तार-तार करने तक प्रताड़नाएं दी जाती हैं। इसी देश में वो रामायण भी लिखी गई है, जिसमें सीता माता का पहले एक शक्तिशाली राजा ने अपहरण किया, फिर उनके पति ने युद्ध कर उन्हें छुड़ा तो लिया, लेकिन अग्नि परीक्षा से गुजरने के बाद ही अपनाया, और फिर धोबी की बात सुनकर अपने घर से निकाल दिया, जबकि वे गर्भवती थीं।

आखिर में मां सीता को धरती में ही समाना पड़ा। इसी रामायण में शूर्पणखा भी है, जिसे अपने प्रेम का इजहार करने की सजा नाक कटवा कर भुगतनी पड़ी और अहिल्या भी इसी कथा का हिस्सा हैं, जिनके साथ छल हुआ, लेकिन पत्थर में तब्दील होने की सजा भी उन्हें ही मिली।पौराणिक काल की सीता से लेकर आज की बिलकिस बानो तक न जाने कितनी स्त्रियों पर अवर्णनीय अत्याचार हुए और उनके वजूद को अनगिनत बार टुकड़े-टुकड़े किया गया। लेकिन अब कुछ घटनाओं के कारण स्त्री मुक्ति विमर्श को ही प्रभावित करने की कोशिशें हो रही हैं। मुस्कान जैसे एकाध मामले आने से सारा स्त्री समाज दोषी नहीं हो जाता है, न ही इसमें महिलाओं की बराबरी के हक, भेदभाव के सवालों के जवाब खत्म होते हैं। इन घटनाओं को अपवाद मानकर असल सवालों पर विमर्श हर हाल में जारी रहना चाहिए, अन्यथा मां सीता बार-बार इंसाफ के इंतजार में धरती में समाती रहेंगी।

बढ़ रही है इमेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गई। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

करियर उन्मुखी होते हैं पत्राचार पाठ्यक्रम

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार मे उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता – फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी है जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानवितरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अत- सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर अ
आईआईटी एग्ज
की तैयारी कर
हैं, तो कुछ ज
टिप्स को अपन
बिल्कुल न भू
इनकी मद
आप पहली बा
एग्जाम क्लि
कर पा

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंटस को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हे अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

हेल्थ प्लस

टीथ सैंसिटिविटी

कुछ लोगों के दांतों में ठंडा-गर्म लगता रहता है यानी कुछ भी ठंडा या गर्म खाने पर उनके दांतों में दर्द होने लगता है। ये लोग टीथ सैंसिटिविटी यानी दांतों की संवेदनशीलता की समस्या से ग्रस्त होते हैं।

दांतों की यह समस्या किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि उम्र के 20वें तथा 30वें दशक के लोग इस समस्या का अधिक सामना करते हैं। वैसे इस समस्या का आसानी से उपचार किया जा सकता है।

क्या है टीथ सैंसिटिविटी?

इसमें गर्म या ठंडे पेय अथवा भोजन से दांतों में कुछ देर की हल्की-सी सनसनाहट से लेकर घंटों तक रहने वाला दर्द हो सकता है। यह समस्या एक या एक से अधिक दांतों में हो सकती है जो ठंडें, गर्म के अलावा मीठी या खट्टी चीजों या ठंडी हवा में सांस लेने से भी हो सकती है। यह दर्द तेज तथा अचानक हो सकता है जो दांतों की नर्व्स पर असर करता है।

दांतों पर मौजूद मध्य परत यानी डैंटिन के उजागर हो जाने पर टीथ सैंसिटिविटी की समस्या होती है। आमतौर पर दांतों पर चढ़ी एनेमल की परत डैंटिन को ढंके रखती है। डैंटिन अनेक कारणों से उजागर हो सकती है।

प्रमुख कारण

इसके आम कारणों में प्लाक का दांतों पर जमना, माऊथवॉश का लम्बे समय तक प्रयोग, अम्लीय भोज्य पदार्थों या पेयों का सेवन, अक्सर डैंटल प्रोसीजर्स करवाना, दांतों को दूसरे दांतों या जीभ से छूते रहने की आदत अथवा अधिक मीठा खाना शामिल हैं।

कभी पुरानी हो चुकी फिलिंग में आ चुकी दरार या लीक भी टीथ सैंसिटिविटी का कारण बन सकती है।

इलाज न करवाई गई कैविटीज, दांतों की सड़न या दांतों में संक्रमण अथवा दांतों की स्वच्छता का ख्याल नहीं रखने से भी यह समस्या पेश आ सकती है।

अधिक जोर से ब्रश करना या सख्त बालों वाला टूथब्रश इस्तेमाल करने से भी। दांतों पर एनेमल की परत का क्षय हो सकता है। मसूढ़ों की सूजन से भी डैंटिन उजागर हो सकती है जिससे उस पर ठंडी-गर्म चीजें महसूस होने लगती हैं।

उपचार

टीथ सैंसिटिविटी की समस्या के उपचार हेतु आपको डैंटिस्ट के पास जाना चाहिए जो सैंसिटिविटी टैस्ट करके जांच करता है ताकि पता चल सके कि कैसे ट्रीटमैंट की जरूरत है।

डैंटिस्ट फ्लोराइड जैल अथवा फ्लोराइड तथा पोटाशियम नाइट्रेट या स्ट्रोंटियम क्लोराइड युक्त डीसैंसिटाइजिंग टूथपेस्ट के प्रयोग की सलाह भी दे सकते हैं। ये रसायन संवेदनशीलता को दांतों से नर्व्स तक पहुंचने से रोकते हैं।

ब्रश करने के बाद मसूढ़ों पर खास प्रकार का पेस्ट मलने से भी लाभ हो सकता है।

खास टिप्स

हमेशा सॉफ्ट ब्रिसल वाले टूथब्रश का ही प्रयोग करें क्योंकि यह दांतों के एनेमल पर अधिक दबाव नहीं डालता है।

अल्कोहल बेस्ड माऊथवॉश का प्रयोग न करें। ये दांतों को हानि पहुंचाते हैं।

कोल्ड ड्रिंक्स, मांस या मसालों से भरपूर अम्लीय भोज्य पदार्थों एवं पेयों का प्रयोग न करें।

फ्लोराइड बेस्ड टूथपेस्ट का प्रयोग करें क्योंकि ये सैंसिटिविटी को कम करते हैं।

समस्या होने पर आईसक्रीम तथा ठंडी कोल्ड ड्रिंक्स जैसी सैंसिटिविटी पैदा करने वाली चीजों से परहेज करें।

अपने डैंटिस्ट से दांतों की नियमित रूप से जांच करवाएं।

माहवारी पूर्व तनाव, लक्षण एवं उपचार

मासिक धर्म की स्थिति सभी नारियों के साथ अलग-अलग होती है। इस विविधता के अलावा इनमें मासिक धर्म के पूर्व तनाव एवं तकनीक की स्थिति भी पृथक-पृथक होती है किन्तु अधिकतर नारियां उन दिनों से पहले अर्थात मासिक रक्तस्त्राव आरम्भ होने से पूर्व तनाव व तकलीफ से गुजरती हैं।

यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें महिलाओं को माहवारी शुरू होने के 5-6 दिन पहले से पेट के निचले व श्रोणि भाग में भारीपन, पूरे शरीर पर सूजन, अपचन, बार-बार पेशाब आना, स्तन में भारीपन और दर्द, मानसिक तनाव, उदासीनता, अति संवेदनशीलता आदि लक्षण होते हैं।

यह स्थिति शहरी जीवन बिताने वाली महिलाओं में ज्यादा पाई जाती है। इसका कारण अज्ञात है फिर भी निम्न कारणों की संभावना हो सकती है। यह मनोवैज्ञानिक, हार्मोंस की गड़बड़ी, विटामिन्स की कमी के कारण एवं उसके प्रभाव से उत्पन्न होती है। यह तकलीफ कई तरह की होती है जिसका उपचार भी अलहदा होता है।

माहवारी : भारत गर्म देश माना जाता है अतएव यहां की लड़कियों को 11 से 13 वर्ष की आयु में माहवारी आरम्भ हो जाती है। यह माहवारी उसकी स्त्रियोचित विशेषता है जो रजोदर्शन से लेकर रजोनिवृत्ति तक चलती रहती है।

माहवारी, मासिक धर्म के समय होने वाला रक्तस्त्राव सभी को अलग-अलग चक्र के अनुसार होता है। इसका अंतराल, रक्त की मात्रा, रक्तस्त्राव की अवधि सभी में पृथव होती है। सभी को माहवारी के समय एवं उसके पूर्व तनाव, तकलीफ एवं परेशानी की स्थिति से जूझना पड़ता है। मासिक धर्म के पूर्व तनाव को डाक्टरी शब्दों में प्री-मैंस्ट्रूअल सिंड्रोम(पी.एम.एस.) कहते हैं।

मूड में बदलाव : मूड में तेजी के साथ बदलाव होने पर तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा की शिकायत होती है। यह शरीर में ऑक्सीजन की कमी से होता है। अतएव गहरी सांस लें एवं छोड़ें। इससे कार्बन डाई-ऑक्साइड का स्तर कम होगा एवं शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी। इस तरह की परेशानी से जूझ रही महिलाएं माहवारी के पूर्व कैफनी, चाकलेट व चीनी की मात्रा कम कर दें। हल्का व्यायाम करें।

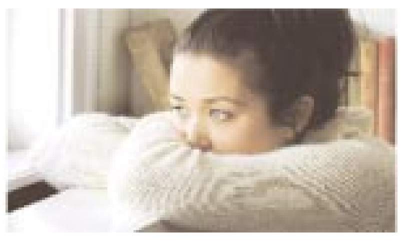

अवसाद : वी.एम.एस. की अवसादग्रस्त महिला पर उदासी, अरूचि, अकेलापन हावी हो जाता है। उसका मन रोने को करता है। ऐसी महिलाएं माहवारी से पूर्व हल्का व्यायाम करना आरंभ कर दें जिससे हार्मोंन की स्त्राव होता है जो दिमाग व शरीर को दुरूस्त रखता है। शर्करा स्तर सुधरता है। मूड में सुधार होता है। कॉफी, तली भूनी, मसालेदार चीजों से बचें। दही व फलियां खाएं।

गुस्सा : पी.एम.एस. से गुस्से की शिकार महिला की नींद अव्यवस्थित हो जाती है। कुछ खाने की तीव्र इच्छा होती है। इन्हें थोड़ा-थोड़ा करके 4-5 बार भोजन करना चाहिए जिसमें दाल व शक्कर की मात्रा कम हो। एक ही बार ज्यादा खाने से बचें।

पाचन की खराबी : माहवारी के पूर्व कई महिलाएं पेट की खराबी के कारण अपच, कब्ज, दस्त, थकान, उनींदेपन आदि की स्थिति से गुजरती हैं। ऐसी महिलाएं सुपाच्य भोजन करें। भरपूर पानी पिएं।

शरीर फूल जाना : माहवारी के पूर्व कई महिलाओं का शरीर फूल जाता है। स्तनों में कठोरता आ जाती है, पेड़, कमर, पीठ व सिर में दर्द होता है। इन्हें माहवारी से पूर्व नमक व ठंडी चीजें कम खानी चाहिएं।

निष्कर्ष : माहवारी के पूर्व तनाव, तकलीफ, परेशानी से अमूनन हर स्त्री को गुजरना पड़ता है लेकिन यदि यह आपके लिए असहयनीय हो और दैनिक जीवन को प्रभावित करे, तब महिला रोग विशेषज्ञ से मिलकर सलाह लें। भोजन को सदैव हल्का, सुपाच्य, ताजा, पौष्टिक व सीमित रखें। श्रम जारी रखें।

डिलीरियम

डिलीरियम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आपके मस्तिष्क के साथ कुछ गड़बड़ी है जो आपकी सोच-विचार की शक्ति को प्रभावित कर रही है। यह स्थिति बहुत गम्भीर हो सकती है।

आमतौर पर डिलीरियम उस स्थिति को कहा जाता है जिसमें व्यक्ति का मस्तिष्क सामान्य तौर पर काम न करना बंद करके अजीबोगरीब स्थिति में चला जाता है। इस स्थिति में दिमाग भ्रमित हो जाता है। तथा काम करने की ताकत खो देता है। वह अपनी याद्दाशत पर भी जोर नहीं दे पाता है तथा उन्माद की स्थिति में चला जाता है।

इस स्थिति में व्यक्ति अपने आसपास के माहौल से खुद को कटा पाता है। इसके गम्भीर होने पर व्यक्ति के शरीर में कंपकंपाहट छूटने लग सकती है तथा उसे बिना बात क्रोध आने लगता है। व्यक्ति को मतिभ्रम भी हो सकता है जिससे वास्तविकता के साथ उसका सम्पर्क पूर्णत: टूट जाता है।

अनेक प्रकार की व्याधियां दिमाग को क्षतिग्रस्त करके डिलीरियम की स्थिति पैदा कर सकती हैं। इनमें दिमाग की ओर जाने वाली रक्तवाहिकाओं में रूकावट, उच्च रक्तचाप के कारण दिमाग में आने वाली सूजन, दिमाग में किसी प्रकार का संक्रमण, रक्त में रसायनों का असामान्य स्तर, शरीर में विषैले तत्वों का प्रवेश, दवाइयों के साइड इफैक्ट्स और मस्तिष्क को ऑक्सीजन की कमी आदि शामिल हैं।

डिलीरियम की स्थिति में पहुंचा व्यक्ति सोच-विचार करने में अक्षम हो जाता है। ऐसे में उसे चिकित्सा प्रदान करना कठिन हो सकता है। हो सकता है कि वह अपना उपचार करवाने हेतु जरा भी सहयोग न करे और इलाज की बात पर झगड़ने लगे।

यह गम्भीर स्थिति है जिसे आपात स्थिति के तौर पर लेते हुए तुरंत चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

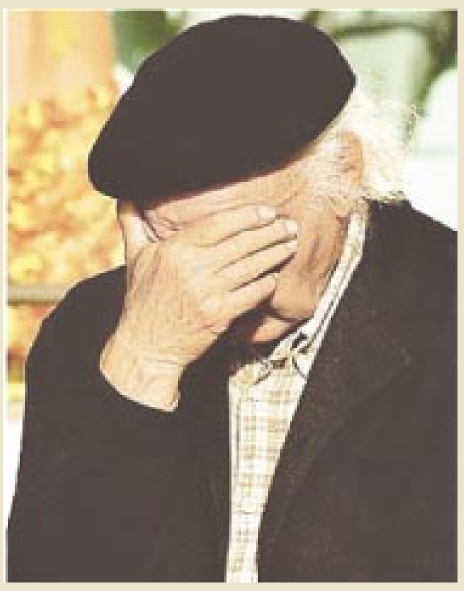

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन
का की कू घ ड छ के को हा

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2036

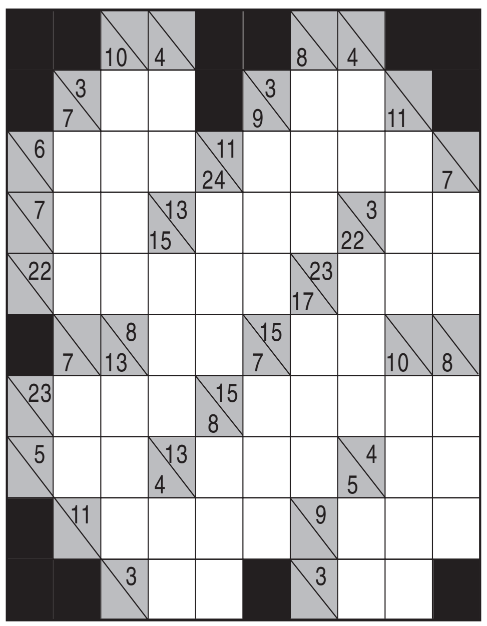

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

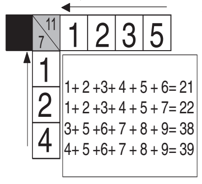

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2035 का हल

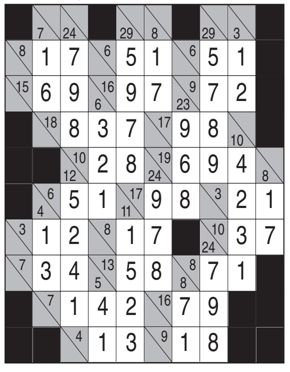

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

* * *

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुज़ूर।

* * *

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा- पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

* * *

फिल्म वर्ग पहेली- 2036

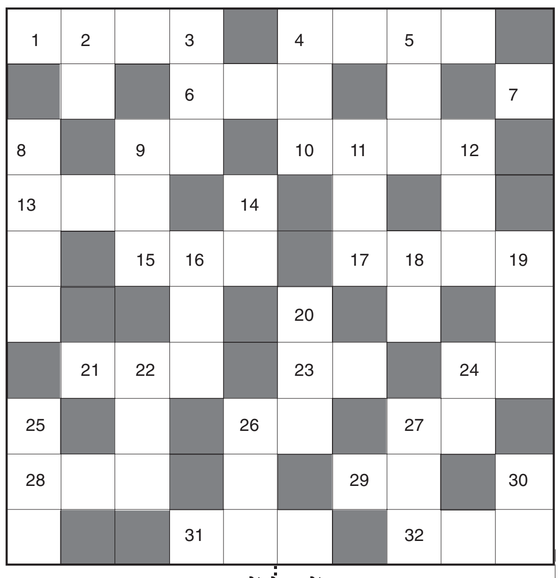

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2035

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		र्ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जीं		ग		श		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -2036

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2035 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 2036

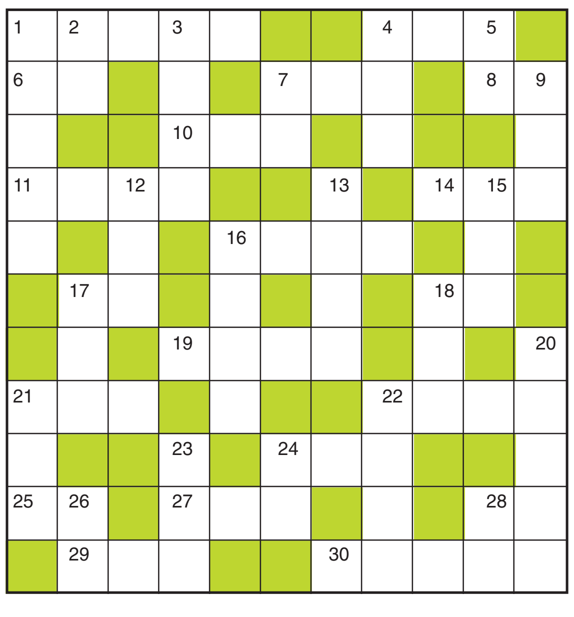

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -2035 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
व	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

अब सभी जजों की संपत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर सार्वजनिक होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यायपालिका में लोगों का विश्वास मज़बूत करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब सभी जजों की संपत्ति का ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर सार्वजनिक होगा। एक अप्रैल को हुई फुल कोर्ट बैठक में सभी जजों ने यह फैसला लिया है।बैठक में यह फैसला लिया गया है कि जजों को पदभार ग्रहण करने पर या जब भी उनकी संपत्ति में कोई महत्वपूर्ण चीज़ जुड़ती है, तो वो अपनी संपत्ति का ब्यौरा चीफ जस्टिस को देंगे। खुद चीफ जस्टिस भी ऐसा करेंगे। इसके बाद इन संपत्ति के ब्यौरे की जानकारी सम्बंधित जज की सहमति से सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। अब तक चीफ जस्टिस समेत 30 जजों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा सौंप दिया है।

हिन्दू-मुस्लिम सभी तक विकास की धारा समान रूप से पहुंचाने की पक्षधर है मोदी सरकार: राधामोहन दास

नई दिल्ली। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा सदस्य डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार हिन्दू-मुस्लिम सभी तक विकास की धारा समान रूप से पहुंचाने की पक्षधर है। प्रधानमंत्री मोदी हम सभी सांसदों को सभी तक विकास पहुंचाने की बात कहते हैं। अग्रवाल ने कहा कि हिन्दू समाज में समय-समय पर रिफार्म हुए हैं। सती प्रथा, बाल विवाह, विधवा पुनर्विवाह के संबंध में इस सदन ने कानून पारित भी किए हैं लेकिन मुस्लिम समाज से जुड़े सुधारों के लिए आजक इस सदन में पहल नहीं की गई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पहल हो रही है और हमें इसका स्वागत करना चाहिए। वक्फ बोर्ड पर भू-माफिया की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उपयोग के आधार पर संपत्ति घोषित किए जाने का दुरुपयोग हुआ है। वक्फ की संपत्ति दान की हुई भूमि होती है लेकिन उपयोग के आधार पर वक्फ घोषित की गई कोई भी संपत्ति को किसी ने दान नहीं किया है। वे हमेशा छीनी गई है। उन्होंने कहा कि बहुत सी वक्फ संपत्तियों पर भू-माफिया का कब्जा है। उन्होंने कर्नाटक के कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों के नामों का उल्लेख किया जिन्होंने संपत्तियों को कब्जाया हुआ है।

रक्षा मंत्री ने माउंट एवरेस्ट और माउंट कंचनजंघा के लिए अभियान को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक से माउंट एवरेस्ट और माउंट कंचनजंघा के लिए अभियान को हरी झंडी दिखाई। इस अभियान में भारतीय सेना के 2?4 पर्वतारोही 10 एनसीसी कैडेट्स के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करेंगे। इसी तरह भारतीय सेना और नेपाली सेना की संयुक्त टीम माउंट कंचनजंघा की चढ़ाई के लिए रवाना हुई है। भारतीय सेना के माउंट एवरेस्ट अभियान? में 10 एनसीसी कैडेट्स समेत 34 पर्वतारोही शामिल हैं, जो लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी के नेतृत्व में पारंपरिक साउथ कोल रूट का अनुसरण करेंगे। यह टीम माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर)पर चढ़ाई करके तिरंगा फहराएगी। इसी तरह संयुक्त भारत-नेपाल अभियान का उद्देश्य माउंट कंचनजंघा पर चढ़ना है, जिसमें भारतीय सेना के 12 पर्वतारोही और नेपाली सेना के छह पर्वतारोही शामिल होंगे। माउंट कंचनजंघा (8,586 मीटर) के लिए टीम का नेतृत्व भारतीय सेना के कर्नल सरफराज सिंह करेंगे। माउंट एवरेस्ट पर संयुक्त एनसीसी अभियान का नेतृत्व कर्नल अमित बिष्ट करेंगे। इस दल में पांच छात्राएं, पांच छात्र कैडेट्स, चार अधिकारी और 11 स्थायी प्रशिक्षक शामिल होंगे। इस महीने शुरू होने वाले इस अभियान का लक्ष्य मई तक अपने-अपने शिखरों पर पहुंचना है।

भरतपुर बाल संप्रेषण गृह से भागे दो खूंखार बाल अपचारी, पुलिस का सर्च अभियान

भरतपुर। शहर के बाल संप्रेषण गृह से गुरुवार देर रात दो खूंखार बाल अपचारी फरार हो गए। इनमें से एक पर मर्डर के 2 मामले दर्ज हैं, वहीं दूसरे पर 13 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक अमित कुमार ने बताया कि ये दोनों बाल अपचारी बाल संप्रेषण गृह के कमरे के बाथरूम के रोशनदान को तोड़ने के बाद छत से होते हुए दीवार लांघकर फरार हुए थे। घटना की जानकारी बाल संप्रेषण गृह के गार्ड ओमप्रकाश को तब लगी जब उन्हें दोनों बाल अपचारी कमरे से गायब मिले। जिसके बाद उन्होंने संप्रेषण गृह के पीछे हर जगह तलाश किया। लेकिन दोनों बाल अपचारी कहीं नहीं मिले। जिसके बाद सीसीटीवी देखने पर उन्हें पूरी घटना का पता चला। जिसके बाद घटना की जानकारी सेवर थाना पुलिस को दी गई। सेवर थाना अधिकारी धर्म सिंह पुलिस जाप्ते के साथ संप्रेषण गृह पहुंचे। जहां उन्होंने पूरी घटना की विस्तार से जानकारी ली और मौके का मुआयना किया। फिलहाल पुलिस घटना के वक्त मौजूद गार्ड को हिरासत में लिया है। जिससे पूछताछ कर रही है।

मध्य प्रदेश के खंडवा में सफाई के लिए कुएं में उतरे आठ लोगों की जहरीली गैस से मौत

एजेंसी

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में छैगांवमाखन थाना क्षेत्र अंतर्गत कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन को लेकर कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन, होमगार्ड और एसडीईआरएफ की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। करीब तीन घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी के शव बरामद कर गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, कोंडावत गांव के चौक में स्थित कुएं में गणगौर प्रतिमा विसर्जन को लेकर सफाई की जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ ही होमगार्ड और एसडीईआरएफ का 15 सदस्यीय दल भी मौके पर पहुंच गया और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

ग्रामीणों के मुताबिक, निमांड अंचल में गणगौर पर्व के अंतिम दिन रणुबाई को विदाई देने के लिए उत्साह का वातावरण रहा। ग्राम कोंडावत में भी ग्रामीणों द्वारा माता के रथ बौड़ाए गए थे। इन रथों के विसर्जन से पूर्व गांव में गणगौर माता की पूजा के साथ भंडारे भी हुए। शाम को जवारे विसर्जन की तैयारियां चल रही थीं। गांव के ही सार्वजनिक कुएं में जवारों का विसर्जन हर साल किया जाता है। जवारे विसर्जित करने से पूर्व सफाई व्यवस्था के लिए गांव के कुनबी समाज के लोग इस कुएं में उतरे, लेकिन वे वापस नहीं आए। अचेत होने लगे, तो इन्हें बचाने के लिए कुछ लोग और कुएं में उतर गए। एक के बाद एक आठ लोग कुएं में कूदे, लेकिन ये वापस नहीं लौट पाए। इसके बाद कोई भी कुएं में उतरने की हिम्मत नहीं दिखा पाया। घटना की जानकारी लगने पर मौके पर पंधाना विधायक छाया मोरे, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मनोज राय, एसडीएम बजरंग बहादुर, तहसीलदार महेंद्र सिंह, छैगांव माखन थाना प्रभारी सिद्दिया दलबल के साथ पहुंचे। होमगार्ड के जवानों को बुलाया गया।

वक्फ की तुलना ट्रस्ट से नहीं हो सकती, वक्फ की संपत्ति को बेचा नहीं जा सकता: सिब्बल

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ की तुलना ट्रस्ट से नहीं की जा सकती है। ट्रस्ट में संपत्ति को बेचा जा सकता है, लेकिन वक्फ में ऐसा नहीं किया जा सकता है। यह वह संपत्ति है जिसे आप 'अल्लाह' को देते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सिब्बल ने चर्चा में भाग लेते हुए वक्फ विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि 2013 के कानून में किसी को भी वक्फ को संपत्ति देने का अधिकार दिया गया था, लेकिन अब सरकार ने इसे बदल दिया है। अब केवल पांच साल से मुस्लिम धर्म का पालन करने वाला ही वक्फ को संपत्ति दान कर पायेगा। सिब्बल ने कहा कि वक्फ एक कानूनी संस्था है। इसमें पहले से ही सरकार की ओर से सदस्यों को नामित किया जाता था। सरकार इसपर भ्रम फैला रही है। उन्होंने कहा कि समस्या की वजह मुतवल्ली से जुड़ी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक के प्रावधानों से अब वक्फ की कब्जा की गई संपत्ती पर कब्जा कायम रहेगा। राज्यसभा में चर्चा के दौरान केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मुद्दा उठाया कि सदन के वरिष्ठ सदस्य अपनी बात रखने के बाद चले जाते हैं। उन्होंने कुछ मुद्दों पर उनके रखे गए मुद्दों पर स्पष्टीकरण दिया।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ लोगों को भड़काने का षडयंत्र रच रहे हैं कांग्रेस-सपा व भू-माफिया: डॉ. सनवर पटेल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल का सभी को स्वागत करना चाहिए और इस बिल का हर कोई स्वागत कर रहा है। इसका विरोध सिर्फ कांग्रेस और सपा जैसे राजनीतिक दल कर रहे हैं, जो मुस्लिमों के हितैषी नहीं हैं बल्कि उनका इस्तेमाल वोट बैंक की तरह करना चाहते हैं। इस बिल का विरोध ऐसे लोग भी कर रहे हैं जो वक्फ बोर्ड की आड़ में भू-माफिया बनकर मोटी कमाई कर रहे हैं। यही लोग देश की जनता को भड़काने का षडयंत्र रच रहे हैं। डॉ. सनवर पटेल भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सहित देशभर के दो करोड़ लोगों से सुझाव लेने के बाद वक्फ संशोधन बिल लाया गया है। ऑनलाइन भी सुझाव लिए गए हैं। यह बिल वक्फ कानून की विसंगतियां दूर करने के साथ मुस्लिम समाज के गरीबों-महिलाओं और जरूरतमंदों के लिए अंत्योदय का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि यह बिल वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के असली हकदारों को उनका हक दिलाने के लिए लाया गया है। वक्फ बोर्ड के कामकाज में वक्फ संशोधन बिल पारदर्शिता लाएगा और वक्फ बोर्ड की आय भी बढ़ेगी। यह संशोधन विधेयक देश के भाईचारे और मुस्लिम समाज के हित व मुस्लिम समाज के जरूरतमंद लोगों के हक में है।

मुस्लिमों के हर वर्ग का होगा सशक्तीकरण

वक्फ बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वर्ष 1995 में वक्फ एक्ट लाई थी और वर्ष 2013 में चुनाव से ऐन वक्त पहले कांग्रेस सरकार ने उसमें संशोधन किया। मुस्लिमों को वोट बैंक मानने वाली कांग्रेस को न मुस्लिम समाज की भलाई की चिंता थी और न वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता की फिक्र थी। मुस्लिम समाज के हितों के लिए मोदी सरकार वक्फ संशोधन बिल लाई है। मुस्लिमों में भी बोहरा, खानी, पसमांदा जैसे कई समाज हैं।

आजादी के बाद पहली बार नक्सलियों के गढ़ पहुंचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, चौपाल में सुनीं समस्याएं

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा के कोर इलाके रायगुड़ेम गांव पहुंचकर जन चौपाल लगाई और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुना व समाधान का भरोसा दिया। आज़ादी के बाद पहली बार नक्सलियों के गढ़ रायगुड़म पहुंच कर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों से मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। दरअसल, सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत घुर नक्सल प्रभावित रायगुड़म वह इलाका है, जहां नक्सलियों ने इसके सभी मार्ग को बंद कर लम्बे समय तक अपने कब्जे में रखा था। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को रायगुड़ेम तक पहुंचने के लिए नक्सलियों के गढ़ में हेलीपेड से उतरने के बाद बाइक का सफर तय करना पड़ा। यहां रायगुड़म में उपमुख्यमंत्री ने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओंको सुना और उन्हें सरकार की ओर से समाधान करने का भरोसा दिया। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री के दौरा को देखते हुए रायगुड़ेम इलाके में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस दौरान रायगुड़म में बस्तर आईजी सुंदरराज पी. एवं सुकमा एसपी किरण चौहान और बड़ी संख्या में पुलिस व सुरक्षाबल तैनात रहे। इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा का यह कोर इलाका लंबे समय तक नक्सलियों के कब्जे में रहा था। जहां उनकी इजाजत के बगैर कोई नहीं जा सकता था। क्षेत्र के हालात इतने बदतर हो गए थे कि यहां तैनात जवानों के लिए सड़क मार्ग से राशन पहुंचाने के दौरान नक्सली हमला कर राशन लूट लेते थे। इसके बाद लम्बे अरसे तक यहां के जवानों के लिए हेलीकाप्टर से राशन की आपूर्ति की जाती रही। उल्लेखनीय है कि 5 अप्रैल को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में कार्यक्रम है। वे दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध हेरोइन एवं ड्रोन बरामद

एजेंसी

जैसलमेर। गंगानगर के श्रीकरणपुर सेक्टर में रात्रि भारत-पाकिस्तान अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सीमावर्ती क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया। संदिग्ध हेरोइन का वजन 500 ग्राम है।

सीमा सुरक्षा बल के जन सम्पर्क अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों की रात्रि गश्त की वजह से ड्रग्स तस्कर सीमावर्ती क्षेत्र में पाकिस्तान से भेजी गयी ड्रग्स खेप को प्राप्त करने के लिए निश्चित स्थान पर नहीं पहुंच पाये। इसलिए एक पैकेट में 500 ग्राम संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। इससे पहले भी पाकिस्तान ड्रोन से भारतीय सीमा में हेरोइन की तस्करी करने की कोशिश करता रहा है, जिसे सीमा सुरक्षा बल ने निरंतर नाकाम किया है। इससे पहले 21 मार्च 2025 को भी सीमा सुरक्षा बल ने सतराना, बीकानेर से लगी भारत-पाक अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के आईजी एमएल गर्ग ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल अंतरराष्ट्रीय सीमा एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रग्स तस्करी को लेकर सजग एवं सतर्क है तथा सीमावर्ती क्षेत्र में रात्रि गश्त एवं विशेष प्रकार के अभियान चलाए जा रहे है। सीमा सुरक्षा बल ड्रग तस्करी को पूर्णतया समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

लोकसभा में वक़्फ़ विधेयक पारित होने पर मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने दी बधाई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश वक़्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर समत्व भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक़्फ़ विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज़ हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विधेयक के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे समाज के कमजोर तबके को न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वक़्फ़ संपत्तियों के उचित संरक्षण, नियोजन और उनके न्यायोचित उपयोग के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए समुचित कदम उठाए हैं। उसी में वक्फ बोर्ड के नियम में इस प्रकार के संशोधन/प्रावधान करना जरूरी थे। वास्तविक गरीब से गरीब आदमी को वक्फ बोर्ड से लाभ मिले, खासतौर पर जरूरतमंद लोगों को। उन्होंने कहा कि कुछ शक्ति सम्पन्न लोगों ने अपने हित में वक्फ की सम्पत्ति पर अवैध कब्जे कर लिए थे, ताकि उनका आधिपत्य और वक्फ की सम्पत्ति पर दखल हमेशा बना रहे। यह ठीक किया जाना जरूरी था। इन सब व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी शुरूआत की है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वक़्फ़ समिति के अध्यक्ष, सभी पदाधिकरियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने भोपाल शहर के मुस्लिम समाजजनों के बीच इस तथ्य को मजबूती के साथ सबके सामने रखा है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण और गरीबों को उनका वाजिब हक़ दिलाने के लिए सबके साथ खुले मन से चर्चा करके सबके हित में निर्णय लेना जरूरी था और यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में यह विधेयक पारित हो गया है।

रोहतक में सजा हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 का मंच

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 का मंच सज चुका है। दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे। छात्र छात्राओं में महोत्सव के प्रति काफी उत्साह है। आज दिनभर तैयारी के दौरान छात्र छात्राओं ने एमडीयू के टैगोर सभागार की साज सज्जा में भरपूर योगदान दिया। सभागार की गैलरी में चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें अलग अलग क्षेत्रों में प्रसिद्धि हासिल करने वाली हरियाणा की विभूतियों के चित्र लगाए गए हैं,ताकि युवाओं को इनसे प्रेरणा मिले। इनमें हरियाणवी सिनेमा से लेकर भारतीय सिनेमा,शिक्षा,चिकित्सा,विज्ञान,खेल, मीडिया,उद्योग व अन्य क्षेत्रों के प्रमुख चेहरे शामिल हैं। वहीं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महान स्वतंत्रता सेनानियों,साहित्यकारों और महापुरुषों के चित्र प्रदर्शनी स्थल पर देखने को मिलेंगे। विश्व संवाद केंद्र के सचिव राजेश कुमार ने बताया कि हरियाणा की सभ्यता और संस्कृति पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन करने तथा राज्य के भाईचारा और सामाजिक समरसता को उजागर करने के उद्देश्य से 4 अप्रैल से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में हरियाणवी फिल्म महोत्सव 2025 प्रारंभ होगा। विश्व संवाद केन्द्र, हरियाणा, सिने फाउंडेशन, हरियाणा तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन 4 अप्रैल को हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे, जबकि समापन समारोह में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। प्रसिद्ध अभिनेता राजकुमार राव भी समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह उद्घाटन एवं समापन समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। इस फिल्म महोत्सव के शानदार आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और आज आयोजन समिति ने आयोजन संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप दिया। आयोजन समिति ने महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, ताकि हरियाणा की समृद्ध संस्कृति और कला को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव में हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और लोक जीवन पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियां और प्रस्तुतियां होंगी, जो फिल्म प्रेमियों और सांस्कृतिक कर्मियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगी। फिल्म महोत्सव के दौरान तीन विशेष कार्यशालाएं (मास्टर क्लास) आयोजित की जाएंगी- स्क्रिप्ट टू सिनेमा, हरियाणवी संस्कृति के विकास में गीत संगीत की भूमिका और क्षेत्रीय (हरियाणवी) सिनेमा का महत्व व विकास क्यों जरूरी। इसके अलावा, लघु फिल्मों और वृत्तचित्रों की प्रतियोगिता भी होगी, जिनमें से चयनित फिल्मों को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

असंवैधानिक है वक्फ संशोधन विधेयक: प्रो. रामगोपाल यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने कहा कि कल मध्यरात्रि तक लोकसभा में चर्चा चली चर्चा के बाद विधेयक पारित हुआ। दोनों तरफ से अच्छे वक्ताओं ने भाषण दिए लेकिन संसद में पैदा हुई असमंजस की स्थिति से देश की जनता में भी असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोग संसदीय लोकतंत्र का नुकसान कर सकते हैं। सारे धर्मो के लोगों के साथ सामान व्यवहार होना चाहिए। दुनिया में मुस्लिम लोगों की आबादी से कहीं ज्यादा देश में इनकी आबादी है। ऐसे में उनको नहीं लगना चाहिए कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। सरकार पर हमला बोलते हुए रामगोपला ने कहा कि जो सरकार अतीत में जो किया है जनता उससे संतुष्ट नहीं है। जो बातें सरकार ने कहीं उन वायदों को न ही पूरा किया और न ही अमल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से सांसदों ने अपने भाषण में बार बार जमीन औऱ पैसे की लेकिन इस विधेयक पर सभी के सहयोग से आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग रास्ते पर चलने वाले लोगों को मिलकर चलना होगा तभी देश की तरक्की होगी। प्रोफेसर मनोज झा की बात की ओर इशारा करते हुए रामगोपाल ने कहा कि आज देश लोकतांत्रिक देश से सर्वाधिकारवादी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। जो सत्ता पक्ष औऱ विपक्ष दोनों के लिए हानिकारक है। इसलिए इस स्थिति को पैदा नहीं होना देना चाहिए। उन्होंने संभल की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जो उत्तरप्रदेश में हो रहा है वो सही नहीं है। ईद के दिन मुस्लिम लोग छत पर नमाज नहीं पढ़ सकते। संभल में ईद के दिन नमाज पढ़ रहे थे, बाहर अधिकारी रिवालवर लेकर घूम रहे थे। ऐसे माहाल में अच्छे मन से भी कोई विधेयक लाएंगे तो भी अल्पसंख्यक लोग सरकार पर क्यों भरोसा करेगी। उन्होंने सभापति की तरफ देखते हुए कहा कि उत्तरप्रदेश सरकार को समझाने की जरुरत है कि वे अल्पसंख्यक लोगों के साथ सही तरीके से व्यवहार करें। इस तरह तो सरकार के सामने ही इस कानून को लागू करने में मुश्किलें आएंगी।उन्होंने कहा कि इस विधेयक में एक व्यवस्था है जिसके तहत निर्णय लेने का सारा अधिकार कलेक्टर को दे देने की व्यवस्था है। सारा अधिकार कलेक्टर के पास होगा तो यह संविधान के अनुछेद 26 का उल्लंघन है। यह असंवैधानिक है।

SANSAD TV 2 HD
LIVE
पीठासीन : सभापति, श्री जगदीप धनखड़

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से असहमत लेकिन मानेंगे आदेश: ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर असहमति जताई, जिसमें राज्य के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के 25 हजार 753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द कर दी गई हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार फैसले को मानते हुए सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करेगी। राज्य सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, मैं न्यायपालिका और न्यायाधीशों का अत्यधिक सम्मान करती हूं लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेगी, लेकिन जो भी कानूनी रास्ते उपलब्ध हैं, उन्हें आजमाया जाएगा। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इस मामले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं लेकिन भाजपा नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वे नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों और कर्मियों से मुलाकात करेंगी और उन्हें आश्वस्त करेंगी कि उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। ममता बनर्जी ने ये भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को लागू करने के लिए तीन महीने का समय दिया है और इस समय सीमा के अंदर वह इसे निश्चित तौर पर लागू करेंगी।

गुजरात में भाजपा विधायक के फर्जी हस्ताक्षर व मुहर से बनाए जा रहे थे आधार व पैन कार्ड

एजेंसी

सूरत। गुजरात के सूरत के वराछा रोड विधानसभा सीट से विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री कुमार कानाणी (किशोर कानाणी) के फर्जी हस्ताक्षर और मुहर से आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाने के रैकेट को पुलिस ने पकड़ा है। इस सिलसिले में एमबीए के छात्र को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी छात्र उड़ीसा से फर्जी मुहर बनवाकर लाया था, जिसका उपयोग पिछले तीन महीने से कर रहा था। मामले में पुलिस ने मुहर बनाने वाले एक अन्य आरोपी को वांछित घोषित किया है। कापोद्रा पुलिस के अनुसार एक अप्रैल की शाम गश्त के समय सर्विलांस स्टाफ को सूचना मिली कि दीपक पटनायक नामक 26 वर्षीय युवक फर्जी मुहर का उपयोग कर लोगों के आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम-पता बदलता है। पुलिस ने ऑपरेशन शुरू कर कापोद्रा सौराष्ट्र सर्किल से दीपक पटनायक को पकड़ा। इसके पास से विधायक के नाम की मोहर, हस्ताक्षर, आधार कार्ड, प्रिंटर, कम्प्यूटर, आधार कार्ड बनाने के लिए भरे हुए व खाली फार्म समेत अन्य सामान जब्त किए गए। आरोपी दीपक ने पूछताछ में बताया कि उसने ओडिशा के संबलपुर से एक अज्ञात व्यक्ति के पास से वराछा रोड क्षेत्र के विधायक कुमार कानाणी के नाम की नकली मुहर बनवाई थी। इसके बाद उसने सूरत के कापोद्रा सौराष्ट्र सर्किल के समीप क्षमा सोसायटी के गेट नंबर-चार के सामने किराए पर ऑफिस लिया था। पिछले तीन महीने से आधारकार्ड और पैन कार्ड में नाम-पता सुधारने का काम कर रहा था। ग्राहकों से वह प्रत्येक फॉर्म के लिए 200 रुपये फीस लेता था।

पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार ने बताया कि एक टीम बनाकर पांच घंटे में ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। आरोपी इंदिरागांधी यूनिवर्सिटी में एमबीए की पढ़ाई कर रहा है। इसके पास से 20 से अधिक भरे और साइन-मुहर मारे फॉर्म कब्जे में लिए गए। विधायक कुमार कानाणी के आधारकार्ड का जेरोक्स भी आरोपी के पास से बरामद हुआ है।

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खुबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

COLTON'S SPEEDWAY
19

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है।

अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी, सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।

एथलीट हर्ष का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना कांठ क्षेत्र निवासी एथलीट हर्ष तोमर का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन हो गया है। हर्ष को प्रवेश के लिए दस्तावेजों का सत्यापन व मेडिकल कराने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। 14 वर्षीय हर्ष ने अपने बड़े भाई यश तोमर को देखकर एथलेटिक्स का अभ्यास शुरू किया। लगातार मेहनत और कोच के मार्गदर्शन से वह जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने लगे। 400 व 800 मीटर दौड़ में जिला स्तर पर वह स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। ओपन स्टेट चैम्पियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता। जबकि राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में पदक से चूक गए। अब उन्हें अपने खेल को निखारने और आगे बढ़ने के लिए साई के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिले का मौका मिला है। उनके पिता राजीव तोमर कांठ के रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात हैं। उन्होंने हर्ष को आगे बढ़ाने के लिए उनके कोच गौरव कश्यप को श्रेय दिया। हर्ष का लक्ष्य एथलेटिक्स में राष्ट्र स्तरीय पदक जीतकर सेना में नौकरी पाना है।

फीफा फुटबॉल रैंकिंग: भारत 127वें स्थान पर पहुंचा, बांग्लादेश दो पायदान ऊपर चढ़ा

नई दिल्ली। वैश्विक फुटबॉल नियामक संस्था फीफा की ओर से जारी नवीनतम पुरुष रैंकिंग में भारत एक स्थान फिसलकर 127वें स्थान पर आ गया है।मार्च 2025 में एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में ब्लू टाइगर्स को बांग्लादेश से ड्रॉ पर रोका गया था। इस परिणाम से बांग्लादेश को दो पायदान ऊपर चढ़कर 183वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। मिस्र की राष्ट्रीय टीम पिछली रैंकिंग में 33वें स्थान पर रहने के बाद विश्व स्तर पर 32वें स्थान पर पहुंच गई। मोरक्को विश्व स्तर पर 12वें स्थान पर और सेनेगल विश्व स्तर पर 18वें स्थान पर है, जबकि अल्जीरिया अफ्रीका में चौथे और विश्व स्तर पर 36वें स्थान पर है और नाइजीरिया अफ्रीका में पांचवें और विश्व स्तर पर 43वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर अर्जेंटीना ने अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन दूसरे स्थान पर पहुंच गया और फ्रांस तीसरे स्थान पर खिसक गया।

इस बार नए प्रारूप में होगी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप, झांसी करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन उत्तर प्रदेश के झांसी में 4 अप्रैल से शुरू होगा। इस बार यह टूर्नामेंट उसी नए डिवीजन-आधारित प्रारूप में खेला जाएगा, जैसा कि मार्च में सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दौरान अपनाया गया था। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप इस बार पदोन्नति और निर्वासन प्रणाली को भी जोड़ा गया है। प्रतियोगिता में कुल 30 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें तीन डिवीजन - डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में बांटा गया है। यह सभी मैच उत्तर प्रदेश के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम, झांसी में 4 से 15 अप्रैल 2025 तक खेले जाएंगे। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार सुबह 7:00 बजे से शुरू होंगे।

डिवीजन-आधारित प्रतियोगिता का नया प्रारूप

डिवीजन ए में भारत की शीर्ष 12 टीमें शामिल होंगी, जो चैम्पियनशिप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डिवीजन बी में टीमें डिवीजन ए में पदोन्नति के लिए संघर्ष करेंगी।

डिवीजन सी की टीमें डिवीजन बी में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। में बनेंगे 16 नए बिजली उपकेंद्र, स्थान चिह्नित, पीएम रखेंगे नींव

डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें पिछले वर्षों के प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई हैं। गत विजेता हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और उपविजेता हॉकी हरियाणा भी इस डिवीजन का हिस्सा हैं।

दिग्गज बल्लेबाज हैं रोहितः पोलार्ड

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय ओपनर रोहित शर्मा का बचाव करते हुये मुंबई इंडियंस (एमआई) के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि कुछ मैचों के आधार पर दिग्गज बल्लेबाज की फार्म का आकलन करना सही नहीं है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कांफ्रेंस में पोलार्ड ने कहा रोहित क्रिकेट के लीजेंड हैं। उनके नाम रिकार्ड बुक में कई रिकार्ड दर्ज हैं। कुछ मैचों के आधार पर उनकी बल्लेबाजी को आंकना सही नहीं होगा। उनका बल्ला कभी भी आग उगल सकता है। उनकी फार्म को तूल देना या उन पर दवाब बनाना नाइंसाफी होगी। गौरतलब है कि रोहित शर्मा आईपीएल के मौजूदा सत्र में फ्लाप रहे हैं। एमआई की तरफ से अब तक खेले गये तीन मैचों में वह सिर्फ 21 रन जोड़ सके हैं। इकाना स्टेडियम की पिच को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा सच कहूं तो मै कोई पिच क्यूरेटर नहीं हूं लेकिन हमें हालात के अनुकूल ढलने का आदी होना चाहिये। विश्व स्तरीय बल्लेबाजों ने कभी पिच के बारे में बात नहीं की है। उन्होने कहा कि मुबंई इंडियंस की शुरुआत ओसत रही है मगर यह टीम वापसी की कुव्वत रखती है।

आईएसएल-दूसरे सेमीफाइनल का पहला मैच : मोहन बागान को पटकनी देकर जमशेदपुर ने बढ़त बनाई

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी ने रात उलटफेर भरी जीत हासिल कर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे डबल-लेग सेमीफाइनल में लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट्स 1-0 की बढ़त बनी ली है। मेजबान टीम जमशेदपुर एफसी ने अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए आईएसएल 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में फेवरेट मोहन बागान सुपर जायंट पर 2-1 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की। रेड माइनर्स की शानदार जीत में स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो ने 24वें और कप्तान व स्पेनिश अटैकिंग मिडफील्डर हावी हर्नांडेज ने 90+1वें मिनट में गोल किए। मेजबान टीम के कप्तान हावी हर्नांडेज को निर्णायक गोल करने और पूरे समय मैदान पर मशक्कत करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। जमशेदपुर की अप्रत्याशित जीत से मुख्य कोच खालिद जमील निश्चित तौर पर प्रसन्न होंगे, क्योंकि साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उनकी टीम पर दबाव कम होगा। वहीं, जीत की दावेदार होने के बावजूद मोहन बागान सुपर जायंट की इस हार से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना जरूर निराश होंगे, क्योंकि उनकी टीम को अपने घर पर बेहतर गोल अंतर के साथ जीत हर हाल में हासिल करनी पड़ेगी। मैच का पहला गोल 24वें मिनट में आया, जब स्पेनिश स्ट्राइकर हावी सिवेरियो ने जमशेदपुर एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। अटैकिंग थर्ड पर बायीं तरफ टच-लाइन से थ्रो-इन पर लेफ्ट-बैक मोहम्मद ओवैस ने गेंद को बॉक्स के अंदर फेंका, जिस पर नियर पोस्ट से नाइजीरियाई सेंटर-बैक स्टीफन ने हैडर से गेंद को फ्लिक करके फार पोस्ट की तरफ पहुंचा, जहां छह गज के खतरनाक इलाके में मौजूद सिवेरियो ने सटीक हैडर लगाया और गेंद टिप्पा खाकर राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी जबकि मोहन बागान सुपर जायंट के गोलकीपर विशाल कैथ के पास बचाव का कोई मौका नहीं था। 37वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने फ्री-किक पर शानदार गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट को 1-1 की बराबरी दिला दी। अटैकिंग थर्ड पर मिली फ्री-किक पर जैसन ने लगभग 35 गज की दूरी से करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोम्स अपने बायीं तरफ डाइव लगाने के बावजूद बचाव करने में विफल रहे।

पंचकूला में होगा पहला 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। ।हरियाणा के पंचकूला में 24 मई को पहली बार नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी क्लासिक) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता की पुष्टि की है। यह प्रतियोगिता वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड कैटेगरी इवेंट होगी, जो इसे विश्व चैंपियनशिप के लिए एक महत्वपूर्ण क्वालीफिकेशन स्पर्धा बना देगी। इस इवेंट में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रतियोगिता का आयोजन पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में किया जाएगा। वर्तमान विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा अपने 2025 सीजन की शुरुआत 16 मई को कतर में होने वाले दोहा डायमंड लीग से करेंगे। यह इवेंट नीरज चोपड़ा क्लासिक से ठीक एक सप्ताह पहले होगा। नीरज ने भारत में अपना पिछला इवेंट 2024 फेडरेशन कप में खेला था, जहां उन्होंने 82.27 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था।

हैदराबाद पर मिली जीत के बाद केकेआर के उपकप्तान वेंकटेश अय्यर ने कहा-सकारात्मक लेकिन सही इरादे दिखाना जरूरी

एजेंसी

कोलकाता। अय्यर ने मैच के बाद कहा, आक्रामकता का एक मूल लेकिन महत्वपूर्ण अर्थ है सकारात्मक लेकिन सही इरादा दिखाना, अगर हमारी टीम 50 पर 6 है और मैं तब भी हर गेंद को हिट करने जाऊं, तो वह भले ही सकारात्मक लगे, लेकिन सही नहीं है। स्मार्ट क्रिकेटर कहलाने के लिए ज़रूरी है कि हम स्थिति को समझें और फिर प्रतिक्रिया दें। अय्यर ने स्पष्ट किया कि केकेआर के लिए आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर बाउंड्री मारना नहीं है। आक्रामकता का अर्थ है परिस्थितियों को समझना और उन्हें अपने पक्ष में कैसे मोड़ा जाए, यह जानना।उन्होंने कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा बल्लेबाज़ अंकृष रघुवंशी की भी सराहना की, जिनकी सलाह ने उन्हें पिच को बेहतर ढंग से समझने में मदद की। रहाणे और अय्यर ने 51 गेंदों में 81 रनों की साझेदारी की, जिसमें रहाणे ने 38 रन बनाए और रघुवंशी ने अर्धशतक जमाया। अय्यर ने कहा, टाइमआउट के दौरान मुख्य बातचीत अजिंक्य और अंकृष द्वारा की गई। उन्होंने यह समझाया कि यह पिच इतनी आसान नहीं है कि आते ही हिटिंग शुरू कर दें। आपको थोड़ा समय लेना होगा।

केकेआर की बल्लेबाज़ी रणनीति में अय्यर और रिंकू सिंह ने आधार तैयार किया, जिसके बाद अंतिम ओवरों में आक्रमण की योजना थी। अय्यर ने कहा, मेरे पास यह लग्ज़री है कि हमारे पास रिंकू, रमनदीप और रसेल जैसे बल्लेबाज़ हैं। अगर मैं कुछ गेंदें लेता हूं, तो भी हम उसे कवर कर सकते हैं। हमारे पास एक इंजन रूम है जो किसी भी गेंदबाज़ी आक्रमण को ध्वस्त कर सकता है। एसआरएच की अत्यधिक आक्रामक बल्लेबाज़ी रणनीति पर बात करते हुए, जिसे केकेआर के गेंदबाज़ों - विशेषकर वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती (तीन-तीन विकेट) - ने धराशायी कर दिया, अय्यर ने कहा, एसआरएच के खिलाफ कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं लगता। जब कोई टीम बेहद आक्रामक होती है, तो उसके विकेट जल्दी गिरने का जोखिम भी अधिक होता है, और हमने इसी का फायदा उठाया। अंत में अय्यर ने भारतीय तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी की वापसी पर भी खुशी जताई। उन्होंने कहा, मेरे अंदर का क्रिकेट फैन बहुत खुश है कि शमी भाई फिर से पूरी रफ्तार में दौड़ रहे हैं। रणजी ट्रॉफी में उन्हें खेलना बेहद चुनौतीपूर्ण था, और टी20 में तो अगर गेंदबाज़ गलती करे, तो वह आसानी से बाउंड्री बन सकती है।

'पीकेएल लेवल अप': ओलंपिक पदक विजेता पीआर श्रीजेश ने प्रो कबड्डी खिलाड़ियों के लिए प्लेयर डेवलपमेंट वर्कशॉप का नेतृत्व किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजक माशल स्पोर्ट्स ने खिलाड़ियों के समग्र विकास के उद्देश्य से 'पीकेएल लेवल अप' प्लेयर डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया। यह अनूठी पहल खिलाड़ियों को न केवल मैट पर बल्कि उससे बाहर भी सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। वर्कशॉप में खिलाड़ियों को सोशल मीडिया, मीडिया इंटरव्यू, मानसिक मजबूती और करियर प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज शामिल हुए, जिनमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पी.आर. श्रीजेश, मेटा इंडिया की अल्पी चौधरी, प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर दीपक पारीक, वर्ड्सवर्क कम्युनिकेशंस कंसल्टिंग की सीईओ नेहा माथुर रस्तोगी, और प्रसिद्ध स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. चैतन्या श्रीधर प्रमुख रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ जीवन में भी सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था।

पी.आर. श्रीजेश ने साझा किए सफलता के मंत्र

पी.आर. श्रीजेश ने अपनी प्रेरणादायक बातें साझा करते हुए कहा, जब आप जीतते हैं, तो लोग आपको याद रखते हैं, लेकिन असली सीख तब मिलती है जब आप हारते हैं। हार के बाद जो खिलाड़ी लगातार मेहनत करता है, वही अंततः सफल होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को सोशल मीडिया और सार्वजनिक जीवन में अपनी छवि को बेहतर बनाने की सलाह दी। जीवन केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं होता। आपका पारिवारिक जीवन, सोशल मीडिया पर आपकी प्रस्तुति, और आपके द्वारा प्रदर्शित मूल्य–ये सब आपकी पहचान का हिस्सा होते हैं। इसके अलावा, उन्होंने टीमवर्क पर जोर देते हुए कहा, टीम में एक खिलाड़ी की गलती पूरे दल को प्रभावित कर सकती है। इसलिए आपसी समझ बहुत महत्वपूर्ण होती है। मैदान पर प्रतिद्वंद्विता होती है, लेकिन मैच के बाद सम्मान और खेल भावना कायम रहनी चाहिए।

मानसिक मजबूती पर डॉ. चैतन्या श्रीधर के सुझाव

डॉ. चैतन्या श्रीधर, जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर में पहली महिला स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के रूप में इतिहास रचा है, ने खिलाड़ियों को मानसिक मजबूती के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा, खेल करियर छोटा होता है, इसलिए खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मजबूत रहना बेहद जरूरी है। चोट से उबरने के दौरान या खराब प्रदर्शन के समय मानसिक तैयारी सफलता की कुंजी होती है।

मध्य प्रदेश में राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कारों की घोषणा

एजेंसी

भोपाल। राज्य शासन ने राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार वर्ष 2023 की घोषणा की है। राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार में 12 विक्रम, 11 एकलव्य, तीन विश्वामित्र और एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार शामिल हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पुरस्कार प्राप्त सभी को बधाई दी है। मंत्री सारंग ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2023 के राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार- विक्रम पुरस्कार, एकलव्य, विश्वामित्र पुरस्कार एवं लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्तियों को हार्दिक बधाई।''

पुरस्कार का विवरण-वर्ष 2023: खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल से जुड़ी हस्तियों को खेलों में किये गये उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राज्य स्तरीय विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र एवं लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कारों की मूल भावना है कि यह पुरस्कार केवल शासन की ओर से नहीं, बल्कि समस्त जनता की ओर से प्रदेश में खेलों का विकास करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्ती को सम्मान के लिये दिया जाता है।

विक्रम पुरस्कार (12 पुरस्कार)

विक्रम पुरस्कार वर्ष 1972 से प्रदान किया जा रहा है। विक्रम पुरस्कार सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। विक्रम पुरस्कार 12 सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है, जिसमें से ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं राष्ट्रीय खेलों में खेले जाने वाले खेल में 6 व्यक्तिगत श्रेणी में, 3 दलीय श्रेणी में, एक पुरस्कार दिव्यांग श्रेणी में एवं एक पुरस्कार परंपरागत खेल (ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं राष्ट्रीय खेल में नहीं खेले जाने वाले खेलों को छोड़कर) एवं एक पुरस्कार साहसिक खेल में दिया जाता है। विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किये जाने वाले खिलाड़ी को 2 लाख रुपये एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है। विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित कर शासकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान की जाती है।

विक्रम पुरस्कार-2023

1. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर - शूटिंग2. जाहन्वी श्रीवास्तव-क्याकिंग-केनोइंग3. रागिनी मार्को - तीरंदाजी4. शिवानी पवार - कुश्ती5. श्रुति यादव - बॉक्सिंग6. यामिनी मौर्य - जूडो7. सचिन भार्गो - खो-खो8. नीलू डांडिया - हॉकी9. प्रवीण कुमार दवे - सॉफ्टबॉल10. रूबिना फ्रांसिस - शूटिंग11. अपूर्व दुबे - पॉवर लिफ्टिंग12. भावना डेहरिया - माउंट एवरेस्ट

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा स्थापित करने के लिये छोटी उम्र से ही खेलों के प्रति एकाग्रता आवश्यक है। अत~ इस ओर बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 1996 से जूनियर खिलाड़ियों के लिये, जिन्होंने प्रदेश के लिये अटूट विश्वास सतत् साधना कर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

दुबई में पहली बार बीकेएफसी: वर्ल्ड टाइटल फाइट्स और ग्लोबल स्टार्स के साथ ऐतिहासिक मुकाबले

एजेंसी

दुबई। वर्ल्ड लीग ऑफ फाइटर्स (डब्ल्यूएलएफ) और दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल ने बरे नक्कल फाइटिंग चैंपियनशिप (बीकेएफसी) को पहली बार दुबई में लाने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। दो अप्रैल को बुर्ज अल अरब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डब्ल्यूएलएफ के सह-संस्थापक राजेश बांगा और सुनील मैथ्यू, दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के निदेशक ईसा मोहम्मद शरीफ और बीकेएफसी के संस्थापक डेविड फेल्डमैन ने इस ऐतिहासिक आयोजन की जानकारी दी। बीकेएफसी की पहली अमीरात चैंपियनशिप 04 और 05 अप्रैल को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस स्टेडियम में होगी, जो इसे मध्य पूर्व में एक प्रमुख कॉम्बैट स्पोर्ट्स इवेंट बना देगी। राजेश बांगा और सुनील मैथ्यू ने कहा, इस आयोजन को दुबई लाने में हमें दो साल लगे। बीकेएफसी दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता कॉम्बैट स्पोर्ट बन गया है और अब दुबई इस खेल का सबसे बड़ा गंतव्य बनने जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन दिग्गज फाइटर्स की झलक मिली, जो इस टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे। 04 अप्रैल को वेल्टरवेट चैंपियनशिप में कार्लोस स्नेक ट्रिनीडाड और ऑस्टिन ट्राउट मुख्य मुकाबले में होंगे, जबकि महिला स्ट्रॉवेट चैंपियनशिप में ब्रिटेन हार्ट बनाम ताई एमरी का रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। 05 अप्रैल को टोमी स्ट्राइडम और काई स्टीवर्ट फेदरवेट टाइटल के लिए टकराएंगे, वहीं हैना रैंकिन और जेसिका बोर्गा महिलाओं की मुख्य फाइट में आमने-सामने होंगी।

भारतीय टेनिस स्टार क्रीश त्यागी जूनियर ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार

एजेंसी

बेंगलुरु। भारत के नंबर एक जूनियर टेनिस खिलाड़ी क्रीश त्यागी के लिए यह साल बेहद अहम साबित हो सकता है। 17 वर्षीय यह युवा खिलाड़ी जूनियर और सीनियर सर्किट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है और अब वह जूनियर ग्रैंड स्लैम जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों की तैयारी में जुटा है। हाल ही में, त्यागी अपने घरेलू शहर बेंगलुरु में चल रहे एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में खेले, जहां उन्हें पहले दौर में एसडी प्रज्वल देव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस हार से वह निराश नहीं हैं। मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए त्यागी ने कहा, घर पर खेलना हमेशा अच्छा लगता है, लेकिन मैं हाल ही में अहमदाबाद से लौटा हूं, जहां परिस्थितियां अलग थीं। यहां खेलते समय मुझे लगा कि गेंदें जल्दी आउट हो रही थीं। अहमदाबाद में ऐसा नहीं था, शायद ऊंचाई में बदलाव का असर पड़ा। इसके अलावा,

उन्होंने स्वीकार किया कि वह मैच की शुरुआत में लय नहीं पकड़ पाए। वह (प्रज्वल देव) बहुत अच्छे से शुरू हुए, लेकिन मैं खेल में खुद को नहीं ढाल पाया। मेरी शुरुआत धीमी रही और मैं थोड़ा असहज महसूस कर रहा था। इससे पहले, त्यागी ने अहमदाबाद में हुए आईटीएफ एम25 टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें चैंपियन आर्यन शाह से हार मिली। इस शानदार प्रदर्शन ने उनकी सीनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की काबिलियत को और मजबूत किया। सीनियर और जूनियर सर्किट के अंतर पर उन्होंने कहा, महत्वपूर्ण पलों में सीनियर खिलाड़ी बहुत बेहतर खेलते हैं। वे सर्व और रिटर्न को अच्छे से संभालते हैं और जानते हैं कि किस समय कौन-सा शॉट खेलना है। बड़े मैचों में यही छोटे-छोटे पल अंतर पैदा करते हैं।

आने वाले दिनों में त्यागी का शेड्यूल बेहद व्यस्त रहेगा। वह मलेशिया में दो हफ्ते जूनियर टूर्नामेंट खेलेंगे, उसके बाद थाईलैंड में जेबी1 टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। फिर फ्रेंच ओपन जूनियर ग्रैंड स्लैम, विंबलडन और यूएस ओपन में खेलेंगे। इससे पहले, इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेल चुके त्यागी को लगता है कि अब वह जूनियर ग्रैंड स्लैम के लिए तैयार हैं। ग्रैंड स्लैम में खेलना मुश्किल होता है, लेकिन अन्य शीर्ष जूनियर टूर्नामेंटों से बहुत अलग नहीं है। कई बार मलेशिया के किसी टूर्नामेंट में जिन खिलाड़ियों का सामना होता है, वही खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम में भी मिलते हैं। इसलिए, अनुभव काम आता है।

एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में कई भारतीय युवा टेनिस खिलाड़ी चमक बिखेर रहे हैं, जिनमें आर्यन शाह और करण सिंह भी शामिल हैं। भारतीय टेनिस के भविष्य पर बोलते हुए त्यागी ने कहा, हम सभी एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में टेनिस लगातार बेहतर हो रहा है और बतौर टॉप जूनियर खिलाड़ी मुझे वाइल्डकार्ड एंट्री मिलती है। टेनिस एसोसिएशन का समर्थन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। त्यागी को हराने वाले आर्यन शाह अब अगले दौर में प्रज्वल देव से भिड़ेंगे, जबकि करण सिंह का मुकाबला निकिता इयानिन से होगा।

राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटे यश यादव और स्पर्श सिंह का स्वागत

एजेंसी

मुरादाबाद। महानगर मुरादाबाद के दो होनहार जूडो खिलाड़ी यश यादव और स्पर्श सिंह द्वारा राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटने पर स्वागत अभिनन्दन किया गया। जिला जुडो संघ के सचिव सुहेल अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता 28 से 31 मार्च तक देहरादून में आयोजित हुई। आशियाना कॉलोनी निवासी यश यादव ने 100 किलो भार वर्ग में रजत पदक जीता। जबकि लाइनपार के प्रकाश नगर निवासी स्पर्श सिंह ने 60 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीता है। सुहेल अहमद ने बताया कि दोनों खिलाड़ी लगातार राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में मुरादाबाद का नाम रोशन कर रहे हैं। पिछले आठ वर्षों से दोनों जूडो का अभ्यास कर रहे हैं।

युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप : फाइनल में जयपुर पिंक कब्स से भिड़ेगी युवा योद्धास

एजेंसी

हरिद्वार। युवा ऑल स्टार्स चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में युवा योद्धास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वारियर्ज़ के.सी. को 15 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब उनका मुकाबला जयपुर पिंक कब्स से होगा, जो पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है।

हरिद्वार के वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में युवा योद्धाओं ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 6-0 की बढ़त बना ली। लगातार दो बार ऑल आउट करते हुए उन्होंने हाफ टाइम तक स्कोर 22-9 तक पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में उन्होंने अपनी पकड़ बनाए रखी और अंततः 39-21 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में शिवम सिंह ने 10 रेड अंक अर्जित किए और सर्वश्रेष्ठ रेडर रहे, जबकि रवि ने 7 टैकल अंक हासिल कर बेहतरीन डिफेंस दिखाया। जयपुर पिंक कब्स और युवा योद्धास टूर्नामेंट में अब तक तीन बार आमने-सामने आ चुके हैं और हर बार जयपुर पिंक कब्स ने बाजी मारी है। पूल स्टेज में जयपुर पिंक कब्स ने 36-33 से करीबी जीत दर्ज की थी। इसके बाद हेड-टू-हेड राउंड में भी जयपुर पिंक कब्स ने 44-29 और 33-26 से जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। युवा योद्धास को प्लेऑफ के जरिए फाइनल में पहुंचने का मौका मिला, जहां उन्होंने पहले एलिमिनेटर में युवा मुंबा को 38-27 से हराया और फिर सेमीफाइनल में वारियर्ज़ के.सी. को शिकस्त दी।

आईपीएल 2025: कोलकाता ने हैदराबाद को 80 रन के विशाल अंतर से हराया

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 15वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने वेंकटेश अय्यर और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 80 रन से हराया है। ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में केकेआर ने पहले बल?लेबाजी करके 20 ओवर में 200 रन बनाए, जिसके जवाब में हैदराबाद की टीम 16.4 ओवर में 120 रन पर ऑलआउट हुई। आईपीएल इतिहास में रनों के लिहाज से हैदराबाद की यह सबसे बड़ी हार रही। 201 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज ट्रेविस हेड (4), अभिषेक शर्मा (2) और ईशान किशन (2) जल्दी-जल्दी आउट हो गए। मिडिल ऑर्डर से भी कोई बड़ी पारी खेलने में कामयाब नहीं रहा। नितीश रेड्डी (19), कमिंडु मेंडिस (27) और हेनरिच क्लासेन (33) ने छोटी पारियां खेली, लेकिन यह नाकाफी रही। इसके अलावा अनिकेत वर्मा (6) और कप्तान पैट कमिंस (14) ने भी निराश किया। 120 रन के स्कोर पर एसआरएच ऑलआउट हुई। केकेआर की तरफ से वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट चटकाए। आंद्रे रसेल को दो सफलताएं मिली। हर्षित राणा और सुनील नरेन के खाते में एक-एक विकेट आया। इससे पहले, वेंकटेश अय्यर (60) और अंगरिक्ष रघुवंशी (50) की उम्दा पारियों के दम पर कोलकाता नाइटराइडर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 200 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स की शुरूआत बेहद खराब रही। 16 रन के स्कोर पर दोनों ओपनर्स सुनील नरेन (7) और क्विंटन डी कॉक (1) पवेलियन लौटे। कप्तान अजिंक्य रहाणे (38) और अंगरिक्ष रघुवंशी (50) ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी करके केकेआर को संभाला। जीशान अंसारी ने रहाणे को विकेटकीपर क्लासेन के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अंगरिक्ष रघुवंशी ने अपना अर्धशतक पूरा किया और कमिंडु मेंडिस की गेंद पर हर्षल पटेल को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद वेंकटेश अय्यर (60) और रिंकू सिंह (32*) ने पांचवें विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। दोनों बल?लेबाजों ने चौकों की बौछार की और सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की नाक में दम कर दिया। अय्यर ने कमिंस द्वारा किए पारी के 19वें ओवर में 21 रन बटोरे। अय्यर ने केवल 25 गेंदों में पचासा जड़ा। वह आखिरी ओवर में पटेल की गेंद पर अनिकेत को कैच थमाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने 29 गेंदों में 7 चौके और तीन छक्के की मदद से 60 रन बनाए। आखिरी गेंद पर आंद्रे रसेल (1) रन आउट हुए। जबकि रिंकू सिंह ने 17 गेंदों में चार चौके और एक छक?के की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। एसआरएच की तरफ से मोहम्मद शमी, पैट कमिंस, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल और कमिंडु मेंडिस को एक-एक सफलता मिली।

अमि त्रिवेदी से लेकर

दिव्यांका त्रिपाठी

तक, कोई नहीं ले पाया 'दया बेन' की जगह, कुर्सी अब भी है खाली

सोनी सब टीवी का कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले डेढ़ दशक से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है. इस लंबे सफर के दौरान कई एक्टर्स ने इस शो को अलविदा कहा और उनकी जगह मेकर्स ने उनके किरदारों के लिए बड़ी ही आसानी से रिप्लेसमेंट भी ढूंढ लिया. लेकिन पिछले 6 सालों से वो 'दया बेन' के लिए रिप्लेसमेंट नहीं ढूंढ पाए. दरअसल एक्ट्रेस दिशा वकानी ने अपनी प्रेग्नेंसी के चलते इस शो से ब्रेक लिया था और तब से मेकर्स को नई दया बेन की तलाश है. कुछ दिन पहले एक्ट्रेस काजल पिसल की तरफ से कहा गया था कि वो दया बेन बन सकतीं हैं, लेकिन अब उन्होंने भी इस बयान से यूटर्न ले लिया है. सिर्फ काजल पिसल ही नहीं इन 6 सालों में कई एक्ट्रेस का नाम 'दया बेन' के किरदार के लिए सामने आया है, लेकिन अब तक इस किरदार की 'कुर्सी' खाली है.

एमी त्रिवेदी

दिशा वकानी के शो छोड़ने के बाद सबसे पहले टीवी एक्ट्रेस एमी त्रिवेदी का नाम उनकी रिप्लेसमेंट के तोर पर सामने आया था. कहा जा रहा था कि एमी, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की नई दया बेन बन सकती हैं. गुजराती थिएटर की स्ट्रांग बैकग्राउंड के चलते एमी की एक्टिंग भी शानदार थी. लेकिन फिर भी बात नहीं बन पाई.

राखी विजन

'हम पांच' की 'स्वीटी' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस राखी विजन का नाम भी कुछ साल पहले 'दया बेन' के किरदार के लिए सुर्खियों में आया था. उनकी ऑन स्क्रीन एनर्जी 'दया बेन' के ऑनस्क्रीन एनर्जी से पूरी तरह से मेल खा रही थी. लेकिन इन खबरों के बीच फिर एक बार मेकर्स दिशा वकानी के कमबैक का इंतजार करने लगे.

दिव्यांका त्रिपाठी

मेकर्स ने टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी को भी 'दया बेन' का किरदार ऑफर किया था. लेकिन दिव्यांका कोई ऐसा किरदार नहीं करना चाहती थीं, जो पहले से ही मशहूर हो और यही वजह है कि अच्छा ऑफर मिलने के बावजूद दिव्यांका ने तारक मेहता की 'नई दया बेन' बनने से इनकार कर दिया था.

ऐश्वर्या सखूजा

सूत्रों की मानें तो सीरियल 'सास बिना ससुराल' की 'टोस्टी' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखूजा ने भी 'दया बेन' के किरदार के लिए ऑडिशन दिया थी, लेकिन एक्ट्रेस और मेकर्स के बीच बात आगे नहीं बढ़ पाई.

ऐश्वर्या शर्मा

बिग बॉस फेम ऐश्वर्या शर्मा का 'दया बेन' की मिमिक्री वाला रील सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था. इस वीडियो के बाद ये दावा किया गया था कि ऐश्वर्या दिशा वकानी के किरदार को न्याय दे सकती हैं. लेकिन ये बात भी महज अफवाह साबित हुई.

जन्नत जुबैर

से ब्रेकअप के बाद परेशान हैं फैजू? 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के सेट पर छलका दर्द

सोनी टीवी के 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के लेटेस्ट एपिसोड में, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैसल शेख यानी 'मिस्टर फैजू' काफी परेशान नजर आए. उनके कन्फ्यूज एक्सप्रेशन देखकर सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के जज रणवीर बरार और विकास खन्ना ने फैजू से उनकी परेशानी का कारण पूछा. जब उन्होंने फैजू से पूछा कि आप इतने परेशान क्यों दिख रहे हो? तब जजों के इस सवाल का जवाब देते हुए फैजू ने कहा कि इन दिनों मेरी जिंदगी में कुछ ऐसी बातें हो रही हैं, जो मुझे बहुत परेशान कर रही हैं. मैं इसी वजह से थोड़ा डिस्टर्ब हूं.' दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर जन्नत और फैसल के ब्रेकअप की खबरें वायरल हुई थीं, अब मास्टरशेफ में फैसल की बातें सुनने के बाद लग रहा है कि खुद फैसल ने अपने ब्रेक अप को कंफर्म कर दिया है.

फैसल की बात सुनने के बाद शेफ रणवीर बरार ने उनकी हौसलाअफजाई करते हुए कहा, जब आप इस किचन में आते हैं, तब बाहरी दुनिया बाहर ही रह जाती है. फिलहाल आप वर्तमान पर अपना ध्यान दें.रणवीर के साथ-साथ विकास खन्ना ने भी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के इस स्टार कंटेस्टेंट को समझाते हुए कहा कि आप दौड़ के अंतिम चरण में हैं और ऐसे समय आप इधर-उधर देख रहे हैं. आप पहले वाले फैजू नहीं हैं. तो रणवीर ने उनसे कहा कि आप हमेशा कहते हैं कि आप फिनिश लाइन से चूक जाते हैं. अब जब आप उसके करीब पहुंच रहे हो, तब खुद पर सवाल न उठाएं. अपना सर्वश्रेष्ठ दें और बाहर क्या हो रहा है, इसके बारे में न सोचें. जजों की ये हौसलाअफजाई फैजू के कितने काम आई, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

एक दूसरे को सोशल मीडिया पर किया अनफॉलो

जन्नत जुबैर और फैसल शेख के ब्रेकअप की चर्चा तब तेज हो गई जब जन्नत ने इंस्टाग्राम पर फैसल को अनफॉलो कर दिया. फैजू को अनफॉलो करने के बाद जन्नत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें लिखा था कि जो है उसे मान लो, जो था उसे जाने दो, और जो होगा उस पर आप विश्वास रखो. सिर्फ जन्नत ही नहीं बल्कि उनके भाई अयान जुबैर और मां नाज़नीन ने भी फैसल को अनफॉलो कर दिया है. अब फैजू की बातों से जन्नत के साथ उनकी अनबन की अफवाहों को और बल मिल गया है.

औरंगजेब बनने से पहले, अजय देवगन की नाक में दम कर चुके हैं अक्षय खन्ना, छाप डाले थे 345 करोड़

हिंदी सिनेमा में बीते कुछ सालों में हीरो से ज्यादा विलेन का बोलबाला देखने को मिला है. बॉबी देओल और संजय दत्त ने जब से विलेन की गद्दी संभाली है, तभी से बड़े-बड़े सितारे भी नेगेटिव रोल प्ले करने का रिस्क उठा रहे हैं. 900 करोड़ी 'एनिमल' में बॉबी विलेन बनकर छा गए. संजय दत्त तो कई साल पहले ही विलेन की दुनिया में एंट्री ले चुके थे. इस साल जब अक्षय खन्ना ने औरंगजेब बनकर बॉक्स ऑफिस पर एंट्री की, तो वो भी हीरो से ज्यादा छा गए. 800 करोड़ की कमाई कर चुकी 'छावा' में विकी कौशल और रश्मिका मंदाना के काम को दबाने वाले अक्षय खन्ना पहले अजय देवगन की नाक में भी दम कर चुके हैं.अक्षय खन्ना का शुरुआती करियर कुछ खास नहीं रहा. उनकी पहली ही फिल्म फ्लॉप थी, उसके बाद भी उन्होंने कई फ्लॉप पिक्चरें थिएटर में रिलीज की. लेकिन अब पिछले कुछ साल में अक्षय खन्ना की किस्मत जाग उठी है. 'छावा' में औरंगजेब बनने से पहले भी उन्होंने 345 करोड़ी फिल्म में काम कर तारीफें बटोरी हैं. 'छावा' से पहले अक्षय खन्ना के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म कोई और नहीं बल्कि 'दृश्यम 2' हुआ करती थी.

अक्षय खन्ना की पहली सबसे बड़ी फिल्म

साल 2022 में सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 2' थिएटर में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में अजय देवगन लीड रोल में थे और नेगेटिव रोल में तब्बू और अक्षय खन्ना नजर आए थे. अक्षय ने फिल्म में अजय देवगन को दिमाग के सारे घोड़े दौड़ाने पर मजबूर कर दिया था. फिल्म में अक्षय खन्ना ने आईजी तरुण अहलावत का किरदार निभाया था. उनके काम ने हर किसी को काफी इंप्रेस किया था. ये फिल्म साल 2022 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हुई थी.

'छावा' ने तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी 'दृश्यम 2' ने भारत में 240.54 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने 345.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. 'छावा' से पहले ये फिल्म अक्षय खन्ना के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी. हालांकि 'छावा' में औरंगजेब बनने के बाद उनकी इस फिल्म का रिकर्ड टूट गया है. अब अक्षय खन्ना की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'छावा' बन चुकी है.

पवन सिंह की पत्नी ने सबके सामने मांगी माफी, किसके आगे ज्योति ने जोड़े हाथ?

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. फैंस उन्हें प्यार से पावर स्टार बुलाते हैं. अपनी एक्टिंग के साथ ही पवन अपने फैंस के दिलों पर अपनी जादुई आवाज से भी राज करते हैं. पवन अक्सर ही अपनी फिल्मों और गानों को लेकर चर्चा में रहते हैं. वहीं उनकी पत्नी ज्योति सिंह भी सुर्खियों में रहने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं.पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह अपनी खूबसूरती से भोजपुरी अदाकाराओं को भी तगड़ी टक्कर देती हैं. वहीं वो सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. अक्सर ही वो पोस्ट करती हैं. हाल ही में उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया है जो चर्चाओं में है. क्योंकि इसके जरिए उन्होंने हाथ जोड़कर माफी मांगी है. देखते हैं कि आखिर पवन सिंह की पत्नी ने किससे और क्यों माफी मांगी?

पवन सिंह की पत्नी को मांगनी पड़ी माफी

पवन सिंह की पत्नी इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी पेश करने वाली हैं. वो इसके लिए कमर भी कस चुकी हैं. इसी बीच उनकी एक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा है. इसमें ज्योति ने बताया कि वो फिलहाल बीमार हैं.

उनकी तबीयत ठीक नहीं है. ज्योति ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, माफी चाहूंगी आप सभी से विगत कई दिनों से तबीयत बिगड़ने के कारण मैं अपने काराकाट क्षेत्र से दूर रही हूं, इसका दुख मुझे भी रहा है. मैं बेशक बीमार हूं, लेकिन मेरा ध्यान अपने क्षेत्रबासियों की तरफ ही है. काफी दिनों से क्षेत्र में मेरी अनुपस्थिति रही है. उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं.

ज्योति सिंह ने आगे लिखा, कल रात से मेरी तबीयत फिर से ज्यादा बिगड़ने के कारण मैं दिनांक 02.04.2025-03.04.2025 एवं आगे कुछ दिनों के निर्धारित कार्यक्रम में उपस्थित नही हो सकूंगी. उसके लिए मैं आप सभी अभिभावकों एवं युवा साथियों से माफी चाहूंगी. चैती नवरात्र एवं चैती छठ पूजा के अवसर पर मां दुर्गा एवं छठी मईया से आप सभी के सुखद जीवन की कामना करती हूं.

काराकाट क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी ज्योति

पवन सिंह की वाइफ ज्योति ने कुछ दिनों पहले ही ऐलान किया था कि वो बिहार विधानसभा का चुनाव काराकाट क्षेत्र से लड़ेंगी. साथ ही बताया था कि वो जल्द ही किसी पार्टी का दामन थामेंगी. ज्योति लगातार काराकाट में 'जन संकल्प यात्रा' निकाल रही हैं और लोगों के बीच पहुंच रही हैं. लेकिन इसके चलते वो बीमार हो चुकी हैं. जल्द ही ज्योति लोगों के बीच वापसी करेंगी.